शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जो लोग दर्शन के संपर्क में थे, उन्हें रेणुकास्वामी हत्याकांड में शामिल नहीं.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 19 जून, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-170

भारत-रूस मित्रता और नरेंद्र मोदी की जीत से चिढ़ा अमेरिका

बाइडेन के दबाव में जापान ने भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के दबाव में जापान ने भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। अमेरिका के दबाव में जापान अपनी बर्बादी का रास्ता खोल रहा है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत, उज्बेकिस्तान, यूएई और चीन की कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध की कार्रवाई पर विचार करने की घोषणा की।

भारत के कथित हितैषी अमेरिका ने जापान को इसके लिए तैयार किया है। अगर जापान ऐसा करता है तो उससे भारत तटस्थ (न्युट्रल) हो जाएगा और चीन के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने के जी-7 देशों के बहुपक्षीय प्रयास अत्यंत मुश्किल हो जाएंगे। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने पिछले दिनों कहा, हाल ही में जी-7 शिखर सम्मेलन में हमने घोषणा की है कि हम प्रतिबंधों के एक नए पैकेज पर विचार कर रहे हैं जिसमें तीसरे देशों की कंपनियां भी शामिल होंगी। हम उज्बेकिस्तान, यूएई, चीन और भारत में व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं।

रूस का विरोध करने के नाम पर भारतीय कॉर्पोरेट्स पर प्रतिबंध लगाना जापान के लिए एक आत्मघाती कदम होगा क्योंकि इससे जापान और भारत के रणनीतिक संबंध खराब हो जाएंगे। करीबी आर्थिक साझेदार होने के अलावा, भारत और जापान क्वाड में एक साथ काम करते हैं। तब रूस के तत्कालीन रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु का दावा सच साबित हो जाएगा कि क्वाड विश्व नेताओं के मनोरंजन और बातचीत का क्लब मात्र है। क्वाड पर अमेरिका का दबदबा है। अमेरिका के दबाव में जापान ने ऐसा किया तो उसका खामियाजा जापान को भुगतना पड़ेगा और क्वाड के जरिए सदस्य देशों में अर्जित परस्पर विश्वास नष्ट हो जाएगा।

बाइडेन की नासमझी से जी-7 देशों का सामंजस्य संकट में

भारत के स्टैंड ने वैश्विक राजनीति को हिलाकर रख दिया

ऐसा होने पर एशिया में अमेरिका के महत्वाकांक्षी रणनीतिक लक्ष्यों को लागू करना और भी मुश्किल हो जाएगा। ये योजनाएं आंशिक रूप से जापान और भारत के बीच संबंधों के पूर्ण सुधार पर ही निर्भर करती हैं। चीन की कठिनाइयां अमेरिका या जापान की कठिनाइयों से बिल्कुल अलग हैं। लेकिन चीन का विकास और भारत का विकास समान धरातल और समान प्रतिस्पर्धा की नजर से देखा जाता है। अमेरिका के दबाव में जापान द्वारा भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की आशंका वैश्विक सहयोग में बाधा डाल सकती है।

भारत यह भी निष्कर्ष निकाल सकता है कि जापान पर यह सब उसके अमेरिकी समर्थक द्वारा दबाव बनाने की योजना के तहत किया गया। रूस का साथ छोड़ने का पश्चिमी दबाव मानने से साफ-साफ इन्कार कर देने के कारण भारत से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन चिढ़े बैठे हैं। इसीलिए बाइडेन जापान के कंधे पर बंदूक रख कर भारत से प्रतिशोध लेना चाहते हैं। लेकिन इसका खामियाजा समझ नहीं पा रहे। भारत से चिढ़ के कारण ही बाइडेन अमेरिका में खालिस्तानी आतंकवादियों को संरक्षण दे रहे हैं और आतंकवादा की परिभाषा की ऐसी-तैसी कर रहे हैं। ▶10 पर

बाइडेन को ठेंगा : ईरान के रास्ते भारत आएगा रूस का कोयला

18 फरवरी 2024 को सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकॉनोमिक फोरम (एसपीआईईएफ) में ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक के दौरान घोषित ईरान के रास्ते भारत को कोयला निर्यात करने की रूस की योजना, एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक बदलाव का संकेत देती है, जो अमेरिकी प्रभाव को चुनौती देती है।

रूस ने ईरान के रेलवे का उपयोग करके भारत को कोयला निर्यात करने की योजना की घोषणा की है। यह घोषणा 27वें सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच (एसपीआईईएफ) में ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक के दौरान की गई।

रूस भारत को कोयला भेजने के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) का उपयोग करेगा। रूस के राष्ट्रपति के सहायक इगोर लेविटिन ने कहा कि कोयले की पहली खेप भारत पहुंचने से पहले ईरान और बंदर अब्बास से होकर गुजरेगी। ईरान के सड़क और शहरी विकास मंत्री मेहरदाद बजरपाश ने ब्रिक्स देशों के बीच परिवहन और पारगमन को बढ़ाने में आईएनएसटीसी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर क्षेत्र में तालमेल को काफी बढ़ावा दे सकता है। रूस में ईरान के राजदूत काज़म जलाली के साथ एक बैठक में लेविटिन ने दोहराया कि पहले कोयले के वैगन भारत के रास्ते ईरान और बंदर अब्बास से गुजरेंगे। दोनों पक्षों ने सहयोग, विशेष रूप से रश्त-अस्तारा रेलवे निर्माण परियोजना पर चर्चा की। यह परियोजना ईरान और रूस के बीच परिवहन संपर्क को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

एक अलग बैठक में, रूसी रेलवे के अध्यक्ष ओलेग बेलोज़ोरोव ने ईरान के राजदूत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। ▶10 पर

अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को बधाई देने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

आपका विश्वास देश को नई ऊंचाई पर ले जाने की प्रेरणा देता है: मोदी

काशी के लोगों को डबल बधाई, आपने तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना

किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त किसानों के खाते में ट्रांसफर

वाराणसी, 18 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को लोकसभा चुनावों के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में बटन दबाकर किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त को सीधे देशभर के किसानों के खाते में ट्रांसफर किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने काशी की जनता को उन्हें लगातार तीसरी बार सांसद और प्रधानमंत्री बनाने के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि बनारस के हर मतदाता का लोकतंत्र के इस उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशी वासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। ये बनारस के लोगों के लिए भी गर्व की बात है कि काशी के लोगों ने सिर्फ अपना एमपी नहीं बल्कि तीसरी बार पीएम भी चुना है। इसलिए आपलोगों को तो डबल बधाई। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश भर से आईं कृषि दीदियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में भी शामिल हुए। उन्होंने मां गंगा की पूजा करने के बाद आरती उतारी। ▶10 पर

देशभर से आईं कृषि दीदियों को भी पीएम मोदी ने दिए प्रमाण पत्र

किसान, युवक, महिलाएं और गरीब विकसित भारत के मजबूत स्तंभ

2014 के बाद पहली बार अन्नदाता किसान महत्व के केंद्र में: योगी

वाराणसी, 18 जून (एजेंसियां)। आजादी के बाद 2014 में पहली बार अन्नदाता किसान देश की राजनीति के एजेंडे का हिस्सा बना। स्वायल हेल्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तक अनेक योजनाओं के जरिए किसानों के जीवन में परिवर्तन कर उनकी आमदनी को कई गुना बढ़ाने की दिशा में जो प्रयास प्रारंभ हुए, आज उसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। मोदी जी ने जब तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली तो सबसे पहले अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित फाइल पर हस्ताक्षर किया और पीएम मोदी के द्वारा आज करोड़ों किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सौगात मिल रही है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वाराणसी में आयोजित किसान सम्मेलन ▶10 पर

लोकसभा अध्यक्ष चुनाव

भाजपा का होगा लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष भाजपा का होगा, उपाध्यक्ष का पद एनडीए गठबंधन में शामिल किसी दल को दिया जा सकता है। भाजपा ने इस आशय का संदेश अपने सहयोगी दलों को दिया है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को छोड़कर सरकार के सभी सहयोगी दल लोकसभा अध्यक्ष का पद भाजपा को देने पर सहमत हैं।

एनडीए के घटक दल को मिलेगा उपाध्यक्ष का पद

भाजपा ने बेसाख्ता ठुकरा दिया विपक्ष का प्रस्ताव

लोकसभा अध्यक्ष पद पर एनडीए में सहमति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लगातार सहयोगी दलों से बातचीत कर रहे हैं। उनकी ओर से अध्यक्ष पद के नाम पर सहयोगियों से चर्चा की जा रही है। जिन तीन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला, पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह और आंध्र प्रदेश की भाजपा सांसद डी पुरंदेश्वरी शामिल हैं। राजग में सहमति बनाने के बाद राजनाथ विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत करेंगे।

भाजपा ने सहयोगियों के सामने स्पष्ट कर दिया है कि अध्यक्ष का पद वह अपने पास रखेगी। पार्टी ने उपाध्यक्ष का पद सहयोगी दलों को देने का प्रस्ताव रखा है। अगर टीडीपी तैयार हुई तो उसे लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद मिल सकता है। दरअसल, सरकार की सबसे बड़ी सहयोगी जदयू के पास राज्यसभा में पहले से ही उपसभापति का पद है।राजनाथ सिंह ने टीडीपी के इतर सभी सहयोगी दलों के नेताओं से बातचीत कर ली है। टीडीपी से भी बातचीत चल रही है। गौरतलब है कि जदयू, लोजपा जैसे सहयोगियों ने पहले ही अध्यक्ष पद के मामले में भाजपा को स्वतंत्र निर्णय लेने को कह दिया है।

भाजपा की योजना मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद नहीं देने की है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,610/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,850/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 77,301.14 +308.37 +0.40% ↑

एनएसई :23,557.90 92.30 (0.39%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 21°

खालिस्तानी आतंकी पन्नू को मारने की साजिश का मामला

अमेरिका ने मुझे झूठा फंसाया: निखिल गुप्ता

न्यूयॉर्क, 18 जून (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश में गिरफ्तार भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने खुद को दोषी नहीं माना है। निखिल गुप्ता ने एक न्यूयॉर्क कोर्ट में पेशी के दौरान कहा कि अमेरिका ने उसे झूठे आरोप में फंसाया है।

न्यूयॉर्क की कोर्ट में दर्ज हुआ निखिल का बयान

निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से प्रत्यर्पित करके अमेरिका लाया गया है।सोमवार 17 जून 2024 को न्यूयॉर्क की कोर्ट में पेश हुए निखिल गुप्ता ने सुनवाई के दौरान खुद को निर्दोष बताया। कोर्ट ने निखिल गुप्ता को 28 जून तक हिरासत में भेज दिया है। निखिल गुप्ता को जमानत नहीं दी गई। निखिल गुप्ता के वकील जेफरी चेब्रोवी ने कहा कि यह काफी जटिल मामला है और इसमें दो देश अमेरिका और भारत जुड़े हैं। जेफरी ने कहा कि हमें मामले को समझे बगैर ऐसे ही इसके निष्कर्षों पर नहीं जाना चाहिए। जेफरी ने कहा कि वह निखिल को बचाने का पूरा प्रयास करेंगे। ▶10 पर

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट से खुलासा

पाकिस्तान से ज्यादा भारत के पास एटम बम

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। खुद को परमाणु ताकत बताकर अक्सर भारत के आगे उछलने वाले पाकिस्तान के लिए चिंताजनक खबर है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के मुताबिक इस साल यानी 2024 में भारत परमाणु शक्ति के मामले में पाकिस्तान से काफी आगे निकल गया है। यह रिपोर्ट स्वीडिश थिंक-टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सिपरी) ने जारी की है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि परमाणु से लैस देश परमाणु हथियारों को बढ़ा रहे हैं और उनका आधुनिकीकरण कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास 2024 में 172 से अधिक परमाणु हथियार हो चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के पास इसकी संख्या 170 ही है। रिपोर्ट दिखाती है कि भारत ने वर्ष 2023 में अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है। ▶10 पर

अब चीन को बेधने वाली मिसाइल पर फोकस

लोकसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा नेताओं में खुला मोर्चा

भाजपा में लत्तम, जुत्तम और फजीहत की नौबत

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बुरी हार के बाद भारतीय जनता पार्टी के अंदर मोर्चा दर मोर्चा खुल गया है और अंदर में लत्तम, जुत्तम और फजीहत की स्थिति बन गई है। हारे हुए भाजपा नेताओं ने अनुशासन को ताक पर रख पर आरोप और प्रत्यारोप की मिसाइलें चलानी शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर 370 और एनडीए के लिए 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए नतीजे आने के बाद मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। कई राज्यों में पार्टी के नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्हें पार्टी के कुछ नेताओं की ही वजह से चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव में हारे प्रत्याशी खुलकर पार्टी के ही कुछ नेताओं को अपनी हार के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और ऐसा करते वक्त वे पार्टी के अनुशासन की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। ताजा मामला उत्तर प्रदेश की सलेमपुर लोकसभा सीट और झारखंड की दुमका सीट से सामने आया है। सलेमपुर से भाजपा के टिकट पर चुनाव हारे रवींद्र कुशवाहा ने अपनी हार के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव और राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। झारखंड में दुमका लोकसभा सीट से चुनाव हारीं भाजपा की उम्मीदवार सीता सोरेन ने खुलकर कहा है कि उन्हें भाजपा के लोगों ने ही लोकसभा चुनाव में हरवाया है। झारखंड की दुमका लोकसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी रहीं सीता सोरेन ने अपनी हार के लिए पार्टी संगठन के नेताओं को जिम्मेदार ठहराया है। सीता सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की बहू हैं। सीता सोरेन ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पहले पाला बदल लिया था और वह भाजपा में शामिल हो गई थीं। भाजपा ने उन्हें दुमका सीट से टिकट दिया लेकिन सीता सोरेन को यहां से लगभग 23 हजार वोटों के अंतर से हार मिली है। ▶10 पर

कुछ नेताओं की ही वजह से चुनाव हारने की शिकायत

कार्टून कॉर्नर

झूलनोत्सव एवं सिंधारा 4 अगस्त को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय संस्था श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में झूलनोत्सव एवं सिंधारा आगामी 4 अगस्त को आयोजित किया जाएगा।

इस हेतु समिति के सदस्यों की एक बैठक होटल 1947 में आयोजित की गई। जिसमें आये हुए भक्तों का अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने स्वागत किया। सचिव संजय चौधरी ने बैठक का एजेंडा बताया। आगामी 4-5 जनवरी 2025 को दो दिवसीय तुलसी चेतना केंद्र मैसूरु रोड के मेन हॉल में दादी सेना के तत्व-ावधान एवं श्री दादी धाम प्रचार समिति के सौजन्य से दादीजी का वार्षिकोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसमें झुंझनू मंदिर के पदाधिकारियों सहित काफी संख्या में देश भर से दादी भक्त पधारेंगे। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में दादीजी का भव्य श्रृंगार, मंगलपाठ, भजन-कीर्तन के साथ दादीजी की चरण पादुका उत्सव मनाया जायेगा। जिसमें भक्तगण झुंझनू मन्दिर से आई हुई चरण-पादुका का अभिषेक व पूजा का लाभ लेंगे। कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने जानकारी दी कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी रम्मा-संजय नोपानी के सौजन्य से दादीजी का झुलनोत्सव एवं सिंधारा उत्सव 4 अगस्त को सुबह 10 बजे से बनेरघट्टा रोड स्थित कल्याणी कला मंदिर में मनाया जाएगा। जिसमें भजन गायिका सुरभी बिरजुका सूरत से पधारकर मंगलपाठ की प्रस्तुति देंगी। वरिष्ठ सदस्य विनय राय ने बताया कि शाम को भजनों पर तम्बोला का कार्यक्रम भी होगा। आगंतुक सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे।

इस अवसर पर संतोष डालमिया, सरोज चौधरी, जया चौधरी, चांदनी मोदी, संजय बजाज, राजेंद्र बजाज, शंकर सुल्तानिया, संजय क्याल, विनोद जगनानी सहित काफी संख्या में सदस्य थे। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने जानकारी दी कि प्रत्येक महीने होने वाला दादीजी का मंगलपाठ/कीर्तन इस बार अनिल, सौरभ-निशा रितोलिया के निवास मारतहल्ली में बहुत ही धूमधाम से सम्पन हुआ। जिसमे मंगलपाठ एवं भजनों की प्रस्तुति सिद्धार्थ नोपानी, जया चौधरी, अस्वनी जेलानी, संजय चौधरी, दीपेश बंसल ने दी।

निर्जला एकादशी पर गुलाब मिल्क शेक का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने राष्ट्रीय कार्यक्रम आनंद सब के लिए के अंतर्गत निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में गुलाब के शरबत से बनाया गया ठंडे मिल्क शेक का वितरण किया। यह वितरण एस वी टॉवर, विल्सन गार्डेन मेन रोड पर किया गया। जिस से वहां से गुजरने वाले 1200 राहगीरों ने इस ठंडे मिल्क शेक से अपनी प्यास बुझाकर, आनंद की अनुभूति की और इसके लिए मंच का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, उपाध्यक्ष सुशील सैनी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कार्यक्रम आयोजक विनोद गर्ग उपस्थित रहे। इस मौके पर शाखा पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी भी पधारे और पूरी टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा अपनी मारवाड़ी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, मंच को इस तरह के कार्यक्रम करते रहना चाहिए।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आज

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला अंधापन नियंत्रण संस्थान, मैसूरु रोटरी इंस्टीट्यूट बन्नूर, लायंस ग्रीन लैंड, बन्नूर विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान बन्नूर और कोयम्बत्तूर में अरविंद नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में स्व.कान सिंह राजपुरोहित की 15वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन बुधवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बन्नूर स्थित विवेकानंद शैक्षणिक संस्थान में रखा गया है। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि निशुल्क नेत्र जांच शिविर को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। राजपुरोहित ने आगे बताया कि शिविर में नेत्र चिकित्सकों के माध्यम से मोतिया बिंद रोगियों के लिए सर्जरी कराने, दवाइयां, इंट्राओकुलर लेंस आदि किया जाएगा। जरूरतमंद लोगों के नेत्र उपचार हेतु कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय के लिए आने-जाने, रहने व नेत्र ऑपरेशन तथा बस सेवा नि:शुल्क रखी गई है।

विमल धारीवाल बने तेयुप बेंगलूरु के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु के सत्र 2023-24 की 41वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर बेंगलूरु में किया गया। अध्यक्ष रजत बैद ने स्वागत वक्तव्य देते हुए सत्र 2023-24 में हुए विशिष्ट कार्यक्रमों का उल्लेख किया। अध्यक्ष रजत बैद ने अपनी प्रबंध मंडल, परामर्शक, कार्य समिति, दान दाताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। सहमंत्री मनोज पोकरणा ने गत बैठक की कार्यवाही का वाचन किया। मंत्री रोहित कोठारी ने प्रगति प्रतिवेदन तेरा तुझको अर्पण की प्रस्तुति दी। कोषाध्यक्ष तरुण पटावरी ने आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। संगठन मंत्री दीपक सुराणा ने इस वर्ष बने नए सदस्यों की जानकारी दी। उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, विवेक मरोठी, सहमंत्री संदीप चोपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। चुनाव अधिकारी दिनेश पोखरणा ने सत्र 2024-25 के अध्यक्ष के रूप में विमल धारीवाल के नाम की घोषणा की। धारीवाल पूर्व में परिषद में रास्ते की सेवा संयोजक एवं सहमंत्री का दायित्व भी संभाल चुके हैं। सभी ने नव मनोनीत अध्यक्ष का स्वागत कर शुभकामना संप्रेषित की। कार्यक्रम में परिषद के पूर्व अध्यक्ष, पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

मेरा परिवार मेरी जिम्मेदारी कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित स्वस्थ समाज स्वस्थ परिवार के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा सोमवार को आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या विदुषी साध्वी उदित यशा जी के पावन सानिध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मेरा परिवार मेरी जिम्मेदारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी श्री जी के नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ।

तत्पश्चात महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष मंजू गदिया ने साध्वी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी का स्वागत किया। साध्वी भव्य यशा जी ने फरमाया कि यह कार्यशाला सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं अपितु सभी के लिए है। जब परिवार स्वस्थ रहेगा तभी समाज स्वस्थ रह सकता है और परिवार कैसे स्वस्थ रहे यह परिवार के सभी सदस्य की जिम्मेदारी है। साध्वी शिक्षा प्रभा जी ने विषय पर अपनी प्रस्तुति सुमधुर गीतिका के माध्यम से दी। साध्वी उदित यशा जी ने वर्तमान परिवेश में समाज तथा परिवार में जो हो रहा है उन्हें छोटी-छोटी घटनाओं के माध्यम से बताया। इसके लिए उन्होंने तीन मुख्य टिप्स बताएं, सहन करो सफल बनो, सकारात्मक ऊर्जा का विकास करें तथा दूसरों पर विश्वास करना सीखे। हर व्यक्ति में गुणों को खोजो उसके अवगुण पर ध्यान मत दो तथा गुणों के विकास के लिए उसकी प्रशंसा करो। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने तथा आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने किया। कार्यक्रम में लगभग 90 भाई-बहनों की उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ के साथ हुआ।

प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने एक साल में कोई विकास कार्य नहीं किया: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि हम यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि राज्य में कांग्रेस सरकार विकास कार्यों के लिए कब योजना देगी। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने पिछले एक साल में राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा की गई प्रगति के बारे में जानकारी दी। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने एक साल में कोई विकास कार्य नहीं किया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि जिस दिन वह सत्ता में आए, उस दिन के बाद से कोई विकास कार्य नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि हम भी उनके लिए कायाकल्प का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने जनता पर राख छिड़कने का काम किया और सिर्फ अपने वोट बैंक के लिए लगातार प्रयास किये। उनका इरादा कोई भी झूठ बोलकर, कितने भी झूठ बोलकर सत्ता हथियाने का था। वह उसमें सफल रहे। उन्होंने आलोचना की कि गारंटी इसी कारण से प्रकाशित की गई थी।

उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कथनी और करनी का उनकी कथनी और करनी से कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धरामैया का दोहरा मापदंड नहीं है, बल्कि उनका एक तिगुना मानक है। बोलना एक है, चलना एक बात है और करना दूसरी बात है। इस प्रकार उनका किसी एक से कोई संबंध नहीं है। सिद्धरामैया ने शिकायत की कि वह अब किसी की बात सुनने की स्थिति में नहीं हैं। जिद्दी भैंसें और जिद्दी गायें किसी की नहीं सुनतीं। जहां भी उन्हें घास और चारा मिलता है, वे दौड़ पड़ते हैं। ऐसी गाय-भैंसों को ज्यादा जोर से जाने से रोकने के लिए उनके गले में एक मोटी छड़ी लगाई जाती है। जनता के हित में कांग्रेस आलाकमान को इसे लागू करना चाहिए था। लेकिन, उनका भी कोई नियंत्रण नहीं है। चलवाडी नारायणस्वामी ने बताया कि सिद्धरामैया आलाकमान को नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में बात करने पर सीएम ने अशोक को बेवकूफ बताया। लेकिन, लोग सिद्धरामैया को सबक सिखाएंगे, क्योंकि उन्होंने दलितों के लिए निर्धारित 25,500 करोड़ रुपये निगल लिए हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि चुनाव में खर्च करने के लिए वाल्मीकि विकास निगम को जो सरकारी खजाने का पैसा दिया गया था, उसे दूसरे खाते में चुनाव के लिए हैदराबाद भेज दिया गया। यह संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने सवाल किया कि क्या आप, जो संविधान के संरक्षक के रूप में बात करते हैं, ने यहां इसका उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह गलती करने वाली कांग्रेस सरकार एक दिन भी सत्ता में रहने लायक नहीं है। आपके कहे अनुसार गारंटी पूरी नहीं की गई है। अब आपने पेट्रोल-डीजल के दाम में भारी बढ़ोतरी कर दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बन्नेरघट्टा रोड स्थित बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम मंदिर पर जेष्ठ सुदी एकादशी निर्जला एकादशी पर सुबह से बाबा श्याम के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। सायं 4.15 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें बाबा के भक्तों ने मधुर भजनों से बाबा श्याम को रिझाया। इस मौके पर बाबा श्याम का फूलों से अदभुत श्रृंगार किया गया। सायं आरती में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किये।*

अभिनेता दर्शन प्रशंसक हत्या मामला

बेंगलूरु पुलिस दो आरोपियों को मौके पर निरीक्षण के लिए मैसूरु ले गई

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने मंगलवार को रेणुकास्वामी हत्याकांड के दो आरोपियों नागराज और लक्ष्मण को मौके पर निरीक्षण के लिए मैसूरु के रेडिसन ब्लू प्लाजा होटल ले गई। इस हत्याकांड में अभिनेता दर्शन भी आरोपी हैं। बता दें कि 11 जून को बेंगलूरु पुलिस ने इसी होटल से दर्शन को हिरासत में लिया था। वह जिम से अपने कमरे में लौटे थे। दर्शन अपनी नई फिल्म डेविल की शूटिंग के लिए अपने कुछ दोस्तों के साथ इस होटल में ठहरे थे। पुलिस ने हत्या के मामले में दर्शन और 12 अन्य लोगों को हिरासत में लिया था। अधिकारियों ने अपराध से पहले और कथित हत्या के बाद दर्शन और उसके दोस्तों की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई। उन्होंने होटल से सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी ली है। आरोपियों को दोपहर करीब 12.10 बजे होटल लाया गया और निरीक्षण के बाद वे दोपहर करीब 2 बजे बेंगलूरु के लिए रवाना हो गए।

कर्नाटक में केएसआरटीसी सीटर कम-स्लीपर बसें शुरू करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पल्लक्की सेवा शुरू होने के बाद स्लीपर बसों की मांग बढ़ने के कारण, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने 30 सीटर-कम-स्लीपर कोच और 70 नॉन-एसी स्लीपर कोच खरीदने के लिए निविदा जारी की है। सीटर-कम-स्लीपर बसों को अपने बेड़े में शामिल करने की केएसआरटीसी की यह पहली कोशिश है। 14 जून को, केएसआरटीसी ने 222 इंच की बसें खरीदने के लिए निविदा जारी की। अधिकारियों के अनुसार, बसें कुछ महीनों के भीतर बेड़े में शामिल कर ली जाएंगी। एक अधिकारी ने कहा यह पहली बार है जब हम सीटर-कम-स्लीपर बसें अपने बेड़े में शामिल कर रहे हैं। हमने ऐसी बसों को अन्य राज्य-संचालित सड़क परिवहन निगमों और कुछ निजी ऑपरेटरों द्वारा संचालित होते देखा है। शुरुआत में, हम अपने बेड़े में और बसें जोड़ने से पहले यात्रियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए केवल 30 ऐसी बसें शामिल करेंगे।

टेंडर दस्तावेजों में स्पष्ट किया गया है कि इन बसों को पहले ट्रायल रन से गुजरना होगा। एक तकनीकी समिति एक महीने के भीतर बसों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेगी। यदि प्रदर्शन संतोषजनक रहा, तो शेष कोचों की डिलीवरी को मंजूरी दी जाएगी।

यदि नहीं, तो केएसआरटीसी बिना किसी मुआवजे के शेष ऑर्डर को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। बसों में मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग पोर्ट, मोबाइल होल्डर, गर्म सफेद एलईडी रीडिंग लाइट, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ऑडियो स्पीकर, यात्रियों के लिए तकिए और ड्राइवर की सहायता के लिए रियर-व्यू कैमरा होगा। अक्टूबर 2023 में, केएसआरटीसी ने पल्लक्की नाम से 40 नॉन-एसी स्लीपर बसें शुरू कीं, जो बेंगलूरु और कर्नाटक के अन्य क्षेत्रों से विभिन्न गंतव्यों को कवर करने वाले मार्गों पर चलती हैं। ये बसें बेंगलूरु से 500 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित गंतव्यों तक जाती हैं, जिससे रात भर की यात्रा की सुविधा मिलती है। केएसआरटीसी 8,113 वाहनों के बेड़े के साथ प्रतिदिन औसतन 27.64 लाख किलोमीटर का परिचालन करता है, जिससे औसतन 32.77 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करते हुए प्रतिदिन 13.51 करोड़ की कमाई होती है।

जो लोग दर्शन के संपर्क में थे, उन्हें रेणुकास्वामी हत्याकांड में शामिल नहीं कहा जा सकता: परमेश्वर

बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध करना विपक्षी भाजपा का अधिकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि अभिनेता दर्शन के संपर्क में रहने वाले सभी लोग रेणुकास्वामी हत्याकांड में शामिल हैं। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी रहेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दर्शन के अभिनेता होने के कारण कई लोग उनके संपर्क में हैं। महज यह नहीं कहा जा सकता कि वे हत्या में शामिल हैं। जांच के चरण में सबूत पेश किए जाएंगे और जांच जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो संपर्क में रहने वालों से पूछताछ की जाएगी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध करना विपक्षी भाजपा का अधिकार है। शासन करना हमारा अधिकार है। हमारे और उनमें यही अंतर है। वे पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर बढ़ाने में राजनीति कर रहे हैं। भाजपा ने हाल ही में हर चीज का राजनीतिकरण किया है। भले ही देश में 14 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए

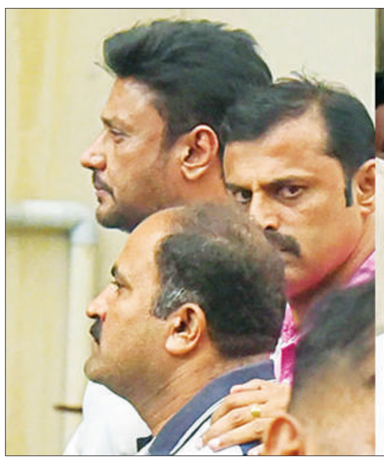

गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि इसे भुला दिया गया है। उन्होंने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम थी, तब भी कीमत बढ़ाकर कितना पैसा इकट्ठा किया गया, यह नहीं बताया जा रहा है। पीएसआई भर्ती मामला अगले दो सप्ताह में अंतिम चरण पर पहुंच जाएगा, दो-तीन बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी मुद्दे उठाए गए हैं और उन्हें सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी के घर जाएंगे, जिनकी कथित तौर पर अभिनेता दर्शन और उनके गिरोह ने हत्या कर दी थी और परिवार के सदस्यों को सांत्वना देंगे और प्रदूषित पानी की समस्या से जूझ रहे मधुगिरी तालुक के चिन्नेनाहल्ली गांव का भी दौरा करेंगे। राहुल गांधी ने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा देने और रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने का फैसला किया है। हम उस फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ पार्टी बनाकर भारत जोड़ो जैसी पदयात्रा कर नवप्रवर्तन किया है। अब हम सभी को उम्मीद है कि वह लोकसभा में विपक्ष के नेता बनें। उन्होंने कहा कि इससे पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

अभिनेता दर्शन मामले में नरम रुख नहीं अपनाएंगे

इससे पहले परमेश्वर ने एक बार फिर दोहराया कि राज्य सरकार कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की कथित हत्या के मामले में संलिप्तता को लेकर किसी भी तरह के दबाव में नहीं झुकेगी, नरम रुख नहीं अपनाएगी और न ही किसी को बचाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मामले में बिना किसी दया के कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने भी इस मामले में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। रेणुकास्वामी की हत्या के मामले की जांच पूरी होने तक सार्वजनिक बयान देना संभव नहीं है। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सौंपी जाएगी और बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई शुरू की जाएगी। मामले में स्थानांतरित किए गए पुलिस अधिकारी गिरीश नाइक की फिर से नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि जांच के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कभी-कभी हमने जांच अधिकारियों को बदल दिया है। दक्षता के आधार पर विभाग में अधिकारियों को फिर से नियुक्त किया जाएगा।

हम इस संबंध में कोई निर्देश नहीं देंगे

हम इस संबंध में कोई निर्देश नहीं देंगे। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने कहा कि वे हत्या के मामले में दर्शन के मित्र और जाने-माने हास्य अभिनेता चिक्कन्ना को नोटिस जारी करेंगे। जांच में पता चला है कि 8 जून को चिक्कन्ना दर्शन के साथ पब में पार्टी कर रहे थे, जिस दिन हत्या हुई थी। दर्शन पब से यह कहकर चले गए थे कि उन्हें कुछ काम है। सूत्रों ने बताया कि यह पता चलने पर पुलिस ने चिक्कन्ना से पूछताछ करने का फैसला किया है। पुलिस इस बारे में जानकारी जुटाएगी कि क्या दर्शन ने पार्टी के दौरान हत्या से जुड़ी कोई बात की थी। सूत्रों ने यह भी बताया कि पुलिस ने दर्शन से गहन पूछताछ की है। शुरुआत में एक शब्द का जवाब देने वाले दर्शन ने अब बयान जारी करना और जानकारी साझा करना शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि उन्हें ज्यादा परेशान न किया जाए और इस मामले से बाहर आने में उनकी मदद की जाए।

नाई की हत्या के प्रयास में चार गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के पुत्तुर में एक नाई की हत्या के प्रयास में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बदगुबेट्टू निवासी प्रवीण (22), कटापडी निवासी अभिषेक (28), पुत्तुर निवासी देशराज (18) और एक अन्य नाबालिग के रूप में हुई है। उडुपी शहर के पुत्तुर में कथित तौर पर समूह ने तलवारों का इस्तेमाल कर नाई चरण और उसके दोस्तों की हत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने चरण और उसके दोस्तों के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, घटना

का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित किया।

चरण ने उडुपी शहर के पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। उडुपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

30 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा में थुना नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित कब्रिस्तान में सोमवार की रात को 30 वर्षीय व्यक्ति की उसके दोस्त ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय राजू नाइक की हत्या उसके दोस्त विक्रम ने की। शराब पीने के बाद दोनों में झगड़ा हुआ। विक्रम ने कथित तौर पर अपने दोस्त को चाकू मार दिया। शिवमोग्गा के एसपी जी.के. मिथुन कुमार ने

मीडिया को बताया कि हत्या का कारण निजी दुश्मनी थी। जांच जारी है। हम जांच करेंगे कि अपराध में अन्य लोग शामिल थे या नहीं।

राज्य सरकार को मारे गए रेणुकास्वामी के परिवार को देना चाहिए साहस : विजयेन्द्र

महिला को सरकारी नौकरी दी जाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार को मारे गए रेणुकास्वामी के परिवार को साहस देना चाहिए। चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी के परिवार को सांत्वना देने के बाद उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात की और कहा कि रेणुकास्वामी की धर्मपत्नी 4 महीने की गर्भवती हैं। आने वाले दिनों में महिला को सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने मांग की कि सरकार मुआवजा भी दे।

रेणुकास्वामी की हत्या एक अमानवीय कृत्य था। नागरिक समाज का कोई भी व्यक्ति इसका समर्थन नहीं कर सकता। सभी को इस घटना की कड़ी निंदा करनी चाहिए। यह मसला सिर्फ राज्य

का नहीं है, इसको लेकर देश में भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर वह अपने पिता, मां को देखेंगे तो उन्हें बहुत दुख होगा। इस घटना में बड़े लोगों के शामिल होने की बात जगजाहिर है। लेकिन, जांच सही तरीके से होनी चाहिए। जांच ढीली नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसी भी दबाव में आए बिना इस तरह से जांच की जाए कि दोषियों और हत्यारों को उचित सजा मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को तत्काल मुआवजा देने का निर्णय लेना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जाए और परिवार को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने पार्टी की ओर से दो लाख का चेक सौंपा। उन्होंने कहा सरकार को मुआवजे के साथ-साथ सरकारी नौकरी भी देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस अवसर पर सांसद गोविंद करजोल, विधायक एम. चंद्रप्पा, पूर्व विधायक तिप्पे-रेड्डी, विधान परिषद सदस्य केएस नवीन, जिला अध्यक्ष मुरुली, नेता एस. लिंगमूर्ति, हनुमंते गौड़ा, पार्टी नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोर्ट ने बीटीसी को घुड़दौड़ और सट्टेबाजी की गतिविधियों को जारी रखने की दी अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु टर्फ क्लब (बीटीसी) को राहत देते हुए, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें उसने जून-अगस्त रेसिंग सीजन के लिए फिक्स्चर के अनुसार बीटीसी को घुड़दौड़ आयोजित करने के लिए लाइसेंस देने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने बीटीसी को लाइसेंस के लिए अपने आवेदन के साथ सरकार को प्रस्तुत रेसिंग के शेड्यूल के अनुसार ऑन-कोर्स और ऑफ-कोर्स रेसिंग और सट्टेबाजी गतिविधियों का संचालन करने की भी अनुमति दी, और कानून के प्रावधानों और इस साल मार्च में आयोजित दौड़ के लिए सरकार द्वारा दिए गए अपने पहले के लाइसेंस में लगाई गई शर्तों का पालन किया। न्यायमूर्ति एस.आर. कृष्ण कुमार ने बीटीसी द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित

किया, जिसमें वर्ष 2024-25 के रेसिंग फिक्स्चर के लिए लाइसेंस की मांग करने वाले बीटीसी द्वारा दायर आवेदनों को खारिज करने के सरकार द्वारा पारित 6 जून के आदेश पर सवाल उठाया गया था। सरकार के सक्षम अधिकारियों ने इस कारण से आवेदनों को खारिज कर दिया था कि लाइसेंस की शर्तों, लागू नियमों और कानूनों का उल्लंघन किया गया था और बीटीसी के परिसर में अवैध सट्टेबाजी, आपराधिक गतिविधि का गठन करती है। सक्षम अधिकारियों ने कर के भुगतान से बचने और बीटीसी के परिसर में अवैध रूप से सट्टेबाजी की राशि एकत्र करने के लिए कुछ सट्टेबाजों के खिलाफ दायर आरोप पत्र और इस संबंध में केंद्रीय अपराध शाखा, बेंगलूरु द्वारा की जा रही आगे की जांच का भी हवाला दिया था। शुरुआत में, बीटीसी ने 20 मई को अदालत में शिकायत की थी कि सरकार द्वारा लाइसेंस के लिए उसके आवेदनों पर विचार नहीं किया जा रहा है। बीटीसी ने कहा था कि हालांकि सीसीबी जनवरी, 2024 से जांच कर रही थी, लेकिन सरकार ने मार्च 2024 के अंत तक लाइसेंस दिया था और उसके बाद 1 अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले रेसिंग कारणों से आवेदनों पर कार्रवाई नहीं की। इसके बाद, अदालत ने 23 मई को सरकार को बीटीसी द्वारा दायर आवेदनों पर 6 जून तक निर्णय लेने का निर्देश दिया। वित्त विभाग और गृह विभाग ने 6 जून को पारित अपने अलग-अलग आदेशों में आपराधिक मामले का हवाला देते हुए आवेदनों को खारिज कर दिया था। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप बीटीसी ने अदालत की अनुमति से अपनी याचिका में संशोधन किया, जिसमें अस्वीकृति की वैधता को चुनौती दी गई। बीटीसी की ओर से तर्क दिया गया कि सरकार कुछ सट्टेबाजों और कुछ अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने के कारण लाइसेंस से इनकार नहीं कर सकती थी क्योंकि बीटीसी को आरोप पत्र में आरोपी के रूप में आरोपित नहीं किया गया है।

प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामला : कोर्ट ने बलात्कार पीड़िता के अपहरण मामले में भवानी रेवन्ना को दी अग्रिम जमानत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व सांसद, बलात्कार के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को राहत देते हुए, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने बेटे के यौन उत्पीड़न की पीड़ितों में से एक के कथित अपहरण के मामले में नियमित अग्रिम जमानत दी।

न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित ने मंगलवार को अग्रिम जमानत की मांग करने वाली भवानी की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। पहले की शर्तों के अलावा, अदालत ने एसआईटी को उन्हें जांच के लिए हासन और मैसूरु जिलों में ले जाने की अनुमति दी। अदालत ने अंतरिम अग्रिम जमानत देते हुए उन पर लगाई गई सभी शर्तें जारी रखीं। हालांकि फैसले की प्रति अभी जारी नहीं की गई है, लेकिन न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा कि उन्होंने एसआईटी की इस दलील को खारिज कर दिया है कि एक बार पुलिस किसी आर-ोपी की हिरासत के लिए अनुरोध करती है, तो अदालतों को हिरासत के कारण पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति दीक्षित ने फैसले का सार बताते हुए मौखिक रूप से कहा कि यह पाया गया कि उसने एसआईटी द्वारा पूछे गए अधिकांश प्रश्नों के उत्तर दे दिए हैं और यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि कोई आरोपी पुलिस द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देगा। अदालत ने मौखिक रूप से मीडिया से अपील की कि

महिलाओं से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग करते समय संयम बरतें, क्योंकि यह सामाजिक ढांचे के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला है। मीडिया ट्रायल लोगों को आरोपी के अपराध के बारे में निष्कर्ष पर पहुंचा सकता है। 7 जून को, अदालत ने भवानी रेवन्ना को इस शर्त पर अंतरिम अग्रिम जमानत दी थी कि वह उस दिन दोपहर 1 बजे तक विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होंगी। वह अदालत के आदेश के अनुसार एसआईटी के समक्ष पेश हुई थीं। हालांकि, अदालत ने एसआईटी को शाम 5 बजे के बाद पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लेने से रोक दिया। साथ ही, अदालत ने उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और उन्हें हासन जिले और मैसूरु जिले के के.आर. नगर तालुक में प्रवेश करने या उसके आसपास मंडराने से रोक दिया। मुख्य मामले के निपटारे तक अंतरिम अग्रिम जमानत देने के आदेश को पुरस्कार नहीं बल्कि विवेक से पारित आदेश करार देते हुए न्यायालय ने निर्देश दिया था कि उसके या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई उत्सव, जुलूस या ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा। 14 जून को एसआईटी के विशेष लोक अभियोजकों ने न्यायालय में आरोप लगाया कि भवानी रेवन्ना जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और भ्रामक उत्तर दे रही हैं, तथा उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए उनकी याचिका को खारिज करने के साथ ही उन्हें दी गई अंतरिम अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग की, ताकि एसआईटी उन्हें हिरासत में ले सके। 14 जून को न्यायालय ने शाम 7.10 बजे तक दलीलें सुनीं, क्योंकि एसपीपी ने मामले की गंभीरता पर जोर दिया था, तथा एसआईटी और भवानी रेवन्ना की ओर से दलीलें पूरी होने के बाद उनकी याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

जेडीएस ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की निंदा करते हुए शहर में विरोध प्रदर्शन किया। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों को कम करने की मांग को लेकर बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन जेडीएस की ओर से मंगलवार को फ्रीडम पार्क में कुवेम्पु प्रतिमा के पास राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। बेंगलूरु महानगर जेडीएस अध्यक्ष एचएम रमेश गौड़ा, विधान परिषद सदस्य केए थिप्पेस्वामी, टीए सरवन, टीएन जावराई गौड़ा, जेडीएस कानूनी इकाई के अध्यक्ष एपी रंगनाथ, रेवन्ना आदि ने विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। लोकसभा चुनाव के ठीक बाद राज्य सरकार ने तेल के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर बोझ डाल दिया। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से सभी चीजों के दाम भी बढ़ जाएंगे और आम आदमी को परेशानी होगी।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत कीमत कम करे। जेडीएस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और राज्य सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

और विधायक बीवाई विजयेन्द्र ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का नासमझी और जनविरोधी फैसला लिया है। बढ़ी दरें वापस होने तक भाजपा संघर्ष करेगी। उन्होंने अपने नेतृत्व में फ्रीडम पार्क के पास आयोजित एक विशाल विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया और पेट्रोल और डीजल की कीमत में वृद्धि के सरकार के कदम की निंदा की। उन्होंने कहा विपक्ष के तौर पर हमें लोगों की तरफ से आवाज उठानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों, गरीबों और आम जनता को न्याय देने का काम हमें और आप सभी को करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में भाजपा ने जनविरोधी सरकार और जनविरोधी मुख्यमंत्रियों के खिलाफ लड़ाई का बीड़ा उठाया है। लोकसभा चुनाव में 18 से 20 सीटें जीतने की उम्मीद लगाए बैठे कांग्रेस नेता नतीजों के बाद निराश हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस विधायक गारंटी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब सिद्धरामैया विपक्षी दल में थे तो लोगों के लिए उनकी चिंता मुख्यमंत्री बनने के बाद कहां गायब हो गई है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार पिछले एक साल में विकास के लिए एक रुपया भी नहीं दे पाई है। कांग्रेस विधायक नाद गौड़ा ने विकास कार्य रुकने को लेकर बयान दिया है। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि वह मैदान में चल भी नहीं सकते हैं। उन्होंने बताया कि वह विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। सड़क, स्कूल व अस्पताल का विकास भी एक सपना है।

सड़क दुर्घटना में घायल दंपति को सांसद ने प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल में कराया भर्ती

कनकपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के नए सांसद डॉ. सी.एन.मंजूनाथ ने सड़क दुर्घटना में घायल एक दंपति को प्राथमिक उपचार दिया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मैसूरु रोड पर एक दुर्घटना में दंपत्ति को तड़पते देख उन्होंने अपनी गाड़ी रोकी और मौके पर जाकर घायल दंपत्ति को अस्पताल

में भर्ती कराया।

अनेकल तालुक के दंपति मुनिवीरप्पा और मुनिरत्नम दोपहिया वाहन पर सातनूर से आ रहे थे, तभी टीटी वाहन राजमार्ग के पास बट्टलुगुंडप्पा पहाड़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसी समय सांसद सीएन मंजूनाथ, जो प्रसिद्ध ग्राम देवता कब्बालम मंदिर में पूजा करने के बाद एक सम्मान समारोह में शामिल हुए थे और वापस जा रहे थे, ने पीड़ित व्यक्ति को देखा और तुरंत उसकी जांच की और उसे सरकारी अस्पताल भेजा। उन्होंने तुरंत सरकारी अस्पताल के प्रशासक डॉ. नरसिम्हामूर्ति से फोन पर संपर्क किया और उन्हें बताया कि वह उन्हें ऑटो-रिक्शा में भेज रहे हैं और उन्हें उचित इलाज देने का निर्देश दिया।

पुलिस की सूझबूझ से हुआ रेणुकास्वामी हत्याकांड का खुलासा: बी.दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सिटी पुलिस कमिश्नर बी.दयानंद ने कहा कि चित्रदुर्ग के रेणुकास्वामी हत्याकांड में अगर पुलिस थोड़ी भी लापरवाही करती तो मामला अलग राह पकड़ लेता। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने बताया कि यह मामला पुलिस की समय की भावना और कर्तव्य की भावना से सामने आया और मशहूर हस्तियों को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले की अलग-अलग एंगल से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच पर्याप्त तरीके से चल रही है और हम अभी जांच के विवरण

का खुलासा नहीं कर सकते। थोड़ी सी भी लापरवाही होती तो मामला कुछ और ही रुख ले लेता। पुलिस की सूझबूझ से यह मामला सामने आया है। किसी व्यक्ति की हत्या करना एक जघन्य कृत्य है। हमें रेणुकास्वामी परिवार को न्याय दिलाना चाहिए। इसलिए मामले को तार्किक अंत तक ले जाने के लिए काम किया जा रहा है। चूंकि यह एक गंभीर मामला है, हम सभी साक्ष्य एकत्र करेंगे और अदालत में आरोप पत्र दाखिल करेंगे। इस मामले की गंभीरता को समझते हुए विजयनगर सब-डिवीजन एसीपी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच टीम में उस विभाग के सभी इंस्पेक्टर और कर्मचारी शामिल हैं। कुछ आरोपियों को मैसूरु में हिरासत में लिया गया है। इसलिए, चित्रदुर्ग, मैसूरु, बेंगलूरु शहर और अन्य स्थानों की जांच और पता लगाना होगा। पुलिस आयुक्त ने कहा कि एक-एक इंस्पेक्टर एक जगह जाकर कई आयामों में जांच और साक्ष्य जुटा रहे हैं। चूंकि इस मामले में कई मशहूर हस्तियां शामिल हैं, इसलिए बहुत सावधानी से सबूत जुटाए जा रहे हैं। अटकलों पर ध्यान न दें। कुछ टिप्पणियाँ, जो जांच का हिस्सा नहीं हैं, सुनी जा रही हैं। यह अच्छा नहीं है। हमें इस मामले को कानून के सामने ले जाना होगा। कृपया इस मामले को व्यापक और सैद्धांतिक स्तर पर ले जाने के लिए धैर्यपूर्वक हमारे साथ सहयोग करें। उन्होंने कहा, हम सभी को इस मामले को जिम्मेदारी से सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि रेणुकास्वामी हत्याकांड में मशहूर हस्तियों समेत कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और गहन जांच की जा रही है।

कोर्ट ने बलात्कार के आरोपी को लड़की से विवाह करने के लिए 15 दिन की जमानत दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 16 वर्ष और नौ महीने की उम्र की लड़की से बलात्कार के आरोपी 23 वर्षीय व्यक्ति को उससे विवाह करने के लिए 15 दिन की जमानत दी है। दोनों पक्षों के परिवार विवाह के पक्ष में हैं, खासकर तब जब लड़की, जो हाल ही में 18 वर्ष की हुई है, ने एक बच्चे को जन्म दिया है। डीएनए परीक्षणों ने पुष्टि की है कि बलात्कार का आरोपी व्यक्ति ही बच्ची का जैविक पिता है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को, जिसे 3 जुलाई की शाम को हिरासत में वापस लौटना होगा, 4 जुलाई को अगली सुनवाई में विवाह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा

कि उसके निर्णय का उद्देश्य बच्ची के हितों की रक्षा करना और युवा माँ का समर्थन करना है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने पिछले शनिवार को आरोपी की याचिका के जवाब में अंतरिम आदेश जारी किया, जिसमें आरोपों को खारिज करने की मांग की गई थी क्योंकि दोनों परिवार शादी के साथ आगे बढ़ना चाहते थे। मैसूरु जिले के रहने वाले आरोपी को फरवरी 2023 में लड़की की मां द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद गिरफ्तार किया गया था कि उसने अपनी बेटी का बार-बार यौन उत्पीड़न किया, जो उस समय 16 साल और नौ महीने की थी। उस पर आईपीसी की धारा 376(2)(एन) और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप हैं। परिस्थितियों के मद्देनजर, न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने युवा मां और बच्चे की कमजोर स्थिति को देखते हुए, उन्हें सहारा देने के लिए विवाह की आवश्यकता पर ध्यान दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु अपार्टमेंट्स फेडरेशन और पीडब्ल्यूडब्ल्यूएओ द्वारा प्रेस्टिज वेस्टवुड्स, बेंगलूरु में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 7 से 8.30 बजे तक आयोजित हुआ। अतिथियों का सम्मान पारुल शाह ने किया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति और योग की महत्वपूर्ण धाराओं को प्रमोट करना था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग शिक्षकों द्वारा योग सत्र, ध्यान और प्राणायाम कराया गया। इस समारोह के माध्यम से समाज को स्वास्थ्यपूर्ण और संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। सुर्यकला सियाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

रामदेव प्रार्थना मंदिर में निर्जला एकादशी पर्व धूम-धाम से मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मागडी रोड दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में मंगलवार को निर्जला एकादशी का पर्व धूम-धाम से मनाया गया। दिन भर रामदेव मंदिर में भजन कीर्तन व दान पुण्य का दौर जारी रहा। कई महिलाओं ने निर्जन व निराहार रहकर व्रत रखा। एकादशी पर महिलाओं ने मंदिर पर मटकियां रखी। महिलाओं ने आम वितरण किए। वही निर्जला एकादशी पर व्रत-पूजन के साथ दान पुण्य की परम्परा को निभाया। प्रात:मंदिर में पूजा अर्चना अभिषेक किया गया। उसके बाद महाआरती की गई। इस मौके पर मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कथा वाचक नवीन पांडे, पंकज शर्मा, राकेश उपाध्याय ने हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर संस्था के सरक्षंक इन्द्रलाल सोलंकी, अध्यक्ष चेतन सीरवी, सलाहकार ओमसिंह राजपुरोहित, संगठन मंत्री जय प्रकाश सीरवी, श्रवण प्रजापत, श्री प्रजापत समाज ट्रस्ट कर्नाटक के अध्यक्ष मदनलाल कपुरपुरा, घेवरराम आटवा, अनील सीरवी, ललित सिंह राजपुरोहित, भानाराम गहलोत एवं रामदेव भक्त मण्डल के समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं रामदेव भक्त महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में अनेक महिलाएं मौजूद रही।

जन्म शताब्दी कार्यक्रम का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वीरवार राव चांदा राठौड़ जी की 519 वीं जन्म शताब्दी मैसूरु में श्री महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट मैसूरु के नेतृत्व में बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। महान वीर चांदा जी राठौड़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करके जन्म शताब्दी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

राजस्थान विष्णु नवयुवक मंडल के मैसूरु अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत ने कहा आज हम श्री वीरवार राव चांदा जी राठौड़ की 519 वीं जन्म शताब्दी मना रहे हैं, जिन्होंने मातृभूमि की आन, बान, शान बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। युगों-युगों तक राव चांदा जी राठौड़ की वीरता पर पूरे देश को सदा नाज रहेगा।

आने वाली पीढियों को भी इस महान वीर से प्रेरणा लेनी होगी। इस मौके पर अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत, मनोहर सिंह चौहान, मालम सिंह मेड़तिया, नरेंद्र सिंह देवड़ा, भंवर सिंह छायण, गंगा सिंह बालावत, नरेश भंडारी, मनीष मुणोत, बाबूलाल रांका आदि उपस्थित रहे।

योग प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और परंपराओं का रहा है अभिन्न अंग: राज्यपाल

राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024 का किया उद्घाटन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मंगलवार को कहा कि योग प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न अंग रहा है और देश के शास्त्रों में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया है और इसने वैश्विक मान्यता प्राप्त की है, जिससे भारत योग का गुरु बन गया है। राज्यपाल गहलोत ने ये टिप्पणियां मैसूरु के मानसागंगोत्री स्थित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई) में 18 से 20 जून तक केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड-2024 के उद्घाटन समारोह में कीं। उन्होंने कहा योग का अभ्यास करने से हम शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और भावनात्मक संतुष्टि प्राप्त करते हैं। योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने का एक उत्कृष्ट साधन है। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो

में धर्म संसद में बताया था, योग ने दुनिया को भारत की समृद्ध विरासत से परिचित कराया। योग की वैश्विक मान्यता पर विचार करते हुए राज्यपाल गहलोत ने कहा 27 सितंबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस को अपनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे 90 दिनों के भीतर स्वीकार कर लिया गया।

तब से, प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय महिला सशक्तिकरण के लिए योग है। राज्यपाल गहलोत ने बताया योग महिलाओं को सशक्त बनाने, उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ाने के लिए एक समग्र उपकरण है। यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करता है। राज्यपाल गहलोत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पहल की सराहना की, जिसने प्रधानमंत्री द्वारा योग की वकालत से प्रेरित होकर 2016 में राष्ट्रीय योग ओलंपियाड की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में योग के प्रति रुचि जगाना, उन्हें इसके इतिहास और महत्व के बारे में शिक्षित करना और व्यक्तित्व विकास में इसकी भूमिका के बारे में बताना है। हर साल छात्रों की बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक है। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जताई कि राष्ट्रीय योग ओलंपियाड पहली बार कर्नाटक के मैसूरु में आयोजित किया जा रहा है।

योग कार्यक्रम ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

कर्नाटक की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा 15 जनवरी, 2023 को 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान कर्नाटक में एक विशाल योग कार्यक्रम ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। राज्य सरकार हर घर योग के माध्यम से कर्नाटक को भारत का अग्रणी योग साक्षर राज्य बनाने के लिए लगन से काम कर रही है। वैश्विक स्तर पर, लोगों ने योग को अपनाया है, जिससे वे स्वस्थ, खुशहाल और लंबे जीवन जी रहे हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से योग और प्राणायाम के सकारात्मक प्रभावों का अनुभव किया है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस कार्यक्रम में एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी , प्रिंसिपल प्रोफेसर वाई श्रीकांत और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

हासन यौन शोषण मामला

बेंगलूरु की अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना को 24 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बलात्कार और यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे पूर्व जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मंगलवार को यहां की एक विशेष अदालत ने 24 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 12 जून को उन्हें विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में भेज दिया था, जो उनके खिलाफ मामलों की जांच कर रहा है।

33 वर्षीय रेवन्ना हाल ही में हुए चुनावों में हासन संसदीय क्षेत्र को बरकरार रखने के अपने प्रयास में विफल रहे थे। 31 मई को जर्मनी से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर उतरते ही एसआईटी अधिकारियों ने रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया। हासन के चुनाव में जाने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को वह जर्मनी के लिए रवाना हो गए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो के माध्यम से एसआईटी द्वारा अनुरोध किए जाने के बाद इंटरपोल ने उनके ठिकाने के बारे में जानकारी मांगने के लिए पहले ही 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी कर दिया था। रेवन्ना को 28 अप्रैल को हासन जिले के होलेनरसीपुर में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर 47 वर्षीय पूर्व नौकरानी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। उन पर यौन उत्पीड़न के तीन मामलों में मामला दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ बलात्कार का भी आरोप है। यौन शोषण के मामले तब सामने आए जब 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले हासन में रेवन्ना से जुड़े कथित वीडियो वाले पेन-ड्राइव कथित तौर पर प्रसारित किए गए। उनके खिलाफ मामले दर्ज होने के बाद जेडी(एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय की टिप्पणी

सहमति से संबंध बनाने का मतलब महिला से मारपीट करने का लाइसेंस नहीं है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर आपसी समहति से संबंध बनता है तो इसका मतलब यह नहीं की महिला से मारपीट करने का लाइसेंस मिल गया है। हालांकि, न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने याचिकाकर्ता के खिलाफ लगाए गए बलात्कार और धोखाधड़ी के अपराधों को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता और महिला दोनों बेंगलुरु के रहने वाले हैं और एक सॉफ्टवेयर कंपनी में साथ काम करते थे। दोनों के बीच पांच सालों से संबंध थे।

जुलाई 2022 में, महिला ने पुलिस से शिकायत दर्ज कराई थी कि एक पुरुष ने शादी का वादे करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए लेकिन बाद में उसे तोड़ दिया। इसके बाद महिला ने अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस से बलात्कार, धोखाधड़ी करने, हमला करने सहित कई अन्य मामलों में एफआईआर दर्ज

करवाई।

वहीं इसके बाद आरोपी ने महिला के द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को यह कहते हुए अदालत में चुनौती दी कि महिला फरवरी 2020 में भी ऐसे ही एक पुरुष पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगा चुकी है। इसलिए महिला द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर को रद्द कर दिया। आरोपी ने दावा किया कि महिला को ऐसे ही अलग-अलग पुरुषों पर मुकदमा दर्ज करवाने की आदत है।

आरोपी की बातों को सुनते हुए और रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री पर गौर करने के बाद, न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा कि सहमति से बनाए गए संबंध के आधार पर बलात्कार और धोखाधड़ी के आर-ोपों को बरकरार नहीं रखा जा सकता है।

हालांकि हमला करने और अन्य आपराधिक मुकदमों को लेकर न्यायाधीश नागप्रसन्न ने बताया कि महिला द्वारा दिए गए प्रमाण पत्रों से यह पता चलता है कि महिला के शरीर पर कई चोटें आईं हैं। जो कि कथित तौर पर आरोपी द्वारा हमला करने के कारण आईं हैं। इसलिए कोर्ट ने मारपीट करने और हमला करने के मामले में पुलिस को जांच करने के आदेश दिए हैं। इस तरह से न्यायाधीश ने महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

अन्नाद्रमुक ने कहा- शशिकला को पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, दोबारा एंट्री की कोई गुंजाइश नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता डी जयकुमार ने सोमवार को कहा कि पार्टी की दिवंगत नेता जे जयललिता की विश्वासपात्र वीके शशिकला को पहले ही बाहर कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि शशिकला के पार्टी में फिर से प्रवेश की संभावना नहीं है। राज्य के पूर्व मंत्री जयकुमार ने पार्टी के खिलाफ जाति की राजनीति के उनके आरोपों को खारिज किया और इसे दुष्प्रचार बताया और कहा कि इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

शशिकला के बारे में पूछे जाने पर जयकुमार ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने 2021 में राजनीति से दूर 2021 में सियासत से दूर रहने का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने 2011 में उन्हें और उनके रिश्तेद-ारों को पार्टी से निष्कासित किए जाने की घटना को भी याद किया, तब जयललिता पार्टी की प्रमुख थीं।

जयकुमार ने कहा, करीब एक दशक पहले जयललिता ने शशिकला (उनके रिश्तेदारों को

नहीं) को खेद पत्र देने के बाद पार्टी में फिर शामिल किया था। उन्होंने 2021 में क्या कहा? उन्होंने कहा कि वह राजनीति से दूर रहेंगी। उन्होंने कहा, वह अन्नाद्रमुक की सदस्य नहीं हैं। उनका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है और उनका कहना है कि उन्होंने पार्टी में एंट्री कर ली है। आपको (शशिकला) पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था तो आप प्रवेश कैसे कर सकती हैं? इससे जुड़े एक सवाल पर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है, क्योंकि जनता और पार्टी कार्यकर्ता इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

ई पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक में जाति की राजनीति के आरोपों को जयकुमार ने घटिया प्रचार करार दिया। उन्होंने कहा कि इसका लोगों और कार्यकर्ताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पार्टी ने जाति और धर्मी जैसी बाधाओं को पार करते हुए भी के लिए बराबरी सुनिश्चित की है।

हाल के चुनाव में मिली हार के बाद अन्नाद्रमुक से निष्कासित शीर्ष नेता ओ पनीरसेल्वम के एकजुटता के आह्वान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों को दो-हराया। जयकुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पार्टी के भीतर भ्रम पैदा करने के अपने प्रयास में विफल रहे। लोग और और कार्यकर्ता उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे। वह एक अवसरवादी हैं।

ಶುಭ ಲಾಭ शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आतंकी हमलों में पूछताछ के लिए पकड़े गए 70 लोग

जम्मू, 18 जून (ब्यूरो)।

पिछले कुछ दिनों से डोडा और भद्रवाह के इलाकों में होने वाले ताबड़तोड़ आतंकी हमलों में शामिल आतंकियों ने इन हमलों से पहले कुछ स्थानीय लोगों से बंदूक की नोक पर खाना भी छीना था और पानी भी पिया था। जिन लोगों से खाना छीना गया था उन्हें इतना डराया गया था कि वे कई दिनों तक कुछ भी नहीं बोल पाए। हालांकि अब दावा यह भी किया जा रहा है कि रियासी में शिवखोड़ी से कटड़ा जा रही श्रद्धालुओं की जिस यात्री बस पर हमला कर आतंकियों ने 10 की जान ले ली थी उन्हें भी कुछ स्थानीय संपर्कों ने कथित तौर पर शरण दी थी।

अब जबकि जम्मू कश्मीर पुलिस ने इन हमलों की जांच के दौरान विभिन्न इलाकों से जिन 70 के करीब लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ा था उसमें से तीन लोगों को हिरासत में लिया है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर अधिकारियों को यह नहीं बताया कि डोडा जिले में सुरक्षाकर्मियों पर लगातार हमलों के पीछे आतंकवादियों का हाथ है, जिन्होंने बंदूक की नोक पर उनसे खाना छीन लिया। इन तीनों में एक 17 वर्षीय किशोर भी शामिल है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे डोडा के भद्रवाह तहसील के झाई इलाके के दरमन गांव के रहने वाले हैं। आतंकियों ने पिछले मंगलवार रात कठुआ जिले से सटे भद्रवाह के छत्रगला इलाके में पुलिस-सेना की संयुक्त चौकी पर हमला किया था। इस हमले में सेना के पांच जवान और एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे।

अगले दिन जब पुलिस और सुरक्षा बल तलाशी ले रहे थे, तो आतंकियों ने फिर से हमला किया। इस बार गंडोह तहसील के भलेसा इलाके में कोटा टाप पर हमला हुआ था। इस हमले में एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। माना जा रहा है कि इन दो हमलों के पीछे चार आतंकी थे, जिन्हें उन्होंने झाई इलाके में कुछ दिन बिताने के बाद अंजाम दिया।

पुलिस का मानना है कि झाई में रहने के दौरान आतंकियों ने उन लोगों से संपर्क किया जो अपने पशुओं के साथ इलाके के ऊंचे मैदानों में डेरा डाले हुए थे और बंदूक की नोक पर उनसे खाना छीन लिया।

सूत्रों ने कहा कि लोगों ने पुलिस को घटना के बारे में जानकारी नहीं दी। पकड़े गए लोगों से विवरण प्राप्त करने के बाद, पुलिस ने सभी चार आतंकियों के स्केच जारी किए हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे पाकिस्तानी नागरिक हैं। पुलिस का यह भी मानना है कि आतंकी डोडा जिले के भद्रवाह, ठाठरी और गंडोह के ऊपरी इलाकों में घूम रहे हैं। उनके ठिकाने की जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है।

जानकारी के लिए जम्मू प्रांत के विभिन्न हिस्सों में भी आतंकियों की व्यापक तलाशी चल रही है, क्योंकि पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में चौकसी बढ़ा दी है। रियासी जिले में, जहां आतंकियों ने 9 जून को तीर्थयात्रियों को ले जा रही कटड़ा जाने वाली बस पर हमला किया था, जिसमें 10 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे, पुलिस ने 70 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है और कहा है कि उन्हें हमले की साजिश रचने में संभावित रूप से शामिल लोगों की पहचान में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

बड़े इंडी नेताओं को स्वाति मालीवाल ने लिखी चिट्ठी

कहां थे जब एक महिला का अपमान हो रहा था?

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।

13 मई 2024 को दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बदसलूकी और मारपीट की घटना फिर सुर्खियों में है।

स्वाति मालीवाल ने अपने मामले को लेकर इंडी गठबंधन के नेताओं को चिट्ठी लिखी है। स्वाति ने पूछा है कि वे तब कहां थे जब दिल्ली के सीएम के आवास पर उन्हें पीटा गया और अपमानित किया गया? स्वाति ने राहुल गांधी समेत कई इंडी नेताओं से मिलने का समय भी मांगा है।

स्वाति मालीवाल ने अपने सोशल मीडिया फोरम पर यह जानकारी साझा की है कि उन्होंने इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों से मैंने जमीन पर काम किया है और नौ सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की। बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके, महिला आयोग को एक बहुत ऊंचे मुकाम पर खड़ा किया है। पर बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पर बुरी तरह पीटा गया, फिर मेरा चरित्र हनन किया गया। आज इस विषय पर मैंने इंडी गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है और मैंने सबसे मिलने का समय मांगा है।

चुनाव के बाद हिंसा का शिकार हुए लोगों से मिले भाजपा नेता

कोलकाता, 18 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हुए हिंसा की जांच के लिए भाजपा ने समिति गठित की थी। समिति ने दक्षिण 24 परगना में चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की। इस कमेटी में सांसद अग्निमित्रा पॉल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रविशंकर प्रसाद और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बिप्लब कुमार देब शामिल हैं। इस मामले पर रविशंकर प्रसाद ने ममता बनर्जी की सरकार को घेरा।

पीड़ितों से मुलाकात के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बात की। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, हर तरफ एक ही कहानी है। अगर आप भाजपा के लिए काम करते हैं तो आपको पीटा जाएगा। अगर आप यहां आएंगे तो आपकी पत्नी और परिवार को हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। ममता जी यह आपकी सरकार है। यहां महिलाओं को पीटा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को वाराणसी में स्वागत करती हुईं राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

भारत से संबंध ठीक रखने की कोशिश भी कर रहा अमेरिका

सेमीकंडक्टर, एआई और रक्षा सहयोग बढाने पर सहमति

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की नासमझी के कारण भारत अमेरिका के रिश्तों में जो खटास आ रही है, उसे दूर करने की भी कोशिशों में अमेरिका लगा हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन भारत आए हुए हैं और भारत के साथ संबंधों को बनाए रखने की पहल कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर, एआई और रक्षा सहयोग बढाने के साथ-साथ कई अन्य मसलों पर भी भारत और अमेरिका के बीच सहमति बनी है। जैक सुलिवन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की।

भारत और अमेरिका सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), महत्वपूर्ण खनिज, उन्नत दूरसंचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करेंगे। दोनों देशों ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन के बीच वार्ता के दौरान लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने का वादा करते हुए सहयोग को करने वाले परिवर्तनकारी पहल की घोषणा की।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन के बीच विस्तृत बातचीत के बाद यह घोषणा की गई। दोनों ने भारत के 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन खरीद की योजना, सेना के लिए लड़ाकू वाहनों के संयुक्त निर्माण और जीई एयरोस्पेस व हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच लड़ाकू विमानों के इंजन (जीई एफ414) के उत्पादन को लेकर चल रही बातचीत की भी समीक्षा की। सुलिवन भारत के दो दिन के दौरे पर हैं। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में बाइडन प्रशासन के किसी बड़े अधिकारी की यह पहली यात्रा है।

डोभाल और सुलिवन की यह वार्ता क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसेट) पर भारत-अमेरिका पहल के ढांचे के तहत हुई। इसमें फोकस यह सुनिश्चित करना था कि प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ समन्वित और पारस्परिक मान्यता के साथ डिजाइन, विकसित और तैनात किया जाए ताकि भविष्य में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों पक्षों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। हालांकि, इसके बारे में तत्काल कुछ पता नहीं चल सका है कि दोनों एनएसए के बीच बातचीत में खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पनू की हत्या की कोशिशों का मुद्दा उठा या नहीं। भारत ने पनू को आतंकी घोषित कर रखा है।

वार्ता पर एक तथ्य-पत्र में कहा गया है कि बैठक में, डोभाल और सुलिवन ने भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी के अगले अध्याय के लिए दृष्टिकोण निर्धारित किया। बातचीत में उठे अन्य बड़े मुद्दों में प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाले ग्लोबल चैलेंज इंस्टीट्यूट के लिए 9 करोड़ डॉलर (751.67 करोड़ रुपए) की फंडिंग, 6जी प्रौद्योगिकियों में सहयोग को मजबूत करने की पहल और भारत और अमेरिका में बड़े पैमाने पर ओपन आरएएन की तैनाती की दिशा में संयुक्त कार्य शामिल हैं।

दोनों पक्ष नासा (राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन) और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के बीच गहरे सहयोग पर भी सहमत हुए। दोनों देश नासा के जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण देने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने 21वीं सदी के लिए स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज साझेदारी बनाने का भी संकल्प लिया।

अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन से मुलाकात की जानकारी प्रधानमंत्री मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने लिखा, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से मुलाकात की। हमारा देश वैश्विक भलाई के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा, सुलिवन ने पीएम मोदी को द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से आईसीईटी के तहत आने वाले सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दूरसंचार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों व अंतरिक्ष आदि की प्रगति की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने सभी क्षेत्रों में बढ़ती द्विपक्षीय साझेदारी की गति व पैमाने तथा आपसी हित के क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान की प्रगति पर संतोष जताया। प्रधानमंत्री ने इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ अपनी बातचीत का भी हवाला दिया।

बरास्ता रेल, कश्मीर बस 17 किलोमीटर की दूरी पर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 18 जून।

यह सिर्फ कश्मीर के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि देश-दुनिया के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है कि अब कश्मीर तक रेल पहुंचने में मात्र 17 किलोमीटर ही दूर है क्योंकि रेलवे ने इस 272 किमी लंबी परियोजना में से 255 किमी रेलवे ट्रैक को तैयार कर लिया है जबकि इनमें से 161 किमी रेलवे लाइन पर पहले ही ट्रेन को दौड़ाया जा चुका है और बाकी के करीब 94 किमी रेलवे ट्रैक का ट्रायल कर लिया गया है जिसमें दो दिन पहले ही संगलदान 8 तक के 46 किमी के रेलवे ट्रैक का ट्रायल किया गया जबकि कुछ माह पहले 48.1 किमी लंबे बनिहाल संगलदान रेलवे ट्रैक का निरीक्षण व सफल ट्रायल किया जा चुका है।

अब संगलदान 8 तक के 46 किलोमीटर के इस रेलवे ट्रैक का फाइनल ट्रायल रेलवे के सेफ्टी कमिश्नर डीसी देशवाल 27 व 28 जून को करेंगे। अगर उन्होंने इस ट्रैक को सही करार दिया तो फिर मात्र रसी व कटरा के बीच का जो 17 किलोमीटर का रेलवे ट्रैक है उसी पर काम बाकी रह जाएगा। अगर रेलवे सूत्र सूत्रों की मानें तो इस 17 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक पर भी कोई बड़ा काम बाकी नहीं है। रेलवे अधिकारी कहते थे कि कुछ तकनीकी काम ही बाकी हैं जो कि सितंबर 20224 तक पूरे हो जाएंगे। इसके बाद इस ट्रैक का भी निरीक्षण व ट्रायल करने के बाद इस पर ट्रेन चलाई जा सकेगी यानी अब कुछ माह का इंतजार ही शेष है और देश से सीधी रेलवे सेवा कश्मीर घाटी के लिए शुरू की जाएगी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार इस साल के अंत तक कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेल सेवा प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित है क्योंकि ये रेलवे का ड्रीम प्रोजेक्ट है। आपको बता दें कि अभी तक जिन रेलवे स्टेशनों तक रेल नहीं पहुंच पाई है वो संगलदान 8 से बनिहाल तक के कुल आठ रेलवे स्टेशन है लेकिन इन रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों ने ट्रेन का सफल ट्रायल जरूर देख लिया है। अब इन लोगों को यात्री ट्रेन के आने का इंतजार है। ऐसा इंतजार करने वाले रेलवे स्टेशनों में रसी, बक्कल, कोड़ी, डूंगा, सावलाकोट, संगलदान, खाड़ी, सुंबर और शाहाबाद के रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

अधिकारी कहते हैं कि अब इन रेलवे स्टेशनों से जल्द ही लोगों को रेल सुविधा मिलेगी और कश्मीर घाटी से सीधी नई दिल्ली तक का ट्रेन का सफर करने का आनंद पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग भी उठा सकेंगे। दरअसल यह दुनिया का सबसे दुर्गम रेलवे ट्रैक है जो कि रोमांच व सौंदर्य से पूरी तरह से भरा हुआ है। सभी को अब इंतजार है तो उस दिन का जिस दिन वे इस रेलवे ट्रैक पर सफर करें हसीं वादियों में खो जाएंगे और एफिल टावर से ऊंचे पुल से आती हवा के झौंकों को महसूस करेंगे।

साइबर अपराधियों ने एकेटीयू के खाते से 120 करोड़ निकाल लिए

लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।

लखनऊ स्थित अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) के खाते से साइबर अपराधियों ने 120 करोड़ रुपए की रकम गायब कर दी।

पूरी रकम एक ट्रस्ट के खाते में ट्रांसफर की गई। साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज की गई। टीम ने यूपी और गुजरात से सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में सामने आया कि गुजरात के एक ट्रस्ट के खाते में पूरी रकम ट्रांसफर की गई है।

तीन टीमों ने मिलकर सूरत से मास्टरमाइंड को दबोचा और फिर एक के बाद एक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया।

119 करोड़ रुपए की रिकवरी भी कर ली। अपराधी सिर्फ एक करोड़ रुपए ही खर्च कर पाए थे। पुलिस ने गिरीश चंद्रा, शैलेश रघुवंशी, जोशी देवेंद्र प्रसाद, केके त्रिपाठी, दस्तगीर आलम, उदय पटेल और राजेश बाबू को गिरफ्तार किया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का केंद्र बनेगा जम्मू-कश्मीर

प्रधानमंत्री के साथ कश्मीर के लोग करेंगे योगासन

श्रीनगर, 18 जून (एजेंसियां)।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बड़ा आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस होगा। इस बार सरकार ने जम्मू-कश्मीर को केंद्र बिंदु बनाया है, ताकि कश्मीर में शांति का संदेश पड़ोसी मुल्कों तक भी पहुंच सके।

पहली बार कश्मीर घाटी में लोगों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योगासन करेंगे। 21 जून को श्रीनगर में होने वाले इस कार्यक्रम में सात हजार से ज्यादा लोगों ने पंजीयन कराया है। बताया

जा रहा है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में आए बदलावों की तस्वीर यह आयोजन बनेगा, जिसमें युवाओं से लेकर बुजुर्ग और महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, आयुष और स्वास्थ्य के अलावा राज्य प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें भी तैनात की हैं। जम्मू-कश्मीर के आयुष विभाग के निदेशक डॉ. मोहन सिंह का कहना है कि समारोह में योग का कॉमन प्रोटोकॉल लागू होगा, जिसे करीब 7,500 लोग एक साथ करेंगे।

दरअसल, साल 2014 में मोदी सरकार ने यूएन जनरल असेंबली में पहली बार योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में पहचान दिलाने का प्रस्ताव पास कराया। इस साल यह 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है, जिसके लिए देशभर में अब तक एक करोड़ लोग से ज्यादा योग दिवस का हिस्सा बनने के लिए पंजीयन करा चुके हैं।

दावा है कि एक दिन में दुनिया के 30 करोड़ से ज्यादा लोग एक साथ योग करेंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा मंगलवार दोपहर 12 बजे दिल्ली में केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव करेंगे।

तीसरी बार शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में बटन दबाकर किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त को सीधे देशभर के किसानों के खाते में ट्रांसफर किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश भर से आईं कृषि दीदियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया। पीएम मोदी ने कृषि में महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि माताओं-बहनों के बिना खेती की कल्पना भी असंभव है। उन्होंने कहा कि आज 30 हजार से अधिक सहायता समूहों को कृषि सखी के रूप में प्रमाणपत्र दिए गए हैं। अभी 12 राज्यों में ये योजना शुरू हुई है और आने वाले समय में पूरे देश में हजारों महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। ये अभियान तीन करोड़ लखपति दीदियां बनाने में भी मदद करेगा।

मातृ अर्पण योजना के तहत 30 दिन में मिलेगी कार्य की प्रशासनिक मंजूरी

लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश मातृ अर्पण योजना शुरू की है, जिसे अब तेजी से क्रियान्वित किए जाने की ओर कदम बढ़ाए गए हैं। नगर विकास विभाग की ओर से नगरीय क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इन दिशा निर्देशों के अनुसार किसी नगरीय निकाय में विकास कार्य के लिए दानदाता 60 प्रतिशत अंश देगा तो 40 प्रतिशत सरकार की ओर से दिया जाएगा। ये 40 प्रतिशत या उससे कम राशि की व्यवस्था कार्य से संबंधित विभागों के बजट प्रावधानों की जाएगी। इसके अतिरिक्त दानदाता के द्वारा संबंधित कार्य के लिए दान की गई राशि इस योजना के तहत खुलवाए गए एस्क्रो अकाउंट में जमा कराई जाएगी। दान की राशि जमा करवाने के 30 दिनों के अंदर संबंधित कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति संबंधित जिलाधिकारी द्वारा संपन्न कराई जाएगी एवं कार्य की प्रगति की रिपोर्ट शासन को दी जाएगी। योजना का प्रस्ताव नगर निगमों

द्वारा नगर आयुक्तों के माध्यम से तथा अन्य नगरीय निकायों (नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत) के अधिशासी अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारियों के माध्यम से शासन को प्रेषित किया जाएगा।

निर्देशों के अनुसार, यदि कोई दानदाता स्कूल व इंटर कॉलेज की कक्षाओं या स्मार्ट क्लास के निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध कराता है तो शेष धनराशि बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के बजट से प्रदान की जाएगी। इसी तरह सामुदायिक भवन के लिए नगर विकास विभाग से, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र के लिए चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग से, पुस्तकालय और खेलकूद के लिए व्यायाम भवन और उपकरण हेतु खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग से धनराशि ली जाएगी। वहीं सीसीटीवी कैमरा, सर्विलांस सिस्टम, फायर सर्विस स्टेशन के विकास के लिए गृह विभाग को, अंत्येष्टि स्थल के विकास और जल की व्यवस्था एवं सीवरेज, एसटीपी आदि के लिए नगर विकास विभाग शेष धनराशि देगा। बस स्टैंड और सोलर एनर्जी स्ट्रीट लाइट और पेयजल योजनाओं, आरओ प्लांट के लिए अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत व नगर विकास विभाग सहायक की भूमिका में होगा।

योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने का कार्य उत्तर प्रदेश मातृभूमि सोसायटी का होगा, जो नगरीय क्षेत्रों में निदेशक नगर निकाय निदेशालय के माध्यम से कराया जाएगा।

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण में निदेशक नगरीय निदेशालय की सहायता प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट (पीएमयू) करेगी। पीएमयू द्वारा इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वेब पोर्टल और मोबाइल एप तैयार किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से दानदाताओं के दान की राशि एवं सरकार के अनुदान की राशि योजना के लिए खुलवाए गए अलग बैंक अकाउंट (एस्क्रो अकाउंट) में जमा होगी। इस राशि के जमा होने के बाद उससे संबंधित कार्य के लिए उसे व्यय किया जा सकेगा। किसी भी शेड्यूल बैंक की मदद से पोर्टल को खोला जा सकेगा। पोर्टल के ऊपर कार्यों का विवरण और कार्य का प्रकार आदि दर्शाना होगा, ताकि दानदाताओं को दान देने के लिए सभी प्रकार की सूचना उपलब्ध हो सके। सरकारी अनुदान, सीएसआर और अन्य ग्रांट भी पोर्टल के माध्यम से जमा होंगे। दानदाताओं के साथ सीधा संपर्क करने और अनुरोध व समस्याओं के निवारण के लिए एक कॉल सेंटर का प्रयोग किया जाएगा. योजना के प्रचार प्रसार के लिए देश एवं विदेशों में रोड शो का आयोजन किया जाएगा।

दानदाताओं को योजना की जानकारी और कार्यों के विवरण का आदान प्रदान नगरीय निकाय स्तर पर संबंधित नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्य पूर्ण होने के बाद दानकर्ता की ओर से प्रमाण पत्र मिलने के बाद इस योजना के तहत दानकर्ता एवं राज्य सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की राशि के 0.5 प्रतिशत या अधिकतम प्रति कार्य 10 हजार रुपए की सीमा में नगर निकाय को फीस का भुगतान किया जाएगा। इस फीस की धनराशि 50 प्रतिशत दानकर्ता और 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी संबंधित दानकर्ताओं को संपर्क करके उन्हें इस योजना की जानकारी देंगे और नगरीय निकाय के विकास के लिए आवश्यक कार्यों का विवरण प्रदान करेंगे। साथ ही संबंधित निकाय के लिए निर्धारित किए गए कार्यों की प्रगति की लेटेस्ट डिटेल, फोटो के साथ वेब पोर्टल के माध्यम से दानदाताओं को समय समय पर सूचना प्रदान करेगा। योजना के तहत होने वाले कार्यों की पुनरावृत्ति किसी अन्य योजना के माध्यम से न हो, यह तकनीकी के प्रयोग (जियो टैगिंग आदि से) द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

मुरादाबाद विश्वविद्यालय की जमीन उच्च शिक्षा विभाग के नाम दर्ज

मुरादाबाद, 18 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में तैयार होने वाले नए विश्वविद्यालय के जमीन उच्च शिक्षा विभाग के नाम पर दर्ज हो गई है। इसके साथ अब पूरे कागजात तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद लोक निर्माण विभाग भवन बनाने का काम शुरू कर देगा। लोक निर्माण विभाग भवन के निर्माण का काम शुरू करने के लिए मौके का मुआयना कर चुका है।

हरदासपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु जंभेश्वर राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले किया था, लेकिन यूनिवर्सिटी के भवन का निर्माण, अनापत्ति प्रमाण पत्र और अन्य कागजी औपचारिकताओं के अभाव में रुक गया था। अब धीरे-धीरे सभी बाधाएं दूर हो रही हैं। जमीन के मामले में फंसा पेच भी हल हो गया है। लोक निर्माण विभाग ने यूनिवर्सिटी के भवन के निर्माण के लिए 299 करोड़ का एस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा था। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद 121.33 करोड़ का टेंडर पास हो गया है।

लोनिवि के अभियंताओं का कहना है कि डिजाइन और अन्य कार्यों को जोड़ने पर फिलहाल लागत 169.58 करोड़ आ रही है। यूनिवर्सिटी निर्माण की जिम्मेदारी लोनिवि के पास है। इस मामले में एमडीए, वन विभाग, अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया गया है। यूनिवर्सिटी के लिए कुलसचिव पद की जिम्मेदारी एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक संजीव सिंह को दी गई है। अभियंताओं का कहना है कि अभी रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति ही प्रभारी के तौर पर काम देख रहे हैं।

इस बारे में लोनिवि के अधिशासी अभियंता आरबी सिंह का कहना है कि सारी औपचारिकताएं पूरी हो गई हैं। डीएम के साथ बैठक के बाद शुरू कर दिया जाएगा। इधर डीएम मानवेंद्र सिंह का कहना है कि काम शुरू करने के लिए सारे कागजात दुरुस्त कराए गए हैं। अभी तक मुरादाबाद मंडल के विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के चक्कर लगाने पड़ते हैं। विद्यार्थियों को दाखिला फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, अंकतालिका के अलावा अन्य दिक्कतों का समाधान करवाना दूभर हो जाता है। खासकर छात्राओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब मुरादाबाद में विवि बन जाने के बाद मंडल के 310 महाविद्यालयों के दो लाख 32 हजार 750 विद्यार्थियों को लाभ होगा।

रामगंगा नदी पार हरदासपुर में विश्वविद्यालय के लिए जिला प्रशासन ने 50 एकड़ जमीन निर्धारित की थी। इसमें 48.5 एकड़ जमीन सरकार की है। 2.5 एकड़ जमीन तीन किसानों की है। खरीद के लिए डीएम ने शासन को ड्राफ्ट भेजा था, जो मंजूर हो गया है। उच्च शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी को खरीद के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एक किसान की जमीन जिला प्रशासन ने खरीद ली गई है। जमीन के एक छोटे हिस्से के मामले को लेकर एक व्यक्ति कोर्ट गया था। जिला प्रशासन इस मामले में कोर्ट में अपील कर जमीन को अपने नाम कराने की कोशिश में जुटा है।

भगवान बुद्ध के असाधारण संस्मरणों को प्रदर्शित किया जाएगा

भगवान बुद्ध की स्मृति में द बोधि यात्रा 2024 का होगा आयोजन

लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीमित संभावनाओं को तलाश कर उसे गति देने के लिए प्रयासरत योगी सरकार प्रदेश में बौद्ध तीर्थ पर्यटन को बढ़ाने के लिए एक अभिनव प्रयास करने जा रही है। प्रदेश में ख्याति प्राप्त बौद्ध तीर्थ स्थलों पर देश-विदेश से तीर्थयात्री, श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए योगी सरकार 28 जून को द बोधि यात्रा 2024 नाम के कार्यक्रम का नई दिल्ली में आयोजन करने जा रही है। इस एक दिन के कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के बौद्ध विरासत स्थलों के माध्यम से भगवान बुद्ध की असाधारण जीवन यात्रा के संस्मरणों को प्रदर्शित करना है। इस कार्यक्रम को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा अनुसार उ.प्र पर्यटन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम में बौद्ध कला-संस्कृति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के योगदान और उत्तर प्रदेश से भगवान बुद्ध के जुड़ाव व महत्व को विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों के जरिए दर्शाया जाएगा।

माना जा रहा है कि कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए देश-विदेश से अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा तथा उनके सम्मान में डिनर का भी आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 'द बोधि यात्रा' कार्यक्रम के दौरान इंटरैक्टिव व क्लचरल सेशन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के 5 सितारा होटल में किया जाएगा जिसका जल्द ही निर्धारण हो जाएगा। माना जा रहा है कि कार्यक्रम में 400 से ज्यादा विजिटर्स भाग ले सकते हैं और इसी अनुरूप उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग कार्यक्रम के दृष्टिगत अपनी तैयारियों को अमलीजामा पहनाने की दिशा में कार्यरत है।

कार्यक्रम के उचित संचालन व अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए उ.प्र पर्यटन विभाग द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम के जरिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसियों से आ-वेदन मांगे हैं। उल्लेखनीय है कि ई-निविदा के माध्यम से कार्यावंटन प्राप्त करने वाली एजेंसी को कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में बौद्ध सर्किट स्थलों की विस्तृत प्रदर्शनी को सुनिश्चित करना होगा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में सांस्कृतिक संध्या मंच की स्थापना, ब्रांडिंग और सजावट, फूलों से सजावट, आयोजन स्थल की ब्रांडिंग, स्मारिका किट की आपूर्ति और वितरण का कार्य करना होगा।

कार्यावंटन प्राप्त करने वाली इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी को कल्चरल सेशन के दौरान कलाकार, एंकर, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, तकनीकी सहायता, रखरखाव और अन्य सभी संबंधित जनशक्ति सहायता उपलब्ध करानी होगी। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में लाइट-साउंड, एलईडी और वीडियो आपूर्ति के साथ ऑडियो सेटअप को सुनिश्चित करने के साथ विभागीय अधिकारियों के साथ पूरे कार्यक्रम का समन्वय सुनिश्चित करना होगा।

पांच महीने में 2.86 करोड़ भक्तों ने लगाई बाबा के दरबार में हाजिरी

वाराणसी, 18 जून (एजेंसियां)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में साल दर साल श्रद्धालुओं की संख्या और आय में रिकॉर्ड वृद्धि होती जा रही है। श्री बाबा विश्वनाथ के दरबार में सुगमता से दर्शन और सुविधाओं के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

अन्य शहरों से अच्छी कनेक्टिविटी ने भी काशी का समग्र विकास करते हुए धार्मिक पर्यटन को बढ़ाया है। जनवरी से मई 2023 (पांच महीने) के सापेक्ष 2024 में इस अवधि में शिव भक्तों की संख्या में 48.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं इस अवधि के दौरान बाबा की आय में भी 33 फीसदी का इजाफा हुआ है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य और भव्य निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि 1 जनवरी से 31 मई 2023 तक 1,93,32,791 (एक करोड़ तिरानवे लाख बत्तीस हजार सात सौ इक्यानबे) श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन किया था, जबकि वर्ष 2024 में 1 जनवरी से 31 मई तक कुल 2,86,57,473 (दो करोड़ छियासी लाख सत्तावन हजार चार सौ तिहत्तर) श्रद्धालु श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के चौखट पर हाजिरी लगाने पहुंचे। 2023 के मुकाबले वर्ष 2024 में 9,324,682 (तिरानवे लाख चौबीस हजार छह सौ बयासी) श्रद्धालु अधिक पहुंचे। मिश्र के मुताबिक इस अवधि के दौरान बाबा की आय में भी 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण किया था। इसके बाद से 16 जून तक 16.46 करोड़ भक्त श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शीश नवा चुके हैं। योगी सरकार के निर्देश पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में ठंड,गर्मी और बरसात में श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है। काशी में बढ़ी श्रद्धाल-ुओं की संख्या के पीछे डबल इंजन की सरकार में यहां का अनवरत विकास भी शामिल है। अच्छी सड़क, सफाई और सुरक्षा ने पर्यटकों की वाराणसी आने की सभी मुश्किलों को दूर किया है।

साइबर अपराध का अजीबोगरीब गोरखधंधा

चीन-हांगकांग तक के हैकर ले रहे भारत से बैंक खाते

अलीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी (इनसाइडर ट्रेडिंग) इन दिनों साइबर ठगी में सबसे ज्यादा ट्रेंड में है। हरदुआगंज अहीरपाड़ा के दिनेश शर्मा मार्च माह में 35 लाख रुपए की इसी ठगी के शिकार हुए थे। साइबर थाना पुलिस ने आगरा के रवींद्र राठौर उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है।

साइबर हैकर ठगी के नित नए प्रयोग कर रहे हैं। जांच में उजागर हुआ है कि देश के करंट बैंक खातों को चीन व हांगकांग तक के हैकर प्रयोग कर रहे हैं। इसके पीछे का मकसद करंट खातों में ठगी की बड़ी रकम एक बार में ट्रांसफर कराना और उसमें से फिर 50-100 खातों में छोटे-छोटे टुकड़ों में रकम एक बार में दूसरे खातों में ट्रांसफर करा देना है। इसका प्रयोग ठगी की रकम को इधर से उधर करने के साथ-साथ काले धन को सफेद करने के लिए भी किया जा रहा है।

गिरफ्तार रवींद्र राठौर उर्फ बंटी ने पुलिस को बताया कि वह ठगों को अपना बैंक खाता मुहैया कराया था। इसकी गहराई से जांच में उजागर हुआ है कि साइबर हैकर विदेशों से भी भारतीय खातों को प्रयोग कर रहे हैं। चीन व हांगकांग तक से यहां के खाते प्रयोग हो रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन करंट अकाउंट प्रोवाइडर एप्लीकेशन, अकाउंट एजेंट, फेसबुक पेज, टेलीग्राम प्रोफाइल, व्हाट्सएप ग्रुप आदि पर लोगों से जुड़ते हैं, फिर उन्हें लालच देते हैं और बताते हैं कि आपका करंट अकाउंट प्रयोग करने के बदले उन्हें कमीशन दिया जाएगा। इसके लिए वह लोगों को बिना जीएसटी पंजीकरण के फर्म के नाम पर एकल मालिकाना हक वाला करंट खाता खुलवाते हैं। उस खाते को ई-बैंकिंग से जोड़ते हैं।

उसमें बैंक से मिलने वाली ऑटो फारवर्ड की सुविधा शामिल कराई जाती है, जिसके जरिये एक साथ 50-100 खातों में रकम ट्रांसफर हो सके। इसके बाद जब खाता धारक उनके झांसे में आ जाता है तो उसे किसी अपने एजेंट के पास बुलाकर बैठाया जाता है। वहां बैठाकर ठगी की रकम उसके खाते में ट्रांसफर कराई जाती है या फिर काला धन भी उस खाते में ट्रांसफर कराया जाता है। रकम आते ही उसे छोटी-छोटी किश्तों में दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। छोटी-छोटी किस्तों में यह रकम सिर्फ एक ओटीपी के सहारे ट्रांसफर हो जाती है।

साइबर थाने के इंसपेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर भी इस तरह के ऑफर आते हैं और लोग लालचवश उसमें फंस जाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह ऐसे ऑफर में फंसकर किसी को अपने खाते का प्रयोग न करने दें और न किसी के कहने पर खाता खुलवाएं, अन्यथा वह भी ठगी का शिकार बन सकते हैं।

संपादकीय

अस्थिर राजनीति की ओर

जिस प्रदेश में बार-बार उपचुनाव होने लगें और जहां विधानसभा की सदस्यता अदालत से विधानसभा अध्यक्ष की कचहरी तक नाच करे, वहां सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं। हिमाचल अब तक अपनी सियासत की मजबूती, सहनशीलता, जवाबदेही, वचनबद्धता तथा दलगत संस्कृति के उच्च आयाम स्थापित करता रहा है, लेकिन अब जुबान, जिरह और जमीन बदल रही है। विधानसभा बार-बार बंट रही है और जनादेश भी सियासी बही खाते की अपंगता में शरीक हो रहा है। आप ऐसे तो न थे, आप यह कैसे हो गए, यह हिमाचल का मतदाता पूछ रहा है। वह कब तक सियासी जोर आजमाइश का मोहरा बना रहेगा। मात्र 68 सदस्यीय विधानसभा से नौ विधायकों की सदस्यता का खारिज होना, न प्रेरक है और न ही पूरक, बल्कि यह अस्थिरता रोग की निशानी दे गया। अब पुनः यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों के कारण उपचुनाव की धौंकनी से अस्थिरता के अंगारों को हवा देगा। ये तमाम उपचुनाव दो पार्टियों के बीच का फासला नहीं, बल्कि सियासत का तियापांचा है जो सिर्फ अहंकार और स्वार्थ की मिट्टी से खेल रहा है। जब टुकड़े बंटने लगते हैं, तो क्या छोटा और क्या बड़ा, यहां सारा तमाशा, घात-प्रतिघात का है। कौन नेता, किसकी मुहर और किसकी बिकवाली से किसकी खता, सभी इस हमाम में नंगे हैं। लोगबाग पार्टियां बदल रहे हैं, क्योंकि पार्टियों में कब्जाधारी बदल रहे हैं। हिमाचल में सत्ता के जनक अपनी फौज और अपने युद्ध के मोर्चे तय कर रहे हैं। चुनावी राजनीति के फलक को तिरोहित करके जब सत्ता के लाभार्थी किसी भी गली-कूचे से सीधे सरकार के अलंकार बन जाएं, तो ये सीढियां भी खेल तमाशा है। सियासत अब अनूठी कचहरी की तरह हमारे सामने सरकारें और सरकारों के तख्त परोसने लगी है। यहां जीत के प्रमाण से कहीं अधिक हार के तर्क हैं और इसलिए शक्तिशाली को हार कर भी जीत का ढिंढोरा पीट दे। चार लोकसभा की सीटों से कहीं अधिक जोश उस जीत का है जो कांग्रेस के कुल छह विधायक गंवा कर चार नए चेहरे हासिल करने से पैदा हुआ। अब पुनः तीन उपचुनाव किसी के लिए बरसात-किसी के लिए सौगात, लेकिन इसके पीछे के हालात राजनीति में अस्थिरता का माहौल ही तो पैदा कर रहे हैं। अस्थिर राजनीति की परेशानी में जनता यह कैसे तय करे कि वह किसी को जीत दिला कर हार जाएगी या हरा कर परास्त होगी। क्या फर्क पड़ता कि कल के निर्दलीय आज के भाजपाई होकर चुनाव का शंखनाद करें या टोह लेती कांग्रेस कहीं आगे निकलकर भाजपा के किसी विक्षुब्ध नेता को हथिया ले। यही परिस्थितियां अचानक कुछ गुमशुदा नेताओं को सामने ले आती हैं, जबकि आम कार्यकर्ता चुनाव के मूड को पढ़ते-पढ़ते अपने मूड को कुर्बान कर देता है। देहरा उपचुनाव की बाहों में हथियार बना पहले ही निर्दलीय होशियार सिंह की संगत में भाजपा को देख रहा है, जबकि रमेश धवाला का पारा इतिहास की गवाही में सियासत को कसूरवार बना रहा है। कुछ बयान फरमाइश करते हुए या कांग्रेस के खालीपन को साधते हुए रमेश धवाला के आए, तो भाजपा के हाकिम उनका नाड़ी परीक्षण करने जुट गए। अब ज्वालाजी-ज्वालाजी रहेगी या ज्वालाजी से निकलकर कोई ज्वाला देहरा पहुंच जाएगी। विपिन सिंह परमार की मान मनोव्वल में दिल पिघल जाए तो भी गनीमत है वरना एक उपचुनाव की हस्ती में कई कुरुक्षेत्र हो जाएंगे। जरा सोचें जीवित नेताओं के स्वाभिमान के कारण बढ़ते उपचुनाव, हिमाचल की हस्ती में कितने विराम और कितने अनिश्चय लेकर आ रहे हैं। उपचुनावों के नाखून गंजे लोकतंत्र को लहूलुहान करके हमारे भविष्य को अस्थिर ही करेंगे, जबकि सुरक्षा कवच पहनकर भी सत्ता और विपक्ष, निहायत कमजोर और अमर्यादित होकर सिर्फ लुकाछिपी करते रहेंगे।

हिमाचल अब तक अपनी सियासत की मजबूती, सहनशीलता, जवाबदेही, वचनबद्धता तथा दलगत संस्कृति के उच्च आयाम स्थापित करता रहा है, लेकिन अब जुबान, जिरह और जमीन बदल रही है। विधानसभा बार-बार बंट रही है और जनादेश भी सियासी बही खाते की अपंगता में शरीक हो रहा है। आप ऐसे तो न थे, आप यह कैसे हो गए, यह हिमाचल का मतदाता पूछ रहा है। वह कब तक सियासी जोर आजमाइश का मोहरा बना रहेगा। मात्र 68 सदस्यीय विधानसभा से नौ विधायकों की सदस्यता का खारिज होना, न प्रेरक है और न ही पूरक, बल्कि यह अस्थिरता रोग की निशानी दे गया। अब पुनः यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों के कारण उपचुनाव की धौंकनी से अस्थिरता के अंगारों को हवा देगा। ये तमाम उपचुनाव दो पार्टियों के बीच का फासला नहीं, बल्कि सियासत का तियापांचा है जो सिर्फ अहंकार और स्वार्थ की मिट्टी से खेल रहा है। जब टुकड़े बंटने लगते हैं, तो क्या छोटा और क्या बड़ा, यहां सारा तमाशा, घात-प्रतिघात का है। कौन नेता, किसकी मुहर और किसकी बिकवाली से किसकी खता, सभी इस हमाम में नंगे हैं। लोगबाग पार्टियां बदल रहे हैं, क्योंकि पार्टियों में कब्जाधारी बदल रहे हैं। हिमाचल में सत्ता के जनक अपनी फौज और अपने युद्ध के मोर्चे तय कर रहे हैं।

बारिश आने वाली है, जमे सिल्ट से होने वाले जल-जमाव से आगाह रहें

जब पूरे तंत्र में ही सिल्ट जमा हो तो क्या होगा!

अरविन्द त्रिपाठी

हाल में, देश में मानसून आने को है। सभी प्रदेशों में नगर विकास मंत्रियों ने प्राथमिकता के आधार पर शहरी नालों की सफाई का जन-लुभावना ऐलान कर रखा है। जिस प्रकार, विकास और शहरीकरण एक दूसरे का पर्याय हैं। इसी भांति नालों की सिल्ट और चोक सीवरेज के कारण जल-भराव एक-दूसरे का पर्याय बन चुके हैं। प्रत्येक वर्ष नालों की सिल्ट साफ करने में पर्याप्त सुरक्षा-मानकों का पालन न करने के कारण असंगठित क्षेत्र के मजदूर जहरीली गैस रिसाव की चपेट में आकर असामयिक मौत का शिकार बन जाते हैं। इस पूरी समस्या की जड़ में, अनियोजित कूड़ा-प्रबंधन है। अनियंत्रित उपभोक्तावादी जीवन के कारण शहरीकरण के जन्मजात दोष के रूप में नागरिकों में सिविक सेंस और नगर निगमों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नियोजन के अभाव से महानगरों में कूड़े के पहाड़ समस्या बनते जा रहे हैं। इसके चलते हवा और पानी के माध्यम से मृदा और जीवन में जहर घुलता जा रहा है। भूजल की गुणवत्ता कुप्रभावित होने के बाद भूगर्भ जल भी तेजी से कूड़े के पहाड़ों के रिसाव से तेजी से जहरीला होता जा रहा है।

विश्व में, सर्वप्रथम हड़प्पा-मोहनजोदड़ो की सभ्यता में नियोजित शहरीकरण का प्रमाण पाया जाता है। ग्रिड-आधारित व्यवस्था पर आधारित समकोण पर बनी सड़कों और पकी ईंटों की बनी नालियाँ इस सभ्यता को पूर्व और समकालीन सभ्यताओं से श्रेष्ठ बनाती हैं। इसके साथ ही, इन नाले-नालियों में कूड़ा-करकट और सिल्ट की सफाई के लिए बनाए गये सोकपिट की उपलब्धता इन सड़कों की सबसे बड़ी खासियत है। यह साबित करता है कि हम भारतीय ग्रामीण अतिरेक उत्पादन से विकसित हुए नगरों के नागरीय प्रबंधन के भी विशेषज्ञ रहे हैं। इसे यूं भी कह सकते हैं कि नगरीय कूड़ा और घरेलू एवं वर्षा-जल प्रबंधन भी हमारे शहरी नियोजन का अनिवार्य भाग रहा है। किन्तु दुर्भाग्यवश या अज्ञानतावश इतने स्वर्णिम इतिहास के बावजूद ब्रिटिशकाल में प्राकृतिक नालों और छोटी नदियों में शहरी मल-जल को मिलाकर इन प्राकृतिक जल-स्रोतों को विषाक्त और अपवित्र करने की साजिश का व्यवस्थित विरोध न किया जा सका। आज देश की सभी बड़ी नदियाँ मानव उत्सर्जित मल और अजैविक कूड़ा ढोने की मालगाड़ियां बन चुकी हैं। शाश्वत नगरी वाराणसी की वरुणा और असी नदियां पूरी तरह नाला बन चुकी हैं।

ब्रिटिश काल में ही महामना मदन मोहन मालवीय जी ने तत्कालीन सरकार को इन सहायक नदियों में घरेलू अपशिष्ट न मिलाये जाने का विरोध किया था। तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने इस प्रयास के बाद इसकी पुनरावृत्ति न करने के लिए आश्वस्त किया था, इस आश्वासन को कालान्तर में भुला दिया गया। इसी क्रम में, कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी ने विधान सभा में कानपुर और वाराणसी की गंगा में गिर रहे नालों के प्रबंधन पर सवाल किया था, जोकि आज भी विधानसभा की लाइब्रेरी में दर्ज है। विद्यार्थी जी के उठाये गए सवालों को सौ वर्ष हो रहे हैं। विदेशी ही नहीं स्वदेशी सरकार भी सभी राजनीतिक दलों की बन चुकी हैं। सिल्ट की सफाई के माध्यम से गँगा को घाटों पर लाने की जन-जागृति अभियान की परिणति सरकारी योजना गंगा एक्शन प्लान के दो फेज के रूप में रह चुकी है। इसी तर्ज पर देश की तमाम नदियों की सफाई की करोड़ों धनराशि की सिविल इंजीनियरिंग की योजनाएं बनतीं और असफल होती रही हैं। स्वयं को मां गंगा का पुत्र कहने वाले भारत के प्रधानमंत्री वाराणसी से ही तीसरी बार संसद में हैं।

जनप्रेरक और नवोन्मेषी व्यक्तित्व के कारण उनसे देश को तमाम आशाएं और विश्वास निराधार ही नहीं है। उनके नेतृत्व की वर्तमान सरकार भी नमामि गंगे के नाम से महत्वाकांक्षी योजना संचालित कर रही है। बहुत सी छोटी और सहायक नदियों के साथ ही नदी-व्यवस्था के तालब-झील-सरोवरों के पुनर्जीवन की योजनाएं भी इस योजना का भाग हैं। इस अति-महत्वाकांक्षी योजना के पूर्ण होने में समय शेष है, तदोपरांत ही इसका मूल्यांकन किया जा सकेगा।

देश की वर्तमान आवश्यकता नागरिकों और सरकारों द्वारा उत्सर्जित जैविक, अजैविक और रासायनिक कूड़े के कुशल-प्रबंधन की व्यवस्था करना है। यह कार्य केवल सरकारों के माध्यम से ही नहीं हो सकता है।

जनजागरण और जनसहभागिता के लिए शहरों में बनी जनसमितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। साथ ही, शिक्षा प्रणाली में अनिवार्य भाग बनाकर छात्र-छात्राओं को कूड़ा-प्रबंधन का ज्ञान कराया जाना अत्यावश्यक है ताकि मेरा कूड़ा जमीन नहीं छूता जैसा जन-सहभागी अभियान सार्थक रूप से संचालित किया जा सके। घरेलू निकासी जल और जलघुलित मल के प्रबंधन के साथ ही रासायनिक और औद्योगिक कचरे के प्रबंधन की शिक्षा के साथ ही सरकारों को ट्रीटमेंट प्लांट बनाने चाहिए। इस दिशा में विश्व के विकसित देशों की व्यवस्था से सबक लेते हुए भारतीय संस्कृति और संसाधनों को देखते हुए सतत कार्ययोजना बनाकर नालों में गंदगी ठेलने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना होगा।

बारिश के मौसम के आगमन के पूर्व नालों की सिल्ट साफ़ करने के साथ ही पानी के सभी कटोरों- यथा, झील, तालाब, सरोवरों, जोहड़, बावड़ी और कुओं की सफाई भी कराना अति आवश्यक है ताकि बारिश की प्रत्येक बूंद को सहेजने में सफलता मिले। दरअसल, आने वाली पीढ़ियों को समृद्ध प्राकृतिक जीवन उपलब्ध कराने के लिए इन जलनिधियों में जमा सिल्ट की सफाई कर वर्षाजल संग्रह के लिए इन सभी का वास्तविक और ऐतिहासिक स्वरूप स्थापित करने के लिए सरकार को अभियान चलाना ही होगा।

दृष्टि कोण

खाद्य पदार्थों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता जरूरी

खाद्य सुरक्षा की स्थिति तब बनती है जब सभी लोगों के पास हर समय पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन के लिए भौतिक एवं आर्थिक पहुंच उपलब्ध होती है, ताकि एक सक्रिय एवं स्वस्थ जीवन के लिए उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं एवं खाद्य वरीयताओं की पूर्ति हो सके। खाद्य सुरक्षा इस बात का बहुत महत्वपूर्ण निर्धारक है कि लोग सक्रिय और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं या नहीं, क्योंकि यह पोषक तत्वों की जरूरत को पूरा करने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों तक उनकी पहुंच निर्धारित करता है। खराब खाने से पनपने वाले खतरे को पहचानने और समझने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से इस वर्ष 7 जून को नए थीम के साथ खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2024 का विषय था- 'खाद्य सुरक्षा : अप्रत्याशित के लिए तैयारी करें।' इस वर्ष का थीम खाद्य सुरक्षा, घटनाओं के लिए तैयार रहने के महत्व को रेखांकित करता है, चाहे वे कितनी भी हल्की या गंभीर क्यों नहीं हों। खाद्य सुरक्षा दिवस को मनाने के लक्ष्य हैं : खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि बाजार पहुंच, सतत विकास में योगदान करने, खाद्य जनित जोखिमों का पता लगाने एवं रोकने तथा प्रबंधित करने में मदद हेतु ध्यान आकर्षित करने और कार्रवाई को प्रेरित करने हेतु। एक अनुमान के अनुसार हर साल वायरस, बैक्टीरिया, रासायनिक पदार्थों से दूषित भोजन खाने से लगभग 600 मिलियन लोग बीमार पड़ते हैं और 420000 लोग मारे जाते हैं। इनमें ज्यादातर औरतें और बच्चे होते हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की हर साल 125000 मौतें होती हैं। सयुंक्त राष्ट्र ने खाद्य सुरक्षा में चुनौतियां चिन्हित की हैं जो हैं : जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, मौसम की परिवर्तनशीलता, आक्रामक फसल कीट और लगातार चरम मौसमी घटनाओं का खेती कार्यों पर हानिकारक प्रभाव आदि। इससे ऊपज में कमी, पोषण गुणवत्ता की गिरावट और किसान आय में हानि हो रही है। हरित क्रांति से भारतवर्ष में खाद्य असुरक्षा और गरीबी दोनों के स्तरों में कमी आई है। साथ में जनसंख्या की वृद्धि के दबाव को भी सहन किया है। परंतु अभी भी खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने में बहुत सी चुनौतियां हैं जिनमें बढ़ते भूमि क्षरण, मृदा उर्वरता की हानि, जल जमाव, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान (रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण), खाद्य प्रबंधन नीति का अभाव, खाद्यान्नों में लीकेज एवं डायवर्सन, अनाज का सडन्ना, बारिश में भीगने से अनाज का खराब होना, फल/सब्जियों का प्रबंधन, नकली राशन कार्ड आदि। इसके लिए सरकार को गोदामों और कोल्ड स्टोरेज, फार्म टू फैक्टरी की सुविधा देनी होगी। भारत में वार्षिक भंडारण हानि 14 मिलियन टन खाद्यान्न है। भारत में आज भी अनाज को तिरपांलिन के नीचे खुले में रखा जाता है जिससे अनाज में नमी के साथ कवक तथा फफूंद आता है। भारत में खाद्य सुरक्षा इसलिए आवश्यक है क्योंकि किसी भी वर्ष देश को राष्ट्रीय आपदा या आपदा जैसे भूकंप, सूखा, बाढ़, सुनामी आदि का सामना करना पड़ सकता है। वस्तुओं की कीमतों को बढने से रोकने के लिए भी खाद्य सुरक्षा आवश्यक है। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार खाद्यान्न खरीदती है तथा इसका बफर स्टॉक रखा जाता है, जिसको जन वितरण प्रणाली के द्वारा जरूरतमंद लोगों को सस्ती दर पर दिया जाता है। भारतीय संसद ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 पारित करके राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना की शुरुआत की। बाजार कीमत से कम कीमत पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लक्षित वर्ग को चावल, गेहूं और मोटा अनाज सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाता है जिससे नागरिकों को सुरक्षा मिल सके। पूरे संसार में 78.3 करोड़ लोग क्रानिकल भूख से पीड़ित हैं, उधर 19 प्रतिशत खाना बर्बाद किया जाता है। इस बर्बादी को रोकना आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय ने खाने के अधिकार के साथ-साथ स्वास्थ्य का अधिकार तथा सुरक्षित भोजन के अधिकार का भी करार दिया है। इस अधिकार की सुरक्षा के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को जिम्मेदारी दी है और वह इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता है। हाल ही में सिंगापुर, हांगकांग, मालदीव, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल ने भारतीय लोकप्रिय ब्रांड एमडीएच एवं एवरेस्ट मसाले में इथिलीन ऑक्साइड की मिलावट होने के परिणामस्वरूप इनके आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इस रसायन की अधिक मात्रा होने से कैंसर तथा अन्य बीमारियां हो सकती हैं। एफएसएसएआई ने परीक्षण के बाद इसका खंडन भी किया। एमडीएच/एवरेस्ट मसालों के अतिरिक्त पतंजलि स्वास्थ्य उत्पाद, कुछ बेबी फूड, जैनेटिक मॉडिफाई फसलें आदि के ऊपर भी उंगलियां उठी हैं जो उपभोक्ताओं की सुरक्षा के ऊपर गंभीर प्रश्न है। नियंत्रक महालेखा परीक्षक और लोक लेखा समिति ने 2017 में आडिट में पाया कि विनियमन के कार्यान्वयन में लापरवाही थी। उद्योगों द्वारा अनुपालना भी कम थी। कर्मचारियों की भी बहुत कमी थी। लोक लेखा समिति ने पाया कि मानकों के उल्लंघन करने वालों को अपराधी ठहराने की दर भी बहुत ही कम है, हालांकि उनके बहुत से नमूने फेल हुए हैं। खाद्य सुरक्षा भारत में नाममात्र की है जो लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आता है, वो भारतीयों के लिए आहार के दिशा-निर्देश जारी करता है। भारत में इस समय जो चुनौतियां हैं, उनमें कुपोषण तथा हृदय, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां और मोटापा हैं। एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं। इसके लिए अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन जिसमें नमक, वसा और चीनी की मात्रा अधिक है, जिम्मेदार है। इनके विज्ञापन तथा विपणन इतने आक्रामक तरीके से हो रहे हैं कि युवा पीढ़ी इस ओर आकर्षित हो रही है।

कुछ अलग

गई भैंस पानी में...

आदिकाल से भारतीयों की भैंस से न जाने क्या दुश्मनी रही है। उसका दूध पीते हैं, गोबर से खाद बनाते हैं, लिपाई करते हैं और उसका मांस भी खाते हैं। बावजूद इसके बेचारी पर तमाम तरह की नकारात्मक टिप्पणियां करते रहते हैं। गोबर पट्टी में गोवध की तरह उसकी कटाई पर कोई हो-हल्ला नहीं उठता। कोई मॉब लिंचिंग नहीं होती। गधे को मूर्ख प्राणी बताए जाने पर ऐतराज़ होता है। पर भैंस के आगे बीन बजाना, कहावत को लेकर कोई आपत्ति नहीं करता। मानो अन्य जानवरों के सामने बीन बजाने पर वे गीता का ज्ञान देने लगते हैं। भारतीय जनमानस में न जाने कितनी कहावतें हैं बेचारी भैंस को लेकर। कोई श्याम वर्ण है तो उसके रंग-रूप की तुलना भैंस से कर दी जाती है। किसी का डील-डौल बिगड़ा हुआ है तो भी आक्षेप का माध्यम भैंस ही बनती है। यहां तक कि एक महिला सांसद की तुलना लोग भैंस से करने लगे। कोई पढने में एंटायर अनपढ़ होता है तो उसके लिए कहा जाता है, काला अक्षर भैंस बराबर। किसी पर भरोसा टूटने की बात हो तो भी कहा जाता है कि भरोसे की भैंस पाड़ा जनती है। मानो गाय तो हमेशा बछिया ही जनती हो। सभी जानवर पूंछ उठाकर शौचते हैं। पर कहते हैं कि भैंस जब पूंछ उठाएगी गाना तो गाएगी नहीं, गोबर ही करेगी। मानो दूसरे जानवर गाना गाने के लिए ही पूंछ उठाते हों। हरियाणा में किसी से नाराजग़ी जताने के लिए आमतौर पर कह दिया जाता है कि मैंने क्या तेरी भैंस खोल ली है। सत्ता या ताक़त का रौब दिखाने के समय भी बात भैंस पर ही आकर अटक जाती है। लोग कहने लगते हैं 'जिसकी लाठी उसकी भैंस'। लाठी वाले तो चुनावों में भी हेराफेरी करके पांच साल तक सिंहासन पर बैठ कर पगुराते रहते हैं। इतना ही नहीं अपने लिए ताउम्र पेंशन का जुगाड़ कर भी लेते हैं। तब तो कोई नहीं बोलता कि लाठी से चुनाव जीत के आए, सिंहासन पर बैठे पगुराए। भैंस के साथ जीते जी अन्याय करने वाला इनसान मरने के बाद भी उससे भेदभाव करना नहीं छोड़ता। मरते समय गोदान ही किया जाता है, भैंसदान नहीं। अगर ऐसा न होता तो मुंशी प्रेमचंद 'गोदान' जैसा बड़ा उपन्यास लिखने की बजाय 'भैंसदान' पर कई खंडों में उपन्यास रच सकते थे। जब वैतरणी ही पार करनी है तो गाय की नाजुक पूंछ क्यों, भैंस की मजबूत पूंछ क्यों नहीं। जबकि भैंस की तैरने की क्षमता के किस्से तो विश्वविख्यात हैं। लेकिन बात यहां तक ही नहीं रुकती। क्रिएटिव इंडस्ट्री की श्रेणी में शामिल फिल्म नगरी को हास्य गीत बनाने के लिए भैंस का ही सहारा मिला। शम्मी कपूर अभिनीत फिल्म 'पगला कहीं का' में बेचारी पर गाना तक बना डाला, 'मेरी भैंस को डंडा क्यों मारा।' इस बार के लोकसभा चुनावों में भैंस जमकर रंभा रही है। देश के प्रधान सेवक चुनावी रैलियों में लोगों को डरा रहे हैं कि अगर कांग्रेस जीत गई तो जिन लोगों के पास दो भैंसे हैं, वह उनकी एक भैंस खोलकर ले जाएगी। समझ में नहीं आता कि 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' है तो वह दोनों भैंसों को खोलकर क्यों नहीं ले जा सकता। क्या ईडी, सीबीआई या इनकम टैक्स वालों के नियम-क़ायदे भैंस के आगे बीन बजाते रह जाएंगे? लेकिन मैं तो यह सोचकर ही रोमांचित हो उठा हूं कि अगर कहीं कांग्रेस की सरकार बन गई तो अगली बार जब दिल्ली जाऊंगा तो वहां संसद के प्रांगण में भैंसें बंधी होंगी। इंडिया गेट पर भैंसे रंभा रही होंगी। बहादुरगढ़ बार्डर से लेकर गुडग़ांव तक का एरिया तबेले में बदल चुका होगा। दिल्ली के वातावरण में रची-बसी गोबर की गंध बुद्ध पार्क में घूमने वाले प्रेमी जोड़ों को रोमांस-रोमांच से भर देगी। भैंसों को हांकने के लिए लाठी की जगह राजदंड अर्थात सेंगोल काम में लाया जाएगा।

देश दुनिया से

महात्मा गांधी को न जानने वाले

पिछले दशक में कई ऐसी बेतुकी, आधारहीन और फूहड़ बातें उछाली जाती रही हैं, ताकि राजनीतिक, सामाजिक गलियारों में बेवजह की हलचल पैदा होती रहे और असली सवाल अनदेखे ही रह जाएं। एटनबरो की ऑस्कर पुरस्कार से नवाजी गई फिल्म 'गांधी' के पहले गांधी से अनजान दुनिया की बात इन्हीं में से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। 29 मई 2024 को दिए अपने एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'क्या पिछले 75 सालों में हमारी यह जिम्मेदारी नहीं थी कि हम सारी दुनिया को महात्मा गांधी से परिचित करवाते? माफ कीजिए, मगर गांधी जी को कोई नहीं जानता था जब तक कि 1982 में उन पर बनी फिल्म रिलीज नहीं हुई थी।' अत्यंत लंबे चुनाव अभियान के अंतिम दौर में यह वक्तव्य दिए जाने के पीछे के उद्देश्य का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की दुर्दशा, पेपर लीक, अग्निवीर योजना जैसे मुद्दों को लेकर उनके दस साल के शासनकाल की आलोचना बढ़ती जा रही थी। इन महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान कैसे हटाया जाए, यह उनकी चिंता का मुख्य विषय था। महात्मा गांधी को लेकर इस तरह की बात कहने का उद्देश्य लोगों का ध्यान इन महत्वपूर्ण मुद्दों से हटाने के साथ-साथ यह भी था कि नेहरू और कांग्रेस सरकारों को दुनिया को गांधी जी के बारे में न बताने के लिए कटघरे में खड़ा किया जा सके। इससे नेहरू और कांग्रेस सरकारें तो कटघरे में नहीं खड़ी होतीं, उल्टे पता चलता है कि गांधीजी के जीवन और उनके कार्यों, दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा और उनके दुनिया के कई महान लोगों के प्रेरणास्त्रोत होने के बारे में मोदी कुछ नहीं जानते। इससे विश्व राजनीति पर 1930 के दशक से ही गांधीजी के असर के बारे में मोदी की अज्ञानता पता लगती है। गांधीजी को दुनिया रिचर्ड एटनबेरो द्वारा लुई फिशर की गांधीजी की जीवनी पर आधारित फिल्म बनाए जाने के बहुत पहले जानती और मानती थी। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष की वजह से गांधीजी रंगभेद विरोधी प्रमुख नेता के रूप में उभर चुके थे। गांधीजी के भारत वापस लौटने और किसानों के चंपारण आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद उनके मित्र चार्ल्स एन्ड्रयूज ने चंपारण सत्याग्रह की अनूठी प्रकृति की बात सारी दुनिया में प्रचारित की थी। सत्य और अहिंसा पर आधारित उनके सत्याग्रह से कमजोरों और शोषितों की समस्याओं की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट हुआ था। बाद में उनके द्वारा छेड़े गए अन्य आंदोलनों : 'सविनय अवज्ञा' एवं 'दांडी मार्च' को वैश्विक मीडिया में काफी कवरेज मिला था। दुनिया में उनकी पहचान कायम होने से समाज की समस्याओं से साधारण जन को जुडने और न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा मिली थी। उनके कार्यों की खबरें बिजली की तेजी से सारी दुनिया में फैले। जहां एक ओर भारत में अंग्रेजों का दमन बढ़ता गया, वहीं शांति, न्याय एवं अहिंसा जैसे मूल्यों का सम्मान करने वाले लोगों का ध्यान मानवतावाद के सिद्धांतों के सन्दर्भ में वैश्विक स्तर पर गांधीजी के योगदान की ओर गया। शायद मोदी उस काल में गांधीजी के योगदान और दुनिया में

उनके अत्यंत लोकप्रिय होने के बारे में न जानते हों, लेकिन उन्हें यह जरूर जानना चाहिए कि अंग्रेजी समाचार पत्र 'द बर्लिंगटन हॉक आई' ने रविवार, 20 सितंबर 1931 के अंक में पूरे एक पृष्ठ में उनपर सामग्री प्रकाशित की थी जिसमें उन्हें विश्व का सर्वाधिक चर्चित व्यक्ति बताया गया था। प्रतिष्ठित अमरीकी पत्रिका टाइम ने उनकी तस्वीर अपने मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की थी और उन्हें सन्-1931 का मैन ऑफ दि ईयर घोषित किया था। दो अन्य अवसरों पर उनकी तस्वीर इस प्रसिद्ध पत्रिका के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की गई। इसी तरह टाइम की सहयोगी पत्रिका लाइफ ने भी गांधीजी पर केन्द्रित परिशिष्ट प्रकाशित किया था। दुनिया भर में अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से न्याय और शांति के लिए प्रयासरत लोग गांधीजी की ओर आकृष्ट हुए थे। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टाइन ने 1939 में लिखा, 'मेरा मानना है कि गांधीजी के विचार हमारे दौर के सभी राजनीतिज्ञों में सबसे अधिक प्रबुद्ध थे। हमें उनकी भावना के अनुसार काम करने का प्रयास करना चाहिए, अपने उद्देश्य के लिए लड़ाई में हिंसा का प्रयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि जिस चीज को आप बुरा मानते हैं उसमें भाग नहीं लेना चाहिए।' आइंस्टीन ने गांधीजी के बारे में लिखा, 'आने वाली पीढियां शायद ही यह विश्वास करेंगी कि रक्त और मज्जा का बना कोई ऐसा आदमी इस धरती पर रहा होगा।' चार्ली चैपलिन भी गांधीजी के आन्दोलन से प्रेरित थे। वे गांधीजी से मिले और गांधीजी के मूल्यों का प्रतिबिम्ब चार्ली चैपलिन की फिल्मों मॉडर्न टाइम्स और दि ग्रेट डिक्टेटर में दिखाई देता है। दि ग्रेट डिक्टेटर में वे गांधीजी और हिटलर के बीच विरोधाभास को दिखाते हैं। इसी तरह फ्रांसीसी नाटककार रोम्यां रोलां ने यंग इंडिया के फ्रेंच संस्करण में लिखा, 'अगर ईसा मसीह शांति के राजकुमार थे, तो गांधी भी इस उपाधि के लिए कोई कम योग्य नहीं हैं।' बीसवीं सदी के दो प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला गांधीजी के संघर्ष से प्रेरित और प्रभावित थे और उन्होंने अपने संघर्ष के मार्ग का निर्धारण उसी आधार पर किया था। सन 1959 में दि हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित अपने लेख में मार्टिन लूथर किंग ने लिखा, 'मुझे बहुत शुरू में ही समझ आ गया था कि गांधी की अहिंसा की शिक्षा और ईसाई धर्म की प्रेम के शिक्षा का संश्लेषण ही नीग्रो लोगों के स्वतंत्रता और मानव गरिमा के लिए संघर्ष के सर्वश्रेष्ठ हथियार हैं।' नेल्सन मंडेला के महान और लम्बे संघर्ष का आधार वे मूल्य थे जो उन्होंने गांधीजी के जीवन और उनकी शिक्षाओं से ग्रहण किए थे। उन्होंने महात्मा गांधी की इस बात के लिए सराहना की कि उनमें नैतिकता और सदाचार का संगम तो था ही, इसके साथ-साथ वे दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति भी थे और उन्होंने कभी भारत के दमनकर्ता ब्रिटिश साम्राज्य से समझौता नहीं किया।' दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में गांधियन स्टडीज पाठ्यक्रम का हिस्सा है। कई स्कूलों में गांधीजी की शिक्षाएं पढ़ाई जाती हैं। दुनिया के करीब 80 शहरों में गांधीजी के नाम पर सडक़ें और उनकी मूर्तियां हैं।

नेहरू और कांग्रेस सरकारें तो कटघरे में नहीं खड़ी होतीं, उल्टे पता चलता है कि गांधीजी के जीवन और उनके कार्यों, दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा और उनके दुनिया के कई महान लोगों के प्रेरणास्त्रोत होने के बारे में मोदी कुछ नहीं जानते। इससे विश्व राजनीति पर 1930 के दशक से ही गांधीजी के असर के बारे में मोदी की अज्ञानता पता लगती है। गांधीजी को दुनिया रिचर्ड एटनबेरो द्वारा लुई फिशर की गांधीजी की जीवनी पर आधारित फिल्म बनाए जाने के बहुत पहले जानती और मानती थी। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष की वजह से गांधीजी रंगभेद विरोधी प्रमुख नेता के रूप में उभर चुके थे।

आप का नजरिया

कुचल देंगे ना'पाक आतंकवाद

जम्मू कश्मीर के सुरक्षा-हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद-मुक्त है। हम इन बैठकों को खारिज नहीं करते, क्योंकि कई विचार सामने आकर साझा किए जा सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण-रेखा से जम्मू-कश्मीर की जमीन तक जो सेना सक्रिय रही है, उसके समानांतर सुरक्षा-बल तैनात और सक्रिय रहे हैं। स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिए निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है। जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, कठुआ, डोडा से किश्तवाड़ तक आईबी गुप्तचर की सूचनाएं इतनी सटीक नहीं हो सकतीं, जितनी एक स्थानीय जासूस की गुप्तचरी सटीक हो सकती है और लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो सकता है। जम्मू में खुफिया-तंत्र की कमियां अब भी महसूस की जा रही हैं। वैसे जम्मू संभाग में आतंकी हरकतें अचानक नहीं बढ़ी हैं। ये आतंकियों की रणनीति हो सकती हैं। अलबत्ता 1990-2005 के सालों में जम्मू के घने जंगलात में आतंकी गतिविधियां और हमले निरंतर देखने को मिलते रहे। यह दीगर है कि घुसपैठ, गिरोहबाजी, अलगाववाद और पाकपरस्त आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन और अभियान कश्मीर घाटी में ज्यादा किए जाते रहे। तब जम्मू को आतंकवाद-मुक्त करा लिया गया था। अब नए सिरे से आतंकियों ने अपने नेटवर्क जम्मू में फैलाए हैं और अचानक हमले बढ़ा दिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद नगण्य है। फिर भी 2024 में अभी तक 20 आतंकी हमले किए जा चुके हैं और 13 जून तक 42 नागरिकों और जवानों ने अपनी जिंदगी खोई है। भारत ऐसा नुकसान भी क्यों झेले? बहरहाल केंद्र सरकार से जो निर्देश मिले हैं, उनके मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक स्वैन का दावा है कि अब बचे-खुचे आतंकवाद को कुचल दिया जाएगा, मसल दिया जाएगा, घर-घर ढूंढ कर चुन-चुन कर मौत के घाट उतार दिया जाएगा। बहरहाल हमारी सुरक्षा एजेंसियों और जवानों की अग्निपरीक्षा 'अमरनाथ यात्रा' है। यह 29 जून से शुरू हो रही है और अगले ही दिन जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल रहे हैं। वह कश्मीर और आतंकवाद से अनभिज्ञ, अपरिचित नहीं हैं। अमरनाथ यात्रा अगस्त तक जारी रहेगी। आतंकी हमला करने की फिराक में होंगे और हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने फुलप्रूफ योजना बनाई होगी। यात्रा के चप्पे-चप्पे पर 500 कंपनियों के जवान तैनात किए जा रहे हैं। खुफिया सूचनाओं पर तुरंत कार्यवाही की जा रही है। खासकर टीआरएफ आतंकी संगठन के साथ-साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद के दहशतगर्दों पर भी निगाहें चिपकी रहेंगी। इस बार प्रशासन ने प्रत्येक तीर्थयात्री का 5 लाख रुपए का बीमा भी किया है।

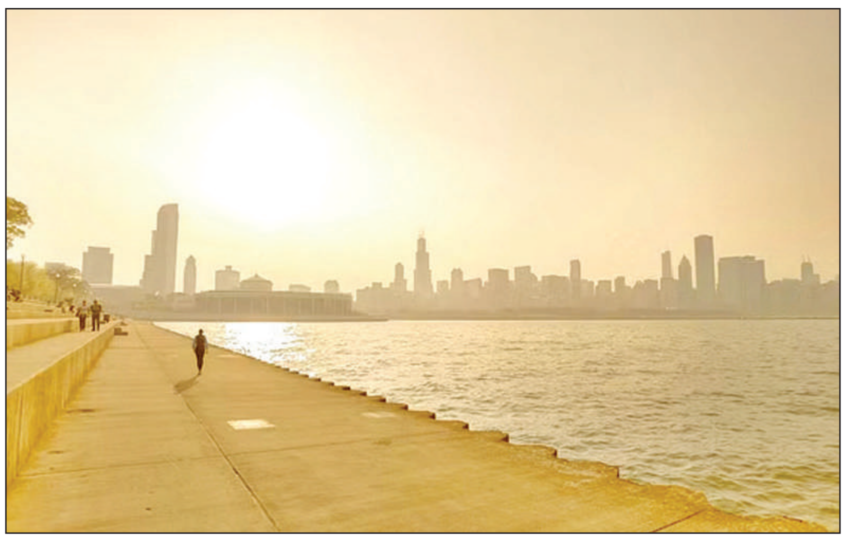

अमेरिका में भी जबरदस्त गर्मी का कहर, मध्य-पश्चिम और पूर्वोत्तर में 7.5 करोड़ लोगों पर खतरा, अलर्ट जारी

वॉशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)।

दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब दिखने लगा है। जहां भारत में इस समय जबरदस्त गर्मी के रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं, वहीं यूरोप और अमेरिका भी तापमान नए स्तरों तक पहुंच रहा है। अमेरिका में तो गर्मी इतनी तेज है कि यहां 7.5 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य अलर्ट तक जारी किया गया है। बताया गया है कि गर्म लहरों के मध्य-अटलांटिक और न्यू इंग्लैंड तक पहुंचने की वजह से बीते कुछ दिनों में अमेरिका में तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा आद्रता के बढ़ने से स्थिति और खराब हुई है।

गौरतलब है कि बीते साल भी अमेरिका में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया था। यहां असामान्य रूप से लगातार दो दिन तक गर्म मौसम दर्ज किया गया था, जो कि 1936 के बाद से नया रिकॉर्ड था। इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका के फीनिक्स शहर में देखा गया था, जहां गर्मी से जुड़ी वजहों से 645 लोगों की मौत हुई थी। फीनिक्स में ही एक बार फिर तापमान 44 डिग्री सेल्सियस (112 डिग्री फारहेनहाइट) तक पहुंच गया है। ऐसे में अधिकारियों ने पिछली बार की स्थिति को देखते हुए इस बार स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया है।

अमेरिका के मौसम विभाग ने कहा है कि जून के पहले दो हफ्ते में तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। यह जून की शुरुआत में सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड भी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के एक वैज्ञानिक ने इस स्थिति को लेकर अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सुबह 10 बजे से 6 बजे तक घर के अंदर ही रहने को कहा है। साथ ही उन्हें लगातार पानी पीते रहने और टाइट कपड़ों से बचने के लिए भी कहा गया है। दूसरी तरफ न्यू मैक्सिको के कई इलाकों में तापमान 107 डिग्री फारहेनहाइट यानी 42 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। वहीं दक्षिणी कोलाराडो में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो कि सामान्य से ज्यादा रहा। इस बढ़ती गर्मी के चलते अमेरिका में बड़े स्तर पर जंगलों की आग भी भड़क उठी है। लॉस एंजेलिस के पूर्व में लगी आग के चलते दमकलकर्मी लगातार इस बुझाने की कोशिश में लगे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

चारा खाने पर काट दिया ऊंट का पैर, छह आरोपी गिरफ्तार, दुबई से कृत्रिम पैर मंगाने की तैयारी

इस्लामाबाद। घटना बीते सप्ताह की है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद रुस्तम शार और उसके पांच नौकरों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद पशु अधिकार संगठनों और लोगों ने जमकर विरोध किया। आलोचना और विरोध के बीच लोगों ने सरकारी से जमींदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। ऊंट के मालिक किसान सूमर बेहन ने मामले की जानकारी तब तक पुलिस को नहीं दी जब कि मामला सोशल मीडिया पर प्रकाश में नहीं आया, जब तक विरोध शुरू नहीं हो गया। विरोध शुरू होन के बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के निर्देश पर आश्रय स्थल का दौरा किया गया। उसके बाद पशुधन सचिव काजिम जाटो ने बताया, ऊंट को तुरंत कराची में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवा (सीडीआरएस) पशु आश्रय स्थल में ले जाया गया। ऊंट के लिए दुबई से कृत्रिम पैर मंगवाया गया है। सचिव ने बताया कि सिंध सरकार ने पशु के उपचार का खर्च उठाने का वादा किया है। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं। जाटोई ने कहा कि ऊंट का पैर ठीक हो रहा है। उसके उपचार में अगले चरण के लिए उसका एक्स-रे किया जाएगा। सीडीआरएस बेनजी निदेशक सारा जहांगीर ने कहा कि आश्रय स्थल के कर्मचारियों ने ऊंट को प्यार से कैमी नाम दिया गया। उसको संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, वह स्थिर है, लेकिन उसका पैर संक्रमित है। उपचार में ड्रेसिंग, एंटीबायोटिक्स और द्रव लगाना शामिल है। संक्रमण को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि किसान ने अपराधी की पहचान करने और उसके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए राज्य की ओर से छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक अन्य प्राथमिकी में कहा गया है कि जब पुलिस अधिकारियों ने छह संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो उनका विरोध किया गया और उन पर हमला किया गया।

उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 10 दिन में दूसरी बार की सीमा पार की कोशिश दक्षिण कोरिया की तरफ से हुई गोलीबारी

प्योंगयांग। क्षिण कोरिया के सैनिकों की तरफ से सीमा पार करने पर चेतावनी देते हुए फायरिंग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा के पास भारी सुरक्षा वाली सैन्य सीमांकन रेखा का उल्लंघन किया गया। जिसके बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी गई। जानकारी के मुताबिक दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा पार की और जब दक्षिण कोरिया ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई तो पीछे गट गए। 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिक ने पार की रेखा दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार सुबह लगभग 8 : 30 बजे करीब 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा को पार किया। ये घटना इस महीने की दूसरी घटना है, जब उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पार किया।

हूती लड़ाकों पर हवाई हमले शुरू अमेरिकी-ब्रिटिश सेनाओं ने यमन हवाईअड्डे-कामरान द्वीप को निशाना बनाया

अदनर। अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने लाल सागर के पास हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। फरवरी की शुरुआत में हूती ठिकानों पर हवाई हमले शुरू होने के बाद से अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने पहली बार कामरान द्वीप को निशाना बनाया है। सेना ने यमन के होदेइदाह अंतराराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब छह और कामरान द्वीप पर करीब चार हवाई हमले किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों से जानकारी मिली है कि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर मान्यता प्राप्त सरकार का मानना है कि हूती लड़ाकों ने नमक की खदानों में मिसाइलों और ड्रोन भंडार को छिपाने के लिए कामरान द्वीप और पोर्ट सालिफ का इस्तेमाल किया था, जिसके बाद हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में हमले शुरू किए थे। सैलिफ बंदरगाह से कामरान द्वीप तक 10 किलोमीटर में फैला पानी बता दें कि सैलिफ बंदरगाह से कामरान द्वीप तक 10 किलोमीटर पानी फैला है।

हम अपने नागरिक को नुकसान पहुंचाना बर्दाशत नहीं करेंगे, निखिल गुप्ता के प्रत्यर्पण पर बोले अमेरिकी अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)।

चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के कथित आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक रिपब्लिक से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। जिसके बाद अमेरिका के अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि निखिल गुप्ता को अब अमेरिकी अदालत में न्याय का सामना करना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका उसके नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा। निखिल गुप्ता (53 वर्षीय) जिन्हें निक नाम से भी जाना जाता है, उन्हें बीते साल 30 जून को चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार किया गया था। 14 जून को निखिल गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया निखिल गुप्ता को 14 जून को चेक रिपब्लिक से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। गुप्ता को न्यूयॉर्क की एक अदालत में पेश किया गया। गुप्ता के वकील जेफ्री चैब्रो ने बताया कि गुप्ता ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल गारलैंड ने कहा कि निखिल गुप्ता को भारतीय सरकारी कर्मचारी के निर्देश पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रचने के आरोप में अब अमेरिकी अदालत में न्याय का सामना करना होगा। गुप्ता को दोषी पाए जाने पर हो सकती है 10-10 साल की सजा गुप्ता पर हत्या की सुपारी देने और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। अगर निखिल गुप्ता को दोषी पाया जाता है तो उन्हें हर आरोप के लिए 10-10 साल की अधिकतम सजा हो सकती है। अमेरिका की डिप्टी अटॉर्नी जनरल लिसा मोनाको ने कहा कि न्यूयॉर्क में अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश भारत सरकार के अधिकारी द्वारा रची गई। यह अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का इस्तेमाल करने वाले राजनीतिक कार्यकर्ता को खामोश करने की बेशर्म कोशिश थी। आरोपी का अमेरिका में प्रत्यर्पण न्याय की दिशा में अहम कदम है। एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने भी कहा कि अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें इसके नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जाती हो। हम अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, बीते साल एक भारतीय सरकारी अधिकारी ने कथित तौर पर निखिल गुप्ता के साथ मिलकर अमेरिका में अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची थी। भारत में वांछित आतंकवादी है पन्नूं गुप्ता एक भारतीय नागरिक है जो भारत में रहता है, जो भारतीय सरकारी अधिकारी का सहयोगी है। गुप्ता को अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी में शामिल बताया गया है। एक भारतीय सरकारी खुफिया एजेंसी का कर्मचारी है। कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, भारत से ही गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रची। संघीय अभियोजकों ने आरोप लगाया कि मई 2023 में अमेरिका में हत्या की साजिश रचने के लिए गुप्ता की भर्ती की।

व्हाइट हाउस ने खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर बोलने से किया इनकार, कहा- अभी इस पर चर्चा होनी बाकी है

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की नाकाम साजिश के सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन जो कि भारत में हैं। वह इस पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा है कि इस विषय पर बोलने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है। इस पर जेक सुलिवन बोलेंगे जो कि अभी भी भारत में हैं और इस पर चर्चा करेंगे। किर्बी ने कहा, 'सुलिवन की इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के तरीकों की तलाश करना था, खासकर जब उभरती हुई प्रौद्योगिकी की बात आती है।' सुलिवन 17 से 18 जून तक की दिल्ली यात्रा पर हैं। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद बाइडन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी की पहली भारत यात्रा है। सुलिवन के दौरे के पहले दिन अमेरिकी एनएसए सुलिवन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पहल (आईसीईटी) की वार्षिक बैठक में भाग लिया। यह बैठक राजधानी नई दिल्ली में आयोजित हुई। यह दोनों देशों के बीच दूसरी आईसीईटी की बैठक है। जो कि 17 और 18 जून को हो रही है। नों देशों की तरफ से फैक्ट शीट जारी की गई अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक जेक सुलिवन और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बीच आईसीईटी वार्ता हुई। जिसके बाद भारत और अमेरिका की तरफ से एक फैक्ट शीट जारी किया गया। जिसमें कहा गया है, अंतरिक्ष में अंतरसंचालनीयता को बढ़ाने, मानव अंतरिक्ष उड़ान सहयोग के लिए एक रणनीतिक ढांचे के समापन का जश्न मनाया जा रहा है।

नाटो प्रमुख ने चीन को दी चेतावनी कहा- यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने पर परिणाम भुगतने होंगे

वॉशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)।

नाटो प्रमुख ने चेतावनी देते हुए कहा है कि रूस का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को चीन पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लगातार हथियारों की आपूर्ति ही इस युद्ध का अंत कर सकती है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने अगले महीने होने वाली नाटो की 75वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन की आधारशिला रखने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन केलिए समर्थन मांगना है जुलाई के शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन का एक निर्णायक दीर्घकालिक संदेश भेजना है। क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन को यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन पर संदेह करने वाले डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ एक कठिन पुनर्मिलन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। बाइडन के साथ बैठक से पहले बोलते हुए स्टोलटेनबर्ग ने चीन पर आरोप लगाया कि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह रूस के रक्षा उद्योग के पुनर्निर्माण के लिए चीन एक प्रमुख निर्यात प्रोत्साहन है। चीन यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा स्टोल्टेनबर्ग ने विल्सन सेंटर में कहा, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह धारणा बनाने की कोशिश की है कि वह प्रतिबंधों से बचने और व्यापार को चालू रखने के लिए इस संघर्ष में पीछे हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि चीन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है और साथ ही, वह पश्चिम के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। बीजिंग दोनों तरीकों को नहीं अपना सकता है। जब तक चीन अपना रुख नहीं बदलता तक पश्चिम को उस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। चीन को परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।'' अमेरिका के खिलाफ नहीं, किसी पक्ष को सहायता नहीं: चीन वहीं चीन का कहना है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ नहीं है। ना ही चीन किसी को गलत तरीके से सहायता दे रहा है। बीजिंग ने स्विट्जरलैंड में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा आयोजित सप्ताहांत शिखर सम्मेलन से दूरी बनाई थी, जिसमें किसी भी शांति के लिए रूस द्वारा यूक्रेनी क्षेत्र छोड़ने की कीव की मांगों की पुष्टि की गई थी।

ड्रैगन ने की जी7 की आलोचना, शिखर सम्मेलन के नेताओं पर लगाया चीन को बदनाम करने का आरोप

बीजिंग, 18 जून (एजेंसियां)।

चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर ड्रैगन (चीन) को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लिन जियान ने कहा, जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल ड्रैगन की निंदा करने और उसपर हमला करने के लिए किया। उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं। उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी को एक साथ लाने के बावजूद ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं। जी7 अपने लक्ष्य से भटक गया: लिन जियान चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है। यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष ग्रुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है। जी 7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि वे चीन को नुकसान पहुंचाने और उसके आर्थिक विकास को विफल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। बता दें कि जी 7 सात देशों से मिलकर बना है, इसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस शामिल हैं। इटली में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए वहां की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किया था।

पूर्व पीएम थकसिन शिनावात्रा को मिली बेल शाही परिवार को बदनाम करने का है आरोप

बैंकॉक, 18 जून (एजेंसियां)।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को 2015 के एक साक्षात्कार के दौरान की गई टिप्पणियों से जुड़े मामले में अभियोग चलाने के बाद 500,000 बाहत की जमानत पर रिहा कर दिया गया है। दरअसल केस चलाने के लिए मौजूद होने पर उन्हें जमानत मिली है। उनकी रिहाई की शर्तों में उनका पासपोर्ट सरेंडर करना और अदालत की अनुमति के बिना थाईलैंड छोड़ने पर प्रतिबंध शामिल है। जमानत देने का निर्णय इस आश्वासन के तहत किया गया था कि थाकसिन भागेंगे नहीं, सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे, हानिकारक कृत्यों में शामिल नहीं होंगे या न्यायिक कार्यवाही में बाधा नहीं डालेंगे।

थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने का आरोप

पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया है। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती

मामलों में से एक है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता प्रयुथ बेजरागुना ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि थकसिन ने सुबह नौ बजे से कुछ मिनट पहले अभियोजकों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अभियोग प्रक्रिया पूरी की गई। माना जा रहा है कि थकसिन एक कार में सवार होकर बैंकॉक के अपराध न्यायालय पहुंचे।

न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने को तैयार शिवनात्रा

हालांकि, थकसिन शिनावात्रा ने इस दौरान संवाददाताओं से नहीं मिले और ये भी स्पष्ट नहीं है कि वो न्यायालय गए थे या पास के अभियोजक कार्यालय में गए। उनके वकील विन्यात चैतमोंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि थकसिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने जमानत पर रिहाई के लिए अर्जी भी तैयार कर ली है।

थाईलैंड में लेसे मैजेस्टे का बढ़ रहा इस्तेमाल

थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। फिलहाल थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इस कानून का इस्तेमाल काफी बढ़ रहा है। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है।

जब मंच पर अचानक से अटक गए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, बराक ओबामा ने की मदद, स्वास्थ्य पर उठ रहे सवाल

वॉशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)।

लॉस एंजिल्स में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन फिर से मंच पर अचानक से पूरी तरह से फ्रीज हो गए। जिसे लेकर फिर से सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका राष्ट्रपति पूरी तरह से स्वस्थ हैं। एक सवाल और भी उठ रहा है कि क्या जो बाइडन को फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहिए। दरअसल जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक धन जुटाने के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

फ्रीज हुए बाइडन

पीकॉक थियेटर में जिम्मी किमेल के साथ 45 मिनट के बाद दोनों नेता जनता का अभिवादन स्वीकार रहे थे। इसी दौरान जो बाइडन मंच पर पूरी तरह से फ्रीज (करीब 20 सेकेंड तक) नजर आए, हालांकि मौके पर मौजूद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने समय रहते हुए उनका हाथ पकड़ा और मंच से नीचे उतारा। बराक ओबामा के जो बाइडन का हाथ पकड़ने के बाद ऐसा लगा कि जो बाइडन नींद से जागे हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर बराक ओबामा के जो बाइडन को उतारने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

जी-7 समिट के दौरान भी अलग दिखे बाइडन

वहीं इस वीडियो के सामने आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वस्थ होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि कई मौके पर जो बाइडन अलग-अलग तरह की हरकत या अचानक से अस्थिर देखे गए हैं। इससे पहले जी-7 सम्मेलन के दौरान भी जो बाइडन अलग तरह की हरकत करते हुए देखे गए थे। जब सभी नेताओं के साथ खड़े जो बाइडन अचानक से दूर जाने लगे थे। इस मौके पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने उनका हाथ पकड़ वापस सभी नेताओं के पास ले आती दिखीं थी।

व्हाइट हाउस में अटके दिखे थे बाइडन

इससे पहले, व्हाइट हाउस में एक संगीत समारोह के दौरान, जो बाइडन कुछ सेकेंड के लिए एकदम शांत दिखाई दिए। इस दौरान वे सीधे खड़े होकर दूर की ओर देखते रहे, जबकि मौके पर मौजूद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अन्य लोग नाचते और गाना गाते दिख रहे थे।

सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे सवाल

वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके हैं। और आम जनता लगातार इसे लेकर सवाल भी पूछ रही है। वहीं अब नया वीडियो आने के बाद सोशल मीडिया ङ्ग (पहले ट्विटर) पर कई यूजर्स सवाल पूछ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा ये बिल्कुल भी सामान्य नहीं है। दूसरे यूजर ने लिखा कि ये वीडियो देखना काफी कठिन है, बराक ओबामा के बचाने से पहले जो बाइडन करीब10 तक मंच पर पूरी तरह से फ्रीज थे। आप मुझे बताइए कि वास्तविक राष्ट्रपति कौन है ।

पत्नी जिल बाइडन ने किया था बचाव

पिछले हफ्ते, अमेरिका की प्रथम महिला और जो बाइडन की पत्नी डॉ. जिल बिडेन ने एक चुनावी भाषण के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन की उम्र का बचाव किया। उन्होंने तर्क दिया कि चुनाव में उम्र निर्णायक वजह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके पति और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प एक ही उम्र के हैं। जिल बिडेन ने जो बाइडन की तारीफ करते हुए उन्हें स्वस्थ और बुद्धिमान बताया था।

साहिल चौहान ने लगाया टी-20 इंटरनेशनल का सबसे तेज शतक: 27 बॉल पर सेंचुरी पूरी की, 18 छक्के मारे, 4 महीने पहले 33 बॉल पर बनी थी सेंचुरी

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।

एस्टोनिया के साहिल चौहान टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साहिल ने साइप्रस के खिलाफ 27 बॉल पर सेंचुरी लगाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मैच साइप्रस के इपिसकोपी में खेला गया। साहिल ने 41 बॉल पर 144 रन की पारी खेली। इनमें 6 चौके और 18 छक्के शामिल रहे। साहिल की इस पारी के दम पर एस्टोनिया ने 191 रन का टारगेट 13 ओवर में चेज कर साइप्रस पर 6 विकेट की जीत हासिल की।

निकोल का 4 महीने पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

साहिल ने चार महीने पहले नामीबिया के बैटर जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन ने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ महज 33 बॉल पर सेंचुरी पूरी की थी।

उन्होंने 36 बॉल की पारी में 101 रन बनाए। ईटन की पारी में 11 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

साहिल ने गेल का आईपीएल रिकॉर्ड भी तोड़ा

साहिल ने अपनी इस शानदार बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज के विस्टफोटक बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। गेल ने 2013 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ महज 30 गेंदों पर शतक जड़ा था।

उन्होंने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली के लिए खेलते हुए हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर सेंचुरी लगाई थी।

एस्टोनिया की साइप्रस पर बड़ी जीत

साइप्रस ने दूसरे टी-20 मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। साइप्रस के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तरनजीत सिंह ने 17 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों के सहारे 44 रन की पारी खेली। साइप्रस ने 20 ओवर में सात विकेट पर 191 बनाए।

जवाब में एस्टोनिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने महज 40 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि, एस्टोनिया ने 13 ओवर में चार विकेट पर 194 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले, एस्टोनिया ने पहले मैच में साइप्रस को पांच विकेट से हराया था। इस तरह एस्टोनिया ने छह मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अब तीसरा और चौथा टी- 20 मुकाबला खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रोमानिया ने 24 साल में पहली जीत दर्ज की, यूक्रेन को इतने गोल से हराया, कोच को दिया जन्मदिन का तोहफा

नई दिल्ली। निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। रोमानिया ने यूक्रेन के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। खेले गए इस मुकाबले में रोमानिया ने यूक्रेन को 3-0 से एकतरफा अंदाज में हराया। रोमानिया की इस टूर्नामेंट में 24 साल में पहली और कुल दूसरी ही जीत है। इस तरह टीम ने कोच एडवर्ड इओर्डनेस्कु को जन्मदिन का तोहफा दिया। राष्ट्रगान बजने पर भावुक हुए खिलाड़ी रोमानिया आठ वर्षों में किसी प्रमुख टूर्नामेंट में पहली बार खेल रहा है और राष्ट्रगान बजते ही कई खिलाड़ी रो पड़े। यूक्रेनी फुटबॉल महासंघ ने संघर्ष को उजागर करने के लिए मैच से पहले मई 2022 में रूसी सैनिकों द्वारा नष्ट किए गए स्टेडियम के स्टैंड की म्यूनिख में झलक भी दिखाई। स्टेनसियू ने दिलाई बढ़त निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। स्टेनसियू का एक शॉट क्रॉस बार से भी टकराया लेकिन इसके बावजूद रोमानिया ने यूक्रेन को आसानी से हरा दिया। 24 साल पहले इंग्लैंड को 3-2 से हराकर उलटफेर के बाद से रोमानिया की किसी बड़े टूर्नामेंट में यह पहली जीत थी।

विश्वकप खेलने से पहले नेत्रवलकर ने देर रात जागकर पूरे किये थे प्रोजेक्ट

फ्लोरिडा। भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने इस विश्वकप में अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। नेत्रवलकर के शानदार प्रदर्शन के कारण ही पहली बार टी20 विश्व कप खेल रही अमेरिकी टीम सुपर आठ में पहुंची है। नेत्रवलकर की गेंदबाजी के आगे विराट, रोहित के अलावा कई दिग्गज बल्लेबाज विफल रहे हैं। सौरव के लिए हालांकि विश्वकप में खेलना आसान नहीं रहा। इसका करण है कि वह एक साफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं। ऐसे में उन्हें विश्वकप से पहले देर रात तक काम करना पड़ा। इसके बाद ही उन्हें विश्वकप खेलने के लिए छुट्टी मिल पायी। इस क्रिकेटर ने कहा, हर प्रोजेक्ट की एक डेडलाइन होती है, इसलिए वहां भी काम का दबाव रहता है, कई बार ऐसा हुआ है जब मैंने देर रात में काम किया है। मुझे अपना क्रिकेट कार्यक्रम पता है, इसलिए मैं अपने मैनेजर के साथ मिलकर उसी हिसाब से योजना बनाता हूं। मैंने विश्व कप के लिए टीम में आने से पहले अपना काम पूरा कर लिया था। जब हमनें सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया तो मैंने अपने ऑफिस में बताया कि मैं कुछ दिन छुट्टियों पर ही रहूंगा। अब मेरा पूरा ऑफिस मेरा खेल देख रहा है और मेरा सहयोग कर रहा है। नेत्रवलकर का 2024 में नेटवर्थ लगभग 1-2 मिलियन डॉलर के आसपास है। इसमें उनका वेतन, विज्ञापन, अनुबंध और निवेश शामिल है।

सुपरआठ मुकाबलों से पहले तरोताजा होने वॉलीबाल खेलते दिखे भारतीय खिलाड़ी

बारबडोस। भारतीय टीम अब टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबलों में उतरने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह उत्साहित है। भारतीय टीम को सुपर आठ में अपना पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान से खेलना है। इससे पहले भारतीय टीम के खिलाफ तरोताजा होने के लिए बीच पर वॉलीबाल खेलते हुए दिखे। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी डाला है। टीम इंडिया को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले सुपर-8 मैच के बाद 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। इसके बाद उसे अपने अंतिम मैच में 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलना होगा। सुपर-8 में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। कम से कम तीन में से दो मैच जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। हर ग्रुप से दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। भारतीय टीम सुपर-8 के लिए पहले अपनी अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव करना नहीं चाहेंगी हालांकि विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंता बनी हुई है। विराट लीग स्तर में विफल रहे थे। वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठोड़ का कहना है कि नेट्स में विराट पूरी तरह से फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनके बल्ले से रन नहीं आना फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है।

इगोर स्टिमैक भारतीय टीम के कोच पद से बर्खास्त विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन के बाद हटाए गए

नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।

भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ ने मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया है। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने यह फैसला लिया है। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

मीटिंग के बाद लिया गया फैसला

स्टिमैक को बर्खास्त करने का फैसला एआईएफएफ अधिकारियों द्वारा की गई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एनए हैरिस ने की। इस दौरान बैठक में मेनला एथेनपा (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति), अनिलकुमार प्रभाकरन (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति), आईएम विजयन (एआईएफएफ तकनीकी समिति के अध्यक्ष) क्लाइमेक्स लॉरेंस (एआईएफएफ तकनीकी समिति के सदस्य) और सत्यनारायण (कार्यवाहक महासचिव) भी शामिल हुए।

स्टिमैक को तत्काल प्रभाव से मुक्त किया गया

एआईएफएफ ने बयान में कहा, सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफिकेशन अभियान के निराशाजनक परिणाम को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि टीम को आगे ले जाने के लिए एक नया मुख्य कोच सर्वश्रेष्ठ होगा। एआईएफएफ सचिवालय ने स्टिमैक को नोटिस जारी किया है और वह तुरंत प्रभाव से अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाते हैं।

अनुबंध बीच में समाप्त करने से एआईएफएफ को भरनी पड़ सकती है फीस

हालांकि, स्टिमैक को तत्काल प्रभाव से हटाने से भारतीय फुटबॉल संघ को अच्छी खासी कीमत चुकानी होगी। उन्हें जून 2026 तक अनुबंधित किया गया था और एआईएफएफ को अब उनके अनुबंध को जल्दी समाप्त करने के एवज में 360,000 डॉलर (लगभग 3 करोड़ रुपये) के भारी मुआवजे बिल का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत

स्टिमैक का जाना भारतीय फुटबॉल के लिए एक युग का अंत है। फीफा विश्व कप 1998 में एक खिलाड़ी के रूप में कांस्य पदक जीतने वाले स्टिमैक ने स्टीफन कॉन्सटेंटाइन के जाने के बाद 15 मई 2019 को ब्लू टाइगर्स की देखरेख की जिम्मेदारी संभाली थी। स्टिमैक के मार्गदर्शन में भारत ने चार बड़े खिताब जीते हैं। इनमें दो सैफ चैंपियनशिप, एक इंटरकॉन्टिनेंटल कप और एक त्रिकोणीय राष्ट्र सीरीज शामिल है।

स्टिमैक के नेतृत्व में कई खिताब जीते

वह पिछले साल सैफ चैम्पियनशिप, त्रिकोणीय सीरीज और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर एक साल में तीन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच बने थे। हालांकि, भारत इस साल एएफसी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, सीरिया और उज्बेकिस्तान से हार गया था। इसके बाद विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन ने एआईएफएफ को उन्हें बर्खास्त करने के लिए मजबूर कर दिया।

एआईएफएफ बड़े बदलाव की ओर

यह दर्शाता है कि एआईएफएफ बड़े बदलाव और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर भी कड़ी नजर रहेगी। फैंस को उम्मीद है कि नया कोच भारतीय फुटबॉल को अगले स्तर पर ले जाने में मदद करेगा।

रोहित, विराट सुपर आठ और आगे बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो पिछला खराब प्रदर्शन प्रशंसक भूल जाएंगे: मांजरेकर

मुम्बई, 18 जून (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अगर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सुपर आठ और आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो लीग चरण में इनके खराब प्रदर्शन को लोग भूल जाएंगे। मांजरेकर के अनुसार रोहित टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल जैसे बड़े मैचों में निर्णायक पारी खेलते हैं तो ग्रुप चरण में उनका प्रदर्शन अधिक मायने नहीं रखेगा। विराट ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह पांच रन ही बना पाये हैं। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया पर पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ वह रन नहीं बना पाये। मांजरेकर ने कहा, 'अगर आपने रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों का चयन किया है, तो आपने अनुभव को प्राथमिकता दी है। आप अपने अनुभवी खिलाड़ियों को विश्व कप में ले जाना चाहते हैं, जिससे वे तब अच्छा प्रदर्शन करें, जब वास्तव में इसकी सबसे अधिक जरूरत हो। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे इसको लेकर कोई परेशानी नहीं है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी लय में नहीं हैं। अगर यह खिलाड़ी सेमीफाइनल या फाइनल में निर्णायक पारी खेलकर टीम को विजेता बनाते हैं तो आपके सीनियर खिलाड़ियों से इसी तरह के प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है। साथ ही कहा, 'अगर आपका कोई युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह आपके लिए बोनस है हालांकि सीनियर खिलाड़ियों को अधिक योगदान देना चाहिए और मुझे लगता है कि यही वजह है कि चयन समिति ने टी20 विश्व कप के लिए अनुभव को प्राथमिकता दी। वहीं युवा शिवम दुबे ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में जगह बनाई लेकिन वह विश्व कप में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मांजरेकर को अब भी शिवम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें इसके लिए इंतजार करना होगा कि शिवम ने आईपीएल में जिस तरह से स्पिनरों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह उस प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। विश्व कप में स्पिनरों के खिलाफ खेलना आसान नहीं है।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने बीसीसीआई आगे आए: ग्रेव

ब्रिजटाउन, 18 जून (एजेंसियां)।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि आज के दौर में टेस्ट क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे बचाने के लिए आगे आना चाहिये। ग्रेव के अनुसार दुनिया भर में क्रिकेट खेलने वाले सदस्य देशों में टेस्ट प्रारूप को बचान और इसके विकास में बीसीसीआई अहम भूमिका निभा सकता है। सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए ये बातें कहीं। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाहर भी टेस्ट प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की सीरीज खेलेंगे। वहीं तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई इस चैंपियनशिप में भी तक शामिल नहीं किये गये हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को लेकर कहा, 'उसे नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है क्योंकि ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है। ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभावशाली रहता है। उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में क्रिकेट को ओलंपिक में प्रवेश दिलाने में भी बीसीसीआई ने आईसीसी को पूरा सहयोग दिया है।

भारतीय टीम को सुपर आठ में बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर से रहना होगा सतर्क

एंटीगा, 18 जून (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम अभी टी20 विश्वकप के सुपर आठ की तैयारियों में लगी है। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबल 20 जून को अफगानिस्तान और 22 जून को बांग्लादेश और 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से होना है। सुपर आठ में भारतीय टीम के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम को रोहित शर्मा एंड कंपनी के मुकाबले अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से है। सुपर आठ में सभी टीमों से उसे सावधान रहना होगा क्योंकि यहां तक पहुंची अफगानिस्तान भी कमजोर नहीं मानी जा सकती है।

भारतीय टीम को विशेष रुप से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान से सतर्क रहना होगा। रहमान आजकर जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह विरोधी टीमों के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनते नजर आ रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को रहमान के खिलाफ अलग रणनीति बनानी होगी। रहमान ने श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान अपने चार ओवरों में महज 17 रन दिए थे और तीन अहम बल्लेबाजों को आउट किया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुस्ताफिजुर ने अपने चार ओवरों में महज 18 रन ही दिए हालांकि वो विकेट नहीं ले पाये थे। फिर नीदरलैंड्स के खिलाफ मुस्ताफिजुर ने चार ओवरों में एक विकेट लेकर महज 12 रन दिए।

वैसे आंकड़ों पर नजर डालें तो मुस्ताफिजुर का टी20 में भारत के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कुल 9 मैचों में भारत से खेला है और इस दौरान वो केवल चार विकेट ही ले पाये हैं। . मुस्ताफिजुर की इकोनॉमी भी खास अच्छा नहीं रहा है. उन्होंने इस दौरान करीब नौ की इकोनॉमी से रन दिये हालांकि टी20 में नौ की इकनोमी को औसत माना जाता है हालांकि अभी टी20 विश्वक कप में वह चार मैचों में सात विकेट ले चुके हैं।

ट्रंप के साथ अपने संबंध सार्वजनिक करने से बचती दिखीं सेरेना, कहा- मैंने कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की

वाशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां)।

टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स ने एक रिपोर्टर के उस सवाल का जवाब देने से इन्कार दिया, जिसमें उसने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा था। इस दौरान सेरेना ने कहा कि उन्होंने ट्रंप के अलावा भी कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की है। टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स इन दिनों इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि उनका नाम लगातार अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कॉल सूची में है। जब सेरेना से ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो वह रक्षात्मक हो गईं और उन्होंने अपने संबंधों को सार्वजनिक करने से इन्कार कर दिया। सेरेना एक साक्षात्कार में शामिल हुईं। इस दौरान रिपोर्टर ने सेरेना से संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके

संबंधों के बारे में पूछा। हालांकि विलियम्स ने सवाल को ठीक से नहीं लिया। तुरंत जवाब देते हुए कहा, मेरा मतलब है, क्या यह साक्षात्कार इसी बारे में है सेरेना के पूछने के बाद भी रिपोर्ट अपने सवाल पर कायम रहा। उसने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए कहा, जब किसी को राष्ट्रपति से बात करने का मौका मिलता है तो मुझे उत्सुकता होती है कि उसने राष्ट्रपति से किस बारे में बात की। अप्रत्याशित रूप से बातचीत में शामिल हुईं सेरेना इस सवाल के जवाब में सेरेना रक्षात्मक दिखीं। उन्होंने अपनी निजता को सार्वजनिक करने से इन्कार किया। कहा, मैं कई राष्ट्रपतियों से बात करती हूं। मैंने बराक, क्लिंटन और रोनाल्ड रीगन तक से बात की है। बावजूद इसके रिपोर्ट ने सेरेना से ट्रंप के साथ संबंधों के बारे में बताने का आग्रह किया। इस पर सेरेना ने रिपोर्ट को रोक दिया। हालांकि, न चाहते हुए भी सेरेना विलियम्स अप्रत्याशित रूप से ट्रंप के इर्द-गिर्द घूमने वाली बातचीत में शामिल हो गईं। 27 जून को आमने-सामने होंगे ट्रंप और बाइडन बता दें कि पिछले महीने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक अदालत ने गुप्त धन मुकदमे के अंतिम फैसले में 34 गुंडागर्दी मामलों में दोषी ठहराया था।

एक प्रारुप से दूसरे में ढ़लना कठिन : बेयरस्टो

नॉर्थ साउंड। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो खेल के तीनों ही प्रारुपों में अब तक शानदार प्रदर्शन करते आये हैं। टी20 विश्वकप में भी इस बार इंग्लैंड की टीम के सुपर आठ में पहुंचने में उनकी अहम भूमिका रही है। बेयरस्टो ने कहा कि प्रदर्शन के कारण ही वह लंबे समय से तीनों ही प्रारुपों में बने हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया है कि यह एक कठिन काम है, लेकिन फिर भी उस संतुलन को बनाए रखने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। बेयरस्टो ने कहा कि कभी-कभी एक प्रारूप से दूसरे प्रारूप में ढलना कठिन होता है और इसमें थोड़ा बदलाव करना पड़ता है पर ये कुछ ऐसा है जो मैंने अपने पूरे करियर में किया है। इसलिए मैं इसमें कुछ भी बदलाव नहीं करूंगा। इस मामले में थ में खुशकिस्मत हूं कि इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेल रहा हूं। बेयरस्टो ने कहा कि मैं टेस्ट में विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी करना पसंद करूंगा। यह वही है जो मैं करना चाहता था। मैंने इसके बारे में सोचने में ज्यादा समय नहीं बिताया है। खेल लगातार और तेजी से आ रहे हैं। मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया है। इस साल की शुरुआत में जब हम घर से निकले थे तब से लगभग पांच रातें घर पर बिताईं। इस दौरान अलग अलग जगह पर खेला। ऐसा कर आप सीखने की कोशिश करते रहते हैं, आप उन अनुभवों और चुनौतियों का आनंद लेते रहते हैं जो आपके सामने आते हैं और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण बात है। बेयरस्टो ने कहा कि कभी-कभी एक प्रारूप से दूसरे प्रारूप में ढलना कठिन होता है और इसमें थोड़ा बदलाव करना पड़ता है

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आईपीओ से दिसंबर तक 75,000 करोड़ जुटा सकती हैं 65 कंपनियां, फिर मोदी सरकार बनने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली,18 जून (एजेंसियां) । शेयर बाजार की तेजी के बीच इस साल दिसंबर तक 65 कंपनियां आईपीओ से 75,000 करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, कई बड़ी कंपनियां इस साल बाजार में उतरने की तैयारी में हैं। सिर्फ पांच कंपनियां ही 40-45 हजार करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ महीनों में 30 कंपनियां प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं। इसमें से 24 कंपनियां 30,000 करोड़ रुपये के लिए बाजार में उतर सकती हैं। इस साल में जनवरी से अब तक 31 कंपनियों ने 28,523 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव के बाद मोदी सरकार के लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के साथ घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का मजबूत विश्वास दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में आईपीओ की लहर और तेज हो जाएगी। फर्स्ट क्राई ने दोबारा जमा कराया मसौदा फर्स्ट क्राई 1,816 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास दोबारा मसौदा जमा कराया है। वारी एनर्जी के साथ वन मोबिक्विक 700 करोड़ के लिए मसौदा जमा करा चुकी है। अलाइड ब्लेंडर्स को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पिछले माह व फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को 625 करोड़ जुटाने की मंजूरी मिली है। डिपॉजिटरी कंपनी एनएसडीएल सेबी के पास मसौदा जमा करा चुकी है। इन कंपनियों के आने हैं इश्यू फर्स्ट क्राई, फिनकेयर स्मॉल बैंक, एनएसडीएल, अफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, वारी एनर्जी, आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंस समेत कईकंपनियों के आईपीओ कुछ महीनों में आने वाले हैं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, स्टेनली लाइफ स्टाइल, वन मोबिक्विक, एमक्योर फार्मा, अलाइड ब्लेंडर्स, शिवा फार्माकेम और बंसल वायर इंडस्ट्रीज भी रकम जुटाने की तैयारी में हैं। 30-35 कंपनियां मंजूरी के इंतजार में इस साल जिन 65 कंपनियों के बाजार में उतरने की उम्मीद है, उनमें 25-30 को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 30-35 कंपनियां अब भी मंजूरी के इंतजार में हैं। मसौदा जमा कराने के 2-4 महीने के बीच में सेबी की मंजूरी मिलती है।

न्यूज़ ब्रीफ

एक ही दिन में जेफ बेजोस को पछाड़ नंबर वन बने मस्क, नए सप्ताह के पहले दिन ही मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई

वाशिंगटन । एलन मस्क और जेफ बेजोस के बीच दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने की होड़ चल रही है। तीन दिन में नंबर एक की कुर्सी कभी मस्क तो कभी बेजोस के पास जा रही है। मस्क नंबर वन बने थे तो बेजोस नंबर एक हो गए। नए हफ्ते के पहले दिन फिर मस्क ने बाजी मार ली। टेस्ला के शेयरों में 5.30 फीसदी तेजी के साथ ही मस्क फिर से नंबर वन हो गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 210 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 18.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 29.7 अरब डॉलर बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क टेस्ला के साथ-साथ कई और कंपनियां भी चलाते हैं। इनमें माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले नाम ट्विटर), स्पेसएक्स और सोलरसिटी शामिल हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। इसका मार्केट कैप 597.78 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 13वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में 2.03 अरब डॉलर की तेजी आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 7.13 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप 12 अरबपतियों में 11 अमेरिका के हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग 180 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं।

कारोबारी घरानों में झगड़ों के बीच एकजुटता से आगे बढ़ रहा एस्सार समूह, दिवालिया कार्रवाई से उबरा

नई दिल्ली । कारोबारी घरानों में मालिकाना हक को लेकर संस्थापकों में सार्वजनिक झगड़ों के बीच रुइया परिवार के नियंत्रण वाला एस्सार समूह एकजुटता से आगे बढ़ रहा है। रुइया परिवार की तीन पीढ़ियां संस्थापक भाई शशि व रवि रुइया, उनके बच्चे और पोते-पोतियां एक ही छत के नीचे रहकर संयुक्त रूप से कारोबारी साम्राज्य चलाते हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी शशि व रवि रुइया ने 1969 में ऊर्जा, धातु, बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में कारोबार करने वाले समूह की स्थापना की थी। समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने वाली एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा, मजबूत पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि परिवार के हर सदस्य को अपनी बात कहने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, पारिवारिक परंपरा तेजी से खत्म हो रही है, लेकिन हमने इसे अब तक बनाए रखा है। नए सिरे से खुद को खड़ा कर रहा समूह दिवालिया कार्रवाई से उबरकर करीब दो लाख करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब खुद को नए सिरे से खड़ा कर रहा है। समूह का राजस्व 15 अरब डॉलर है। रुइया ने कहा, समूह की कर पूर्व आय के संदर्भ में हमारा 'रन रेट' एक अरब डॉलर है। समूह का वर्तमान मूल्यांकन करीब 8 अरब डॉलर है। समूह की 14 कंपनियां हैं, जिनमें निवेश बढ़ाया जा रहा है। इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय हैं।

एफटीए के कारण यूएई से सोने और चांदी का आयात 210 फीसदी बढ़ा, कारोबार 10 अरब डॉलर के पार पहुंचा

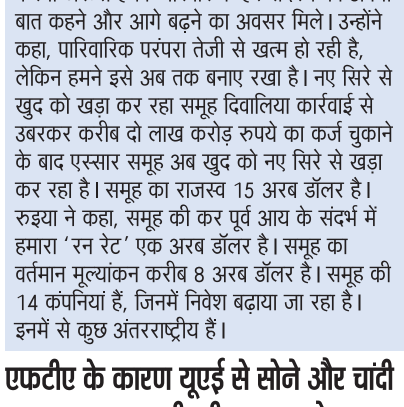

नई दिल्ली । मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) के कारणभारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने-चांदी का आयात 2023-24 में 210 फीसदी बढ़कर 10.7 अरब डॉलर पहुंच गया। 2022-23 में यह 3.5 अरब डॉलर था। सोने-चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से दोनों देशों के व्यापक इकनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) के तहत भारत की ओर से यूएई को दी गई शुल्क रियायतों की वजह से हुई है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, सोने और चांदी का आयात घटाने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में बदलाव की जरूरत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बाइडेन के दबाव में ...

अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का यह भी मानना है कि भारत को दंडित करने के इरादे से ही भारत के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की गई और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को हराने के लिए सारे हथकंडे अपनाए गए। अमेरिका का लक्ष्य था कि भारत में कमजोर सरकार आने पर भारत को रूस से अलग-थलग कर दिया जाएगा।लोकसभा चुनाव के बाद भारत में अपेक्षाकृत कमजोर सरकार आने के बाद अमेरिका ने जापान के माध्यम से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश शुरू कर दी है, लेकिन मोदी की दृढ़ता पर उसका कोई असर नहीं पड़ रहा। अगर अमेरिकी हरकतों का यह सिलसिला जारी रहा तो भारत सरकार कड़ी प्रतिक्रिया देने पर विवश होगी, और यह प्रतिक्रिया जी-7 से लेकर तमाम अंतराष्ट्रीय मचों पर अमेरिका की किरकिरी करेगी। एशिया-प्रशांत देशों के बीच बने संबंधों को कमजोर करेगी और आखिरकार भारत रूस के संबंधों को और प्रगाढ़ करने का रास्ता प्रशस्त करेगी।

बाइडेन को ठेंगा...

उन्होंने आईएनएसटीसी को लागू करने और दोनों देशों के बीच माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए रेलवे सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। 2023 में, रूस ने ईरान के माध्यम से 600,000 टन माल का परिवहन किया। रूस के परिवहन उप मंत्री के अनुसार, 2024 में यह मात्रा बढ़कर 4 मिलियन टन प्रति वर्ष होने की उम्मीद है। यह महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रीय व्यापार और सहयोग के लिए आईएनएसटीसी के महत्व को रेखांकित करती है।

भारत को ईरान के रास्ते कोयला भेजने के रूस के निर्णय और ईरान की सहमति ने अमेरिका को पशोपेश की स्थिति में डाल दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का बाकी दुनिया को आंखें दिखाने का कोई अर्थ नहीं रहा। जो बाइडेन की नासमझ नीतियों के कारण पूरी दुनिया में अमेरिका की फजीहत हो रही है। उधर सऊदी अरब ने भी पेट्रो डॉलर वाला करार खत्म कर पूरी दुनिया को अमेरिकी दबंगई के खोखलेपन को उजागर कर दिया है। वैश्विक नीति को निर्देशित करने की अमेरिका की क्षमता लगातार समाप्त हो रही है। कई क्षेत्रों में वह पहले ही बेअसर हो चुकी है।

आप गौर करिए, अमेरिका ने चीन के खिलाफ सेमीकंडक्टर पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन चीन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। अमेरिकी प्रतिबंधों की विडंबना यह है कि ईरान और रूस के बीच व्यापार में भारी उछाल दर्ज हुआ। अमेरिका ने उन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी, जो अमेरिका की परवाह ही नहीं करतीं। इससे पूरी दुनिया के समक्ष चीन के साथ अमेरिकी व्यापार युद्ध की निरर्थकता उजागर हुई। अमेरिका ने तीन साल पहले चीनी कंपनी श्याओमी को ब्लैकलिस्ट किया। लेकिन अब वही कंपनी ईलेक्ट्रॉनिक व्हेकिल बनाने के क्षेत्र में नाम कमा रही है। चीन वह देश है जहां अमेरिका की महत्वपूर्ण सामग्रियों की सूची में शामिल लगभग सभी खनिजों को निकाला या संशोधित किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की हरकतों को विश्व के आर्थिक-राजनीतिक विश्लेषक आर्थिक पागलपन और राजनीतिक पागलपन बता रहे हैं। जो बाइडेन के इस पागलपन का परिणाम पुरी दुनिया ने देखा कि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद रूसी तेल के आयात पर जो कठोर प्रतिबंध लगाया गया, उसका क्या हुआ। इस प्रतिबंध से वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसमें भारत, चीन और तुर्की जैसे देशों ने रूस से अपने तेल आयात में भारी वृद्धि कर दी और अमेरिका समेत पूरी दुनिया अब वही तेल भारत से खरीद रही है।

आपका विश्वास...

पीएम मोदी के काफिले पर काशीवासियों ने फूलों की बारिश की।पीएम मोदी ने काशी की जनता का आभार जताते हुए कहा, मैं आपका आभारी हूं, आपका ऋणी हूं। इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है वह वाकई अभूतपूर्व है। इस चुनाव ने एक नया इतिहास रचा है। दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करे। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था और अब आपने ये सौभाग्य अपने सेवक मोदी को दिया। भारत जैसे देश में जहां युवा आकांक्षा इतनी बड़ी है,जहां जनता के इतने सपने हैं, वहां लोग अगर किसी सरकार को 10 साल के काम के बाद फिर सेवा का अवसर देते हैं तो यह बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका यह विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है, आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन रात ऐसे ही मेहनत करूंगा। आपके सपनों को पूरा करने के लिए, आपके संकल्पों को पूरा करने के लिए, मैं हर प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है। पूरी दुनिया में इससे बड़ा चुनाव कहीं और नहीं होता है। जी-7 के सारे देशों के मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है। यूरोपियन यूनियन के सारे मतदाताओं को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है। इस चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया है। ये संख्या अमेरिका की पूरी आबादी के आसपास है। भारत के लोकतंत्र की यही खूबसूरती, यही ताकत पूरी दुनिया को आकर्षित भी करती है और प्रभावित भी करती है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमने किसान, नौजवान, नारी शक्ति और गरीब इन्हें विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत मैंने इन्हीं के सशक्तिकरण से की है। सरकार बनते ही सबसे पहला फैसला किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा लिया गया है। देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ नए घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मान निधि को आगे बढ़ाना हो, यह फैसले करोड़ों लोगों की मदद करेंगे। आज का ये कार्यक्रम भी विकसित भारत के इसी रास्ते को सशक्त करने वाला है। थोड़ी देर पहले ही देश भर के करोड़ों किसानों के बैंक खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के 20 हजार करोड़ रुपए पहुंचे हैं। आज तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की तरफ भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। कृषि सखी के रूप में बहनों की नई भूमिका उन्हें सम्मान और आय के नए साधन दोनों सुनिश्चित करेगी। पीएम किसान सम्मान निधि आज दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर स्कीम बन चुकी है। अभी तक देश के करोड़ों किसान परिवारों के बैंक खाते में सवा तीन लाख करोड़ रुपए जमा हो चुके हैं। यहां वार-णसी जिले के किसानों के खाते में 700 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। मुझे खुशी है कि पीएम किसान सम्मान निधि में सही लाभार्थी को लाभ पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल हुआ है। कुछ महीने पहले ही विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान भी एक करोड़ से अधिक किसान इस योजना से जुड़े हैं। सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ पाने के लिए कई नियमों को भी सरल किया है। जब सही नीयत होती है, सेवा की भावना होती है तो ऐसे ही तेजी से किसान हित और जनहित का काम होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने में पूरी कृषि व्यवस्था की बडी भूमिका है। हमें वैश्विक रूप से सोचना होगा, ग्लोबल मार्केट को ध्यान में रखना होगा। हमें दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनना है और कृषि निर्यात में अग्रणी बनना है। बनारस का लंगड़ा आम, जौनपुर की मूली, गाजीपुर की भिंडी, ऐसे अनेक उत्पाद आज विदेशी मार्केट में पहुंच रहे हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब बनने से एक्सपोर्ट बढ़ रहा है और उत्पादन भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का होने लगा है। अब हमें पैकेज्ड फूड के ग्लोबल मार्केट में देश को नई ऊंचाई पर ले जाना है। मेरा तो सपना है कि दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई न कोई खाद्यान्न या फूड प्रोडक्ट होना ही चाहिए। इसलिए हमें खेती में भी जीरो इफेक्ट, जीरो डिफेक्ट वाले मंत्र को बढ़ावा देना है। मोटे अनाज श्रीअन्न का उत्पादन हो, औषधीय गुण वाली फसल हो या फिर प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना हो, पीएम किसान समृद्धि केंद्रों के माध्यम से किसानों के लिए एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम विकसित किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कृषि में महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि माताओं-बहनों के बिना खेती की कल्पना भी असंभव है। इसलिए अब खेती को नई दिशा देने में भी माताओं बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है। नमो ड्रोन दीदी की तरह ही कृषि सखी कार्यक्रम ऐसा ही एक प्रयास है। हमने आशा कार्यकर्ता के रूप में बहनों का काम देखा है, हमने बैंक सखियों के रूप में डिजिटल इंडिया बनाने में बहनों की भूमिका देखी है, अब हम कृषि सखी के रूप में खेती को नई ताकत मिलते हुए देखेंगे। आज 30 हजार से अधिक सहायता समूहों को कृषि सखी के रूप में प्रमाणपत्र दिए गए हैं। अभी 12 राज्यों में ये योजना शुरू हुई है और आने वाले समय में पूरे देश में हजारों महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। ये अभियान तीन करोड़ लखपति दीदियां बनाने में भी मदद करेगा।पिछले 10 वर्ष में काशी के किसानों के लिए केंद्र सरकार ने और 7 वर्षों से राज्य सरकार ने पूरे समर्पण के साथ काम किया है। बनास डेयरी ने तो बनारस और आसपास के किसानों और पशुपालकों का भाग्य बदलने का काम किया है। आज ये डेयरी हर रोज करीब 3 लाख लीटर दूध जमा कर रही है। अकेले बनारस के ही 14 हजार से अधिक पशुपालक इस डेयरी से रजिस्टर्ड हो चुके हैं। अब बनास डेयरी अगले एक डेढ़ साल में काशी के ही 16 हजार और पशुपालकों को अपने साथ जोड़ने जा रही है। बनास डेयरी आने के बाद बनारस के अनेक दुग्ध उत्पादकों की कमाई में 5 लाख रुपए तक की वृद्धि हुई है। पिछले साल 100 करोड़ रुपए से ज्यादा बोनस पशुपालकों के खाते में भेजा गया था। पीएम मत्स्य संपदा योजना से बनारस के सैकड़ों किसानों को लाभ हो रहा है। उन्हें अब किसान क्रेडिट कार्ड की भी सुविधा मिल रही है। चंदौली में करीब 70 करोड़ की लागत से आधुनिक फिश मार्केट का विकास भी किया जा रहा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से यहां करीब 40 हजार लोग रजिस्टर्ड हुए हैं। बनारस के 2100 से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लग चुका है। अभी तीन हजार से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लगाने का काम चल रहा है। आज काशी में देश के सबसे पहले सिटी रोपवे का काम अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच रहा है। गाजीपुर, आजमगढ़ और जौनपुर के रास्तों को जोड़ती रिंग रोड विकास का रास्ता बन गई है। फ्लाई ओवर बनने से जाम से जूझने वाले बनारस के लोगों को बहुत राहत हुई है। काशी और कैंट रेलवे स्टेशन एक नए रूप में पर्यटकों और बनारसी लोगों का स्वागत कर रहे हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट का नया रूप न सिर्फ यातायात बल्कि व्यापार को भी सहूलियत दे रहा है। गंगा घाट पर होता विकास, बीएचयू में बनती नई स्वास्थ्य सुविधाएं और वाराणसी में जगह-जगह विकसित होती नई व्यवस्था काशीवासियों को गौरव की अनुभूति कराती है। बाबा विश्वनाथ की कृपा से काशी के विकास की यह नई गाथा अनवरत चलती रहेगी।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भगीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, विधान परिषद के सदस्य और भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश सरकार के अन्य मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

2014 के बाद पहली...

में यह बात कही। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9.26 करोड़ किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त (20 हजार करोड़ रुपये से अधिक) का ऑनलाइन हस्तांतरण किया। साथ ही कृषि सखियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। सीएम योगी ने पीएम मोदी को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सीएम योगी ने कहा कि 62 वर्ष के बाद पहली बार यह अवसर आया है, जब देश के किसी राजनेता ने अपने कार्यों के बल पर प्रत्येक तबके के जीवन में व्यापक परिवर्तन किया और लोकप्रियता के आधार पर लगातार तीसरी बार विजय प्राप्त कर प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मां गंगा के यशस्वी पुत्र नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यों के माध्यम से भारत को दुनिया के अंदर नई पहचान दिलाई है। उनके नेतृत्व में एक तरफ हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ते हुए कार्य कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि हमने बदलती हुई काशी को देखा है। काशी नए कलेवर और नई काया के साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर नई पहचान बना रही है। नई काशी पूरे देश-दुनिया को आकर्षित कर रही है। 10 वर्ष में नई काशी के कायाकल्प के लिए न सिर्फ हजारों करोड़ रुपये लगे हैं, बल्कि दुनिया ने काशी को नए रूप में बदलते हुए देखा है। काशी के बारे में आमजन की श्रद्धा-आस्था को और मजबूत होते देखा है।

भाजपा का ...

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में यह पद सहयोगी अन्नाद्रमुक को दिया गया था। दूसरे कार्यकाल में इस पद पर नियुक्ति नहीं हुई थी। विपक्ष राजनीतिक परंपरा का हवाला देते हुए उपाध्यक्ष का पद मांग रहा है। इस मामले में अब सबकी निगाहें टीडीपी पर हैं। विपक्ष ने कहा है कि अगर टीडीपी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ती है तो वह उसे समर्थन देने पर विचार करेगा। हालांकि, राजग में अध्यक्ष पद पर सहमति बनने के बावजूद शक्ति परीक्षण के लिए विपक्ष सर्वसम्मति के बदले चुनाव का रास्ता अख्तियार कर सकता है। इस पद पर 26 जून को चुनाव संभावित है।

पाकिस्तान से...

2023 में भारत के पास 164 परमाणु हथियार थे लेकिन 2024 में यह संख्या 172 हो गई। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई प्रगति नहीं है।

सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का मुख्य लक्ष्य भारत को टारगेट करना है, जबकि भारत लगातार लंबी दूरी की मिसाइलें बनाने में लगा है, ताकि चीन के पूरे क्षेत्र तक अपनी मारक पहुंच बना सके। सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल की गिनती होती है। इनमें से अमेरिका के पास 3708 परमाणु हथियार हैं। रूस के पास 4380 परमाणु हथियार हैं। ब्रिटेन के पास 225, फ्रांस के पास 290, नॉर्थ कोरिया के पास 50 और इजरायल के पास 90 परमाणु हथियार हैं।

रिपोर्ट बताती है कि चीन भी लगातार अपने पास परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। 2023 में चीन के पास 410 परमाणु हथियार थे। अब 2024 में चीन के पास 500 परमाणु हथियार हैं। इसका मतलब साफ है कि चीन ने महज एक साल में 90 परमाणु हथियारों का निर्माण किया है। यह वृद्धि उस समय देखने को मिली है जब हाल ही में कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में परमाणु नीति कार्यक्रम और कार्नेगी चीन के एक वरिष्ठ फैलो टोंग झाओ ने कहा था कि 2027 तक 700 से अधिक और दशक के अंत तक 1,000 से अधिक न्युक्लियर वारहेड हो सकते हैं।रिपोर्ट ने यह भी जानकारी दी है कि युद्ध के दौर के हथियारों के खत्म होने के कारण दुनियाभर में परमाणु हथियारों की कुल संख्या में कमी आ रही है, लेकिन संघर्ष की स्थिति में तुरंत इस्तेमाल किए जा सकने वाले ऑपरे-शनल वॉरहेड की संख्या में साल-दर-साल लगातार वृद्धि हो रही है। दुनियाभर में लगभग 2,100 तैनात परमाणु हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर उच्च परिचालन अलर्ट की स्थिति में रखा गया है। इनमें से लगभग सभी रूस और अमेरिका के हैं।

अमेरिका ने...

इस बीच निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने का एक वीडियो भी सामने आया। इसमें कुछ पुलिसकर्मी निखिल गुप्ता को एक एयरपोर्ट पर ले जाते हुए दिखते हैं। निखिल गुप्ता को शुक्रवार को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। इस बात की पुष्टि चेक गणराज्य के न्याय मामलों के मंत्री ने भी की। इससे पहले निखिल गुप्ता ने चेक गणराज्य से उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ कोर्ट में याचिका भी दाखिल की थी लेकिन मई 2024 में कोर्ट ने उसके प्रत्यर्पण का रास्ता साफ़ कर दिया था। जबकि इससे पहले फरवरी 2024 में कोर्ट ने निखिल के प्रत्यर्पण पर रोक लगा दी थी। इसीलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका ने चेक गणराज्य को दबाव में लेकर निखिल गुप्ता का जबरन अमेरिका प्रत्यर्पण कराया।उल्लेखनीय है कि अमेरिका के जस्टिस विभाग ने आरोप लगाया था कि निखिल गुप्ता अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल था। निखिल गुप्ता पर आरोप था कि उसने अमेरिका में पन्नू को मारने के लिए एक हत्यारे को सुपारी दी थी।

भाजपा में लत्तम...

हार के बाद सीता सोरेन ने दुमका और जामताड़ा के भाजपा जिलाध्यक्षों के साथ ही पूर्व सांसद सुनील सोरेन, पूर्व मंत्री डॉ. लुईस मरांडी, विधायक रणधीर सिंह सहित पार्टी के प्रदेश महासचिव व राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। सोरेन ने खुलकर कहा है कि इन नेताओं ने उनके और पार्टी के साथ गद्दारी की है और ऐसे लोगों को अब झामुमो का झंडा पकड़ लेना चाहिए।पश्चिम उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान की हार के बाद उनके और भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम के बीच जुबानी जंग हुई। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा नेताओं की अंतरकलह सामने आई है। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं के जिस तरह के बयान सामने आ रहे हैं, उससे पार्टी की ही सार्वजनिक किरकिरी हो रही है।सलेमपुर सीट से दो बार चुनाव जीत चुके रवींद्र कुशवाहा को इस बार बेहद नजदीकी मुकाबले में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रमाशंकर राजभर ने 3573 वोटों से हराया है। हार के बाद रवींद्र कुशवाहा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विजयलक्ष्मी गौतम ने चुनाव के दौरान भाजपा के लिए वोट नहीं मांगे। कुशवाहा ने भाजपा के सहयोगी दल सुभाषपा के अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर भी निशाना साधा और कहा कि पूर्वांचल में राजभर का कोई असर नहीं दिखाई दिया।रवींद्र कुशवाहा ने भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय यादव को सपा का एजेंट बताया तो पलटवार करते हुए संजय यादव ने कहा कि रवींद्र कुशवाहा ने 10 साल में इस क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं किया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इतना नाकारा सांसद पूरे देश भर में मिल पाना बेहद मुश्किल है।लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के दो बड़े चेहरों पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और पूर्व विधायक संगीत सिंह सोम की जुबानी जंग से भाजपा के अंदर खलबली मची हुई है। चुनाव नतीजों के बाद संजीव बालियान ने संगीत सिंह सोम पर समाजवादी पार्टी का समर्थन करने का आरोप लगाया था। बालियान पिछली दो बार से मुजफ्फरनगर सीट से चुनाव जीत रहे थे लेकिन इस बार उन्हें सपा के उम्मीदवार हरेंद्र मलिक से 24 हजार वोटों से हार मिली है।संजीव बालियान के हमले के बाद संगीत सिंह सोम भी खुलकर सामने आए और उन्होंने कहा कि भाजपा का एक भी कार्यकर्ता संजीव बालियान को पसंद नहीं करता था। सोम ने कहा कि बालियान ने पिछले 10 सालों में पार्टी के लोगों का काम नहीं किया। सोम ने यह भी कहा था कि संजीव बालियान खुद सपा के समर्थक रहे हैं। संगीत सोम और संजीव बालियान की लड़ाई को सुलझाने के लिए उत्तर प्रदेश भाजपा के साथ ही केंद्रीय नेतृत्व भी कई बार दखल दे चुका है लेकिन इन नेताओं की जुबानी जंग थमती नहीं दिख रही है।

यूपी में हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

राज्य	2019	2024
उत्तर प्रदेश	62	29
महाराष्ट्र	23	14
पश्चिम बंगाल	18	6
राजस्थान	25	11
बिहार	17	5
कर्नाटक	25	8
हरियाणा	10	5

2014 और 2019 में उत्तर प्रदेश में बड़ी जीत हासिल करने वाली भाजपा ने यह नहीं सोचा था कि इस लोकसभा चुनाव में उसे इतने खराब नतीजों का सामना करना पड़ेगा। भाजपा को उत्तर प्रदेश में ढाई साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में बड़ी लड़ाई लड़नी है। उत्तर प्रदेश भाजपा और संघ दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और पार्टी किसी भी कीमत पर इतने बड़े राज्य को खोना नहीं चाहती। लेकिन नेताओं की खुलकर बयानबाजी से जूझ रही पार्टी इंडी गठबंधन की जोरदार चुनौती का मुकाबला कैसे कर पाएगी, यह पार्टी के नेतृत्व के सामने बड़ा सवाल है।

उत्तर प्रदेश में जल्द ही 10 विधानसभा सीटों के लिए भी उपचुनाव होने हैं। इसमें भी एनडीए और इंडी गठबंधन का आमने-सामने का मुकाबला होना है।लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा के सांसद सौमित्र खान ने आरोप लगाया था कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने टीएमसी के साथ समझौता कर लिया, वरना भाजपा राज्य में ज्यादा सीटें जीत सकती थी। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने भी अपनी हार के लिए पार्टी नेताओं के द्वारा उनके खिलाफ कही गई बातों को जिम्मेदार ठहराया था।कहा जाता है कि भाजपा में सख्त अनुशासन है और नेताओं को पार्टी के मामलों में किसी भी तरह की शिकायत मीडिया के बीच करने की इजाजत नहीं है। लेकिन जिस तरह सीता सोरेन, संजीव बालियान और संगीत सोम, रवींद्र कुशवाहा या पश्चिम बंगाल में पार्टी के नेताओं के बीच खुलकर घमासान हुआ, उससे निश्चित तौर पर भाजपा की सख्त अनुशासन वाली छवि तार-तार हुई है।

23 जून से 21 जुलाई तक रहेगा आषाढ़ महीना

■ सूर्य पूजा से दूर होती हैं बीमारियां और बढ़ती है उम्र
■ धार्मिक और सेहत के हिसाब से महत्वपूर्ण है आषाढ़ मास

आषाढ़ महीना 23 जून से 21 जुलाई तक रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ माह में गुरु की उपासना सबसे फलदायी होती है। इस महीने में श्री हरि विष्णु की उपासना से भी संतान प्राप्ति का वरदान मिलता है। इस महीने में जल देव की उपासना का भी महत्व है। कहा जाता है कि जल देव की उपासना करने से धन की प्राप्ति होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ऊर्जा के स्तर को संयमित रखने के लिए आषाढ़ के महीने में सूर्य की उपासना की जाती है। आषाढ़ मास के प्रमुख व्रत-त्योहारों में जगन्नाथ रथयात्रा है। इसी महीने देवशयनी एकादशी के दिन से श्री हरि विष्णु शयन के लिए चले जाते हैं जिसके कारण अगले चार माह तक शुभ कार्यों को करने की मनाही है। इसे चतुर्मास के नाम से भी जाना जाता है। स्कंद पुराण के मुताबिक इस महीने में भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है। आषाढ़ में रविवार और सप्तमी तिथि का व्रत रखने से मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। भविष्य पुराण में कहा गया है कि सूर्य को जल चढ़ाने से दुश्मनों पर जीत मिलती है।

आषाढ़ महीना 23 जून से 21 जुलाई तक रहेगा। इस महीने उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने की परंपरा है। आषाढ़ के दौरान सूर्य अपने मित्र ग्रहों की राशि में रहता है। इससे सूर्य का शुभ प्रभाव और बढ़ जाता है। स्कंद पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि इस महीने के देवता भगवान वामन ही हैं। इसलिए आषाढ़ महीने के शुक्लपक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान वामन की विशेष पूजा और व्रत की परंपरा है। वामन पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान भगवान विष्णु के इस अवतार की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। संतान सुख मिलता है, जाने-अनजाने में हुए पाप और शारीरिक परेशानियां भी खत्म हो जाती हैं। आषाढ़ महीना धर्म-कर्म के अलावा सेहत के नजरिये से भी बहुत खास होता है। आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य चरक, सुश्रुत और वागभट्ट ने इस महीने को ऋतुओं का संधिकाल कहा है। यानी ये मौसम परिवर्तन का समय होता है। इस दौरान गर्मी खत्म होती है और बारिश की शुरुआत होती है। ज्योतिषीयों के मुताबिक आषाढ़ महीने में सूर्य मिथुन राशि में रहता है। इस कारण भी रोगों का संक्रमण बढ़ता है।

श्रीराम ने की थी सूर्य पूजा

स्कंद और पद्म पुराण के अनुसार सूर्य को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। उन्हें भक्तों को प्रत्यक्ष दर्शन देने वाला भी कहा जाता है। इसलिए आषाढ़ महीने में सूर्यदेव को जल चढ़ाने से विशेष पुण्य मिलता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार युद्ध के लिए लंका जाने से पहले भगवान श्रीराम ने भी सूर्य को जल चढ़ाकर पूजा की थी। इससे उन्हें रावण पर जीत हासिल करने में मदद मिली। आषाढ़ महीने में सूर्य को जल चढ़ाने से सम्मान, सफलता और तरक्की मिलती है। दुश्मनों पर जीत के लिए भी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

सूर्य पूजा से बढ़ता है आत्मविश्वास

सूर्य को जल चढ़ाने से आत्मविश्वास बढ़ता है। सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आषाढ़ महीने में सूर्योदय से पहले नहाकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने के साथ ही पूजा करने से बीमारियां दूर होती हैं। भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र को सूर्य पूजा का महत्व बताया है। श्रीकृष्ण ने कहा है कि सूर्य ही एक प्रत्यक्ष देवता हैं। यानी ऐसे भगवान हैं जिन्हें रोज देखा जा सकता है। श्रद्धा के साथ सूर्य पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सूर्य पूजा से कई ऋषियों को दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ है।

सूर्य को देना चाहिए अर्घ्य

सुबह सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करें। संभव नहीं हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर नहाएं। इसके बाद भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और चावल, फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। जल चढ़ाते समय सूर्य के वरूण रूप को प्रणाम करते हुए ऊं रवये नमः मंत्र का जाप करें। इस जाप के साथ शक्ति, बुद्धि, स्वास्थ्य और सम्मान की कामना करना चाहिए। इस प्रकार जल चढ़ाने के बाद धूप, दीप से सूर्य देव का पूजन करें। सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, लाल चंदन का दान करें। श्रद्धानुसार इन में से किसी भी चीज का दान किया जा सकता है। इस दिन सूर्यदेव की पूजा के बाद एक समय फलाहार करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुरू होता है बारिश का मौसम

आषाढ़ महीने में गर्मी खत्म होने लगती है और ये बारिश का मौसम शुरू होता है। दो मौसमों के संधिकाल की वजह से इन दिनों बीमारियों का संक्रमण ज्यादा होने लगता है। साथ ही नमी की वजह से फंगस और इनडाइजेशन की समस्या भी बढ़ जाती है। इसी महीने में ही मलेरिया, डेंगू और वाइरल फीवर ज्यादा होते हैं। इसलिए खान-पान पर ध्यान देते हुए छोटे-छोटे बदलाव कर के ही बीमारियों से बचा जा सकता है।

बढ़ने लगते हैं फंगस रोग

आयुर्वेद के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान फंगस रोग बढ़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए नीम, लौंग, दालचीनी, हल्दी और लहसुन का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इनके साथ ही त्रिफला चूर्ण को गरम पानी के साथ लेना चाहिए और गिलोय भी खाना चाहिए। साथ ही इस महीने में टमाटर, अचार, दही और अन्य खट्टी चीजें खाने से बचना चाहिए।

मसालेदार खाने से परहेज

ऋतु परिवर्तन के इस काल में पानी से संबंधित बीमारियां ज्यादा होती हैं। ऐसे में इन दिनों पानी उबालकर पीना चाहिए। आषाढ़ में रसीले फलों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। इन दिनों में आम और जामुन खाने चाहिए। हालांकि बेल से पहरेज करें। पाचन शक्ति सही रखने के लिए मसालेदार और तली भुनी चीजें कम खानी चाहिए। आषाढ़ महीने में सौंफ और हींग का सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इस महीने में साफ-सफाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

वामन रूप की पूजा और व्रत

आषाढ़ महीने के गुरुवार को भगवान विष्णु के वामन रूप की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन व्रत और पूजा के बाद छोटे बच्चे को भगवान वामन का रूप मानकर भोजन करवाया जाता है और जरूरत की चीजों का दान भी किया जाता है। साथ ही इस महीने की दोनों एकादशी तिथियों पर भगवान वामन की पूजा के बाद अन्न और जल का दान किया जाता है।

वामन रूप में अवतार

सतयुग में असुर बलि ने देवताओं को पराजित करके स्वर्गलोक पर अधिकार कर लिया था। इसके बाद सभी देवता भगवान विष्णु के मदद मांगने पहुंचे। तब विष्णुजी ने देवमाता अदिति के गर्भ से वामन रूप में अवतार लिया। इसके बाद एक दिन राजा बलि यज्ञ कर रहा था, तब वामनदेव बलि के पास गए और तीन पग धरती दान में मांगी। शुक्राचार्य के मना करने के बाद भी राजा बलि ने वामनदेव को तीन पग धरती दान में देने का वचन दे दिया। इसके बाद वामनदेव ने विशाल रूप धारण किया और एक पग में धरती और दूसरे पग में स्वर्गलोक नाप लिया। तीसरा पैर रखने के लिए कोई स्थान नहीं बचा तो बलि ने वामन को खुद सिर पर पग रखने को कहा। वामनदेव ने जैसे ही बलि के सिर पर पैर रखा, वह पाताल लोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे पाताललोक का स्वामी बना दिया और सभी देवताओं को उनका स्वर्ग लौटा दिया।

आषाढ़ मास व्रत - त्यौहार

25 जून मंगलवार 2024: कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी
02 जुलाई मंगलवार 2024: योगिनी एकादशी
03 जुलाई बुधवार 2024: प्रदोष व्रत
05 जुलाई शुक्रवार 2024: दर्श अमावस्या, आषाढ़ अमावस्या
06 जुलाई शनिवार 2024: आषाढ़ गुप्त नवरात्रि प्रारंभ,
07 जुलाई रविवार 2024: जगन्नाथ रथयात्रा, चंद्र दर्शन
16 जुलाई मंगलवार 2024: कर्क संक्रान्ति
17 जुलाई बुधवार 2024: देवशयनी एकादशी
18 जुलाई बृहस्पतिवार 2024: प्रदोष व्रत
19 जुलाई शुक्रवार 2024: जयापार्वती व्रत प्रारम्भ
20 जुलाई शनिवार 2024: कोकिला व्रत
21 जुलाई रविवार 2024: गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, आषाढ़ पूर्णिमा

आज रखा जाएगा ज्येष्ठ माह का दूसरा प्रदोष व्रत

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ का इस दिन पूजन करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है और व्रती की हर मनोकामना भी पूर्ण होती है। प्रदोष व्रत प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर रखा जाता है। इस दिन व्रत रखने से जीवन में चल रही समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

प्रदोष व्रत पर भगवान शिव को दही और घी का भोग लगाना शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।

हलवा- प्रदोष व्रत पर भगवान शिव को हलवे का भोग लगाना चाहिए। इससे व्रती के सभी मनोरथ सिद्ध होते हैं।

सूखे मेवे- मान्यता है कि भगवान शिव को सूखे मेवे का भोग लगाने से आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

ज्येष्ठ माह का दूसरा प्रदोष व्रत 19 जून को रखा जाएगा। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। जिससे सुख एवं समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इस दिन महादेव का व्रत रखना शुभ फलदायी माना गया है। यहां आपको बताते हैं कि ज्येष्ठ पूर्णिमा की क्या पूजन विधि है और भगवान शिव को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

भगवान शिव के लगाए यह भोग

दही और घी-

ऐसी है पूजा विधि

*प्रदोष व्रत पर सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि एवं नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं।
*घर के मंदिर को साफ कर भगवान शिव के समक्ष दीपक लगाएं।
*शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करें।
*शिवलिंग पर चंदन, बेलपत्र, और पुष्प अर्पित करें। अंत में भोलेनाथ की आरती करें।

22 जून को भगवान जगन्नाथ करेंगे सहस्त्र धारा स्नान

फिर 14 दिनों तक नहीं देंगे दर्शन, जानें क्या है मान्यता

पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी की जा रही है। इससे पहले ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को सहस्त्र धारा स्नान करवाया जाएगा। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा और की पूजा की जाती है। सहस्त्र धारा स्नान भगवान जगन्नाथ के प्रमुख अनुष्ठानों में से एक है। इस दिन को देव स्नान पूर्णिमा कहा गया है। इस वर्ष यह विशेष पूर्णिमा 22 जून को है।

क्या है मान्यता

प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा को सहस्त्र धारा स्नान करवाया जाता है। इसके लिए देवताओं को स्नान मंडप तक लाया जाता है और जगन्नाथ मंदिर के अंदर मौजूद कुएं के जल से इन्हें स्नान करवाया जाता है। इस दौरान कई अनुष्ठान भी किए जाते हैं। स्नान के लिए 108 घड़ों का उपयोग किया जाता है। जल में फूल, चंदन, केसर और कस्तूरी भी मिलाया जाता है। सहस्त्र धारा स्नान पूर्ण होने पर भगवान को 'सादा बेश' बनाया जाता है। दोपहर में 'हाथी बेश' पहनकर भगवान गणेश के रूप में तैयार किया जाता है।

14 दिन तक नहीं देंगे दर्शन

सहस्त्र धारा स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ 14 दिन तक भक्तों को दर्शन नहीं देते। माना जाता है कि ज्यादा नहाने से भगवान बीमार हो जाते हैं। इसलिए 14 दिनों तक भगवान का उपचार चलता है।ब वहीं 15वें यानी आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मंदिर के कपाट खोले जाते हैं, जिसे नेत्र उत्सव कहा जाता है। नेत्र उत्सव के अगले दिन यानी आषाढ़ शुक्ल की द्वितीया तिथि को जगन्नाथ रथ यात्रा के शुरू हो जाती है, जिसमें दुनिया भर से लोग शामिल होने पहुंचते हैं।

दांपत्य जीवन से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए करें आंवले के पेड़ से जुड़े ये उपाय

हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधों को पूजनीय माना जाता है। उन्हीं में से एक है आंवले का पेड़ भी है। शास्त्रों के अनुसार, आंवले के वृक्ष में सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु का वास होता है। जिस घर में आंवले का पेड़ होता है, वहां सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। आर्थिक स्थिति भी अच्छी होती है। ऐसे में हम आपको आंवले के पेड़ से जुड़े कुछ वास्तु नियम बताने जा रहे हैं।

इस दिशा में लगाएं पेड़

वास्तु शास्त्र के अनुसार, आंवले का पेड़ घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इस पेड़ इस दिशा में लगाने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। प्रतिदिन इस वृक्ष की पूजा करने और जल देने से घर में देवी-देवताओं का वास होता है।

इस दिन लगाएं आंवले का पेड़

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में आंवले का पेड़ लगाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और धन से जुड़ी समस्याएं खत्म होती हैं। मां लक्ष्मी का भी आगमन होता है।

आंवले का पेड़ लगाने के लिए गुरुवार और शुक्रवार को शुभ दिन माना जाता है।

जरूर करें यह उपाय

धार्मिक मान्यता है कि आंवले के वृक्ष के निचले भाग में भगवान ब्रह्मा, मध्य भाग में श्रीहरि और तने में देवों के देव महादेव का वास होता है। अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी भी तरह की समस्या आ रही है, तो आंवला एकादशी के दिन आंवले के पेड़ की शाखाओं पर धागा बांधना चाहिए। इसके बाद दीपक जलाएं और आरती करें। माना जाता है कि इस तरह दांपत्य जीवन हमेशा सुखी रहता है।

सास-बहू मानी जाती हैं भागीरथी और अलकनंदा नदी, जानें क्यों दिया गया नाम

भारत में नदियों को पवित्र माना गया है। कई ऐसी नदियां है, जिनके उद्गम को लेकर पौराणिक कथाएं मौजूद है। जहां एक तरफ देश में गंगा और नर्मदा जैसी नदियों को पूजनीय माना गया है, तो वहीं इनकी जलधराओं से निकली नदियों को धर्म की दृष्टि से विशेष स्थान दिया गया है। ऐसी ही एक अलंकनंदा नदी है। इसे गंगा नदी की स्रोत धारा माना गया है। यह उत्तराखंड में स्थित हिमालयी नदी है, जो कि गंगा की प्रमुख जल धारा है।

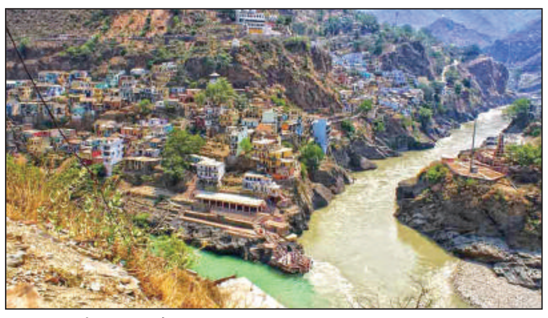

अलकनंदा नदी करीब 195 किलोमीटर लंबी और यह उत्तराखंड में सतोपंथ और भगीरथ ग्लेशियरों के संगम से निकली है। यह बद्रीनाथ की ओर से भी गुजरती है और देवप्रयाग में भागीरथी नदी से मिलकर गंगा नदी के रूप में आगे बढ़ती है।

ऐसा है मार्ग

अलकनंदा नदी उद्गम से निकलकर बद्रीनाथ धाम तक पहुंचती है और यहां घृत गंगा नदी ये मिल जाती है। जिसके बाद पांडुकेश्वर तक जाती है। बाद में विष्णु प्रयाग में धौलीगंगा से संगम कर जोशीमठ शहर तक जाती है। बिरही में अलकनंदा सहायक बिरही गंगा नदी से मिलकर नंदप्रयाग शहर तक पहुंचती है और नंदाकिनी नदी में मिल जाती है। देवप्रयाग में अलकनंदा नदी भागीरथी से मिल जाती है और आगे इसका नाम गंगा हो जाता है।

सास-बहू मानी जाती है अलकनंदा और भागीरथी

गढ़वाल क्षेत्र में भागीरथी अलकनंदा और भागीरथी नदी को सास-बहू माना गया है। भागीरथी के कोलाहल को देखकर उसे सास, तो वहीं अलकनंदा के शांत रूप को देखकर ही बहू कहा गया है।

ऐसा है इतिहास

अलकनंदा नदी का प्राचीन नाम विष्णुगंगा है। यह उत्तराखंड राज्य के चमोली सहित रूद्रप्रयाग, टिहरी और पौड़ी से गुजरती है। देवप्रयाग में यह भागीरथी से मिल जाती है। यहां अलकनंदा जलधारा का रंग हल्का नीला रहता है, जबकि भागीरथी नदी का रंग हल्का हरा होता है। इन दोनों नदियों का संगम श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। देवप्रयाग में अलकनंदा जलधारा को भागीरथी से ऊंचा दर्जा दिया गया है।

राम पोथिनेनी और संजय दत्त की फिल्म डबल इस्मार्ट की रिलीज डेट आई सामने

15 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी और संजय दत्त की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल इस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। पुरी जगन्नाध की डबल आईस्मार्ट स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म निर्माता और चार्ममे कौर के बैनर पुरी कनेक्ट्स द्वारा समर्थित इस फिल्म में राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में हैं।फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाध की आगामी फिल्म डबल इस्मार्ट 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने आज शनिवार को इसकी घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए राम पोथिनेनी ने फिल्म की रिलीज का जानकारी दी है। डबल इस्मार्ट पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी।निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट की जानकारी दी है। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया था। अब लोगों को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। टीजर की बात करें तो एक मिनट 26 सेकंड के वीडियो में राम पोथिनेनी और संजय दत्त की दमदार झलक देखने को मिली। शंकर के अवतार में दिखे राम पोथिनेनी के कुछ फाइट सीक्वेंस भी हैं। टीजर में बिग बुल बने संजय दत्त नए अवतार में नजर आए थे।ये फिल्म पोथिनेनी और जगन्नाध की 2019 की साइंस-फाई एक्शन फिल्म आईस्मार्ट शंकर का सीक्वल है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी। डबल इस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी

जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

कृति खरबंदा ने भारतीय सिनेमा में पूरे किए 15 साल

शेयर किया दिल को छू लेने वाला संदेश

शादी में जरूर आना, कारवां, हाउसफुल 4 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सिनेमा में 15 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने सफर को याद करते हुए एक लंबा नोट लिखा।उन्होंने अपनी कन्नड़ फिल्म गुगली के रिलीज होने के समय की एक दिलचस्प कहानी भी शेयर की।2009 में तेलुगू फिल्म बोनी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने अपने नोट की शुरुआत में लिखा, मैंने पिछले 15 साल, यानी अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा एक अभिनेत्री के रूप में बिताया है। जो एक शौक के रूप में शुरू हुआ, बिलों का भुगतान करने और पहचान पाने का एक तरीका था, वह धीरे-धीरे एक जुनून में बदल गया! एक ऐसा जुनून जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि वह मेरे अंदर मौजूद है।

उन्होंने बताया कि अपने सफर के दौरान, वह एक इंसान और एक अभिनेता के रूप में विकसित हुईं। इस दौरान व्यवसाय के बारे में उनकी गहरी समझ ने उन्हें फ़िल्म उद्योग के प्रति और अधिक आकर्षित किया।उन्होंने आगे बताया कि आज जब मैं एक अभिनेता के रूप में 15 साल पूरे कर रहा हूँ, तो मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूँ। मैं अपनी किशोरावस्था से ही अपनी माँ के साथ एक बुटीक चलाता था। हम खरीदारी करते थे, डिज़ाइन करते थे और कपड़े और अन्य चीज़ें खरीदने में बहुत समय बिताते थे। इसलिए मेरी कन्नड़ फ़िल्म गुगली की रिलीज़ के कुछ दिनों बाद हम एक मॉल में गए।

जब अभिनेत्री स्टोर में दाखिल हुई तो सब कुछ ठीक था। जब वह बाहर निकली तो उसने पाया कि स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग खड़े थे।इन 15 सालों में, अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों जैसे पवन कल्याण, यश और अन्य के साथ काम किया है। उन्होंने राज: द रीबूट से बॉलीवुड में कदम रखा।अभिनेत्री ने साझा किया: आज मैं इस अवसर पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। छोटी, भोली, भरोसेमंद, भावुक, साहसी मैं। मैं आज यहाँ उसकी वजह से हूँ, क्योंकि वह हार मान सकती थी। मुझे पता है कि जब चीजें मुश्किल हो गईं तो वह हार मानना चाहती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

वह आगे बढ़ती रही। और मैं आज के लिए खुद को धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं उस व्यक्ति पर बहुत गर्व करती हूँ जो मैं बन गई हूँ और मैं अपने बारे में कुछ भी नहीं बदलना चाहती। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद।

पुष्पा 2: द रूल की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, अल्लू अर्जुन का नया पोस्टर भी जारी

साल की मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2: द रूल की अब नई रिलीज डेट आ गई है। ऐसे में अब दुनिया भर में फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस अब अपने कैलेंडर में 6 दिसंबर, 2024 को नई प्रीमियर डेट के रूप में मार्क कर सकते हैं।फिल्म के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के पोस्टपोन होने की वजह भी साझा की है। उन्होंने यह बताया है कि वह चाहते हैं की फिल्म बिना किसी क्वालिटी कंप्रोमाइज के एक बेहतरीन सिनेमैटिक एक्सपीरियंस दें। इस चीज को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फिल्म को पूरा करने के लिए और ज्यादा वक्त चाहिए।पुष्पा 2 पिछले दो सालों से मच अवेटेड फिल्मों में से एक रही है, जिसे लगातार चार्ट में टॉप पर देखा गया है। फ़िल्म की पॉपुलैरिटी ऊंचाई को छू रही है, इसके गाने और टीजर ने नेचुरल तरीके से 100 मिलियन व्यूज़ को पार किया है।हाल ही में, मास जथरा टीजर, एनर्जेटिक पुष्पा पुष्पा टाइटल सॉन्ग, और रोमांटिक ट्रैक अंगारों यूट्यूब पर बड़े हिट रहे हैं। साथ ही यह सभी सबसे लंबे समय तक टॉप 10 में ट्रेंड करते नजर आए हैं। इतना ही नहीं इन एसेट्स ने रियल यूनिवर्स में भी जबरदस्त सक्सेस हासिल की है, इनपर सबसे ज्यादा यूजर जेनरेटेड कंटेंट बनाए गए हैं। फिल्म पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब सोच विचार के बाद फिल्म को 6 दिसंबर 2024 के रूप में नई रिलीज डेट दी गई है।मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के साथ मिलकर पुष्पा 2: द रूल को प्रोड्यूस किया है, जबकि मेस्ट्रो सुकुमार ने इसे डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और वर्सेटाइल एक्टर फहद फासिल लीड रोल्स में हैं।

पंजाबी लिरिक्स के साथ प्रभास-दिलजीत की जोड़ी ने मचाया धमाल

रिलीज हुआ भैरव एंथम का वीडियो सॉन्ग

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी अभिनीत नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। बड़े बजट और बड़ी स्टारकास्ट वाली इस फिल्म को लेकर काफी बज है। इन सबके बीच फिल्म का पहला ऑडियो सॉन्ग भैरव एंथम रविवार को एक कैच के साथ रिलीज किया गया था। वहीं आज फाइनली इस गाने का वीडियो सॉन्ग भी रिलीज कर दिया गया है।भैरव एंथम सॉन्ग संतोष नारायणन द्वारा कंपोज है, दिलचस्प बात ये है कि इस जोश भर देने वाले सॉन्ग को दिलजीत दोसांझ और दीपक ब्लू ने अपनी आवाज दी है और पंजाबी और तेलुगु लिरिक्स का एक्सपेरिमेंटल मिक्स किया है। बता दें कि प्रभास और दिलजीत दोसांझ ने पहली बार नाग अश्विन की मोस्ट अवेटेड फिल्म कल्कि 2898 एडी के गाने भैरव एंथम के लिए कोलैबोरेट किया गै। दिलजीत ने ट्रैक में अपना खुद का पंजाबी फ्लेवर एड किया है। यह गाना हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी रिलीज होगा।

भैरव एंथम के तमिल के लिए लिरिक्स कुमार और विवेक, तेलुगु के लिए रामजोगय्या शास्त्री और विवेक और हिंदी के लिए कुमार द्वारा लिखे गए हैं।वीडियो सॉन्ग में प्रभास एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं, जबकि दिलजीत को उनके गाने पर थिरकते हुए और अपनी दमदार आवाज से मंच पर आग लगाते हुए देखा जा सकता है। लास्ट में बाहुबली स्टार भी पंजाबी अवतार में नजर आते हैं।टीम ने एक छोटा प्रोमो जारी किया जिसे फैंस ने खूब सराहा। वहीं मेकर्स ने रविवार को भैरव एंथम वीडियो जारी करना था लेकिन इसका ऑडियो रिलीज किया गया और लिखा गया, भैरव एंथम के लिए इंतजार लगभग खत्म हो गया है। बस थोड़ी देर और, और आप इसे एंजॉय कर सकते हैं। इस बीच, इसे अपने फेवरेट सॉन्ग स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर सुनें! प्रभास दिलजीतदोसांझ। पूरा वीडियो गाना कल सुबह 11 बजे आएगा।भैरव एंथम का वीडियो सॉन्ग रिलीज होते ही फैंस भी खुशी के मारे उछल पड़े हैं। गाना आते ही वायरल हो रहा है तमाम फैंस ने दिलजीत और प्रभास की जोड़ी की तारीफ की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा,दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्ज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 19 जून 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 07:29 तक
नक्षत्र : विशाखा सायं 05:23 तक
योग : सिद्ध रात्रि 09:10 तक
करण : बालव प्रात: 07:29 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रात: 11:05 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत , वट सावित्री व्रत आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत

बारां, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के गरबोलिया जोड़ इलाके में मंगलवार को एक कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई।

हादसे में एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो की झालावाड़ के जिला अस्पताल में मौत हो गयी। मरने वालों में ससुर और दामाद शामिल हैं। तीनों मृतक एक–दूसरे के रिश्तेदार बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र के गरबोलिया रोड पर बाइक सवार तीन लोगों को पीछे से आ रही है, एक कार ने टक्कर मार दी। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के रहने वाले नारायण सिंह (22) निवासी कराडिया, राम प्रसाद (52), ग्राम धनवास कला तथा रामकिशन (52) निवासी पिपलिया मध्य प्रदेश में किसी कार्यक्रम में शामिल होने गये थे, जहां से वह वापस लौटकर अपने गांव जा रहे थे। ऐसे में घरबोलिया घाटी से पहले घरबोलिया जोड़ पर उनको पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गये।

दुर्घटना की सूचना मिलने पर बड़ी तादाद में ग्रामीण मौके पर पहुंचे जहां बाइक चला रहे युवक नारायण सिंह की मौत हो चुकी थी। नारायण सिंह केशव को मनोहर थाना अस्पताल में रखवाया गया है, जबकि शहर से दो गंभीर घायल राम प्रसाद और रामकिशन को एंबुलेंस की सहायता से झालावाड़ के चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के पश्चात दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों शवों को झालावाड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को जब्त कर लिया है।

जो सरकार बिजली-पानी की कमी पूरी न कर सके, उसे सत्ता में रहने का अधिकार नहीं :भूपेंद्र

चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में बिजली–पानी की किल्लत के चलते हाहाकार मचा हुआ है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता सुख में मदहोश आंखें बंद किये बैठी है, जो पार्टी जनता की बिजली–पानी जैसी आधारभूत जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकती, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

श्री हुड्डा ने कहा कि बिजली की किल्लत के कारण न सिर्फ आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि लोगों के काम–धंधे और उद्योगों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान बिजली उत्पादन में हरियाणा सरप्लस स्टेट बन गया था।

प्रदेश के पास खुद के इतने पावर प्लांट और उत्पादन क्षमता हैं कि वह प्रदेश की जरूरत पूरी करने में सक्षम है। लेकिन भाजपा इन पावर प्लांट्स से पर्याप्त बिजली उत्पादन नहीं कर रही है। कई यूनिट बंद पड़े हैं। इसके कारण प्रदेश को अन्य निजी कंपनियां पर आश्रित होना पड़ता है। मांग बढ़ने के बाद न कोई नया कारखाना लगा, न कोई नई यूनिट का उत्पादन हुआ पिछले दस साल में।

उन्होंने कहा कि भाजपा हर बार गर्मी के मौसम में यही खेल खेलती है। निजी कंपनियां बिजली की किल्लत का लाभ उठाती हैं और सरकार को कई गुना महंगे रेट पर बिजली बेचती हैं। इसका भुगतान आम जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर किया जाता है। इस बार भी जनता के साथ यहीं खेल हो सकता है, लेकिन कांग्रेस हर मंच से भाजपा के इन मंसूबों को उजागर करेगी।

योग दिवस की तैयारी के लिए जागरूकता शिविर आयोजित

अजमेर, 18 जून (एजेंसियां)। अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून से पहले योग की अलख जगाने के लिये केन्द्रीय संचार ब्यूरो की ओर से मंगलवार को यहां एक विशेष योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अजमेर स्थित केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से आज टोरंटो पैलेस में योग दिवस काउंटडाउन के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी शाखा अजमेर के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में योगाभ्यास के साथ–साथ योग के विषय में जानकारी दी गयी तथा योग पर आधारित प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में योग शिक्षक डॉ स्वतंत्र कुमार शर्मा ने अपने सहयोगियों के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर सूर्य नमस्कार के साथ–साथ त्रिकोणासन, धनुरासन, कटि चक्रासन आदि विभिन्न आसन कराये गये। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी पराग मांदले ने कहा कि महर्षि पतंजलि ने अपने योग सूत्र के माध्यम से जिस अष्टांग योग का प्रतिपादन किया है, आसन और प्राणायाम उसके दो भाग हैं, जिनके माध्यम से शरीर और मन को स्वस्थ और रोगमुक्त रखा जा सकता है। योग वास्तव में प्रकृति के साथ तालमेल बैठाने वाली एक संपूर्ण जीवनशैली का प्रतिपादन करता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पहल पर वर्ष 2015 से संपूर्ण विश्व में 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है और आज सारी दुनिया भारत की इस अद्भुत देन के प्रति आकर्षित है। डॉ शर्मा ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि ने जहां अपने योग सूत्र के 195 सूत्रों के माध्यम से योग को वैज्ञानिक आधार दिया, वहीं श्रीमद भगवद्गीता को योगशास्त्र कहा जाता है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन का परिचय जीवन का कल्याण करने वाले भक्तियोग, ज्ञानयोग, कर्मयोग और राजयोग जैसे विभिन्न मार्गों से कराया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिये योग पर आधारित एक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस भारत ही नहीं पूरे विश्व में नये उत्साह के साथ मनाया जायेगा।

एचआरटीसी की बसों में मिलेगा ठंडा पेयजल

चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने बढ़ती गर्मी के कारण हरियाणा राज्य परिवहन (एचआरटीसी) की सभी बसों में यात्रियों के लिये ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं।

एचआरटीसी के निदेशालय की ओर से मंगलवार प्रदेश के सभी महाप्रबन्धकों को निर्देश दिये गये हैं कि राज्य परिवहन, हरियाणा की सभी बसों में ठंडे पेयजल की व्यवस्था की जाये ताकि यात्रियों को जल के अभाव में परेशानी का सामना न करना पड़े। निर्देश में कहा गया है कि वर्तमान में लगातार बढ़ते तापमान के कारण गर्मी का स्तर बढ़ता जा रहा है, जिस कारण बसों में यात्रा कर रहे यात्रियों को भी परेशानी हो रही है। गर्मी के कारण लगातार पेयजल आवश्यकता भी पड़ती है। कई बार ऐसे स्थान भी होते हैं, जहां पानी की व्यवस्था नहीं होती।

परिवहन विभाग के निदेशक की ओर से निर्देश दिये जाते हैं कि तुरन्त प्रभाव से सभी बसों में ठण्डे पेयजल की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। इस संदर्भ में सभी चालक / परिचालकों को निर्देश जारी किये जायें ताकि यात्रियों को बढ़ती हुई गर्मी में ठंडे पेयजल की कमी से जूझना न पड़े।

छप्पर में आग लगने से छह वर्षीय बालिका की जल कर मौत

अलवर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के गांव आगराकी में एक छप्पर में आग लगने से छह वर्षीय बालिका की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईद के दिन दोपहर आगराकी निवासी अजरुद्दीन के कच्चे झोपड़े में अचानक आग लग गयी। आग की लपटों में आकर छह वर्षीय बालिका की मौत हो गयी। आग इतनी जल्दी फैली की वहाँ रखा घर का सारा सामान जल गया, इसके साथ ही घर में बंधी दो भैंस भी झुलस गयीं। पीड़ित अजरुद्दीन के दो पुत्री और एक पुत्र है। सूचना के बाद नायब तहसीलदार सहित पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन जब तक आग ने सब कुछ स्वाहा कर दिया।

ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक आग बुझायी गयी, तब तक घर का सामान, खाट एवं कूलर जल कर राख हो चुका था। आग की लपटें इतनी तेज थीं, कि बालिका को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला क्योंकि बालिका सोई हुई थी, तब बालिका को अंदर तलाश किया गया, तो बालिका कूलर के नीचे मृत अवस्था में मिली।

घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार गोविंदगढ़ रमेश खटाना पटवारी मनीष मीना मौके पर पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली। श्री खटाना ने बताया कि फोन के जरिये सूचना मिली की आगराकी गांव में आग लगी है, जिसमें छह वर्षीय बालिका की झुलस कर मौत हो गयी है। मौके पर पहुंचे हैं, और मौका मुआयना कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

चरवाहे की गर्मी से हुई मौत

अलवर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले से समूह के रूप में भेड़ चराने अलवर जिले में आये एक चरवाहे की लू लगने से मौत होने का मामला सामने आया है।

मृतक के परिजन मोहन राम ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण नागौर के डीडवाना के बजोली गांव से भेड़ चराने आये 24 साल के युवक कृष्णाराम की मौत हो गयी। परिजनों ने बताया कि वह ढाई महीने पहले अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ भेड़ चराने निकले थे। अब इनका डेरा अलवर जिले के राजगढ़ उपखंड के टहला इलाके में है। अचानक सोमवार की दोपहर कृष्ण की तबीयत खराब हुई, तो उसे पहले टहला अस्पताल में लाया गया। इसके बाद उसे अलवर के लिए रेफर कर दिया ,जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

भीलवाड़ा में निर्जला एकादशी पर भरा मेला

भीलवाड़ा, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में निर्जला एकादशी के मौके पर मंगलवार को ग्यारस माता मंदिर में मेला भरा।

भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट के पास स्थित ग्यारस माता मंदिर में सुबह से ही पूजा–अर्चना का दौर शुरू हो गया। यहां भारी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपवास रखकर दर्शन एवं पूजन के लिये पहुंचे। पंडित दीपक पाराशर ने बताया कि निर्जला एकादशी के व्रत का धार्मिक पुराणों में विशेष महत्व है। आज के दिन इस व्रत को रखने से परिवार में खुशहाली एवं संपन्नता के साथ ही कष्टों से भी मुक्ति मिलती है। महिलाओं ने निर्जला एकादशी के मौके पर आम, तरबूज और फल के साथ पानी से भरी मटकी और कलश ग्यारस माता को अर्पित किये हैं। महिलाओं ने मंदिर में दीपक, अगरबत्ती जला घर में सुख–शांति की कामना भी की। धार्मिक मान्यता के अनुसार निर्जला एकादशी के दिन ग्यारस माता की पूजा करने से पूरे साल भर परिवार में सुख, शांति समृद्धि बनी रहती है।

अवैध खनन के खिलाफ जांच अभियान रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश

जयपुर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य में बजरी के साथ–साथ सभी खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ जिला कलेक्टर के निर्देशन में जारी संयुक्त अभियान की प्रतिदिन की पंचनामा कार्रवाई मोबाइल फोन एप पर अपलोड करनी होगी।

खान सचिव आनन्दी ने मंगलवार को बताया कि विभाग द्वारा खनिज बजरी और अन्य खनिजों के संयुक्त जांच अभियान का 18 जून से विभागीय पोर्टल पर माड्यूल आरंभ कर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि बजरी के साथ ही अन्य खनिजों का भी ऑनलाइन पोर्टल पर ज्वाइंट कैंपेन प्रोग्रेस रिपोर्ट लिंक पर प्रतिदिन की की गयी कार्रवाई को दर्ज किया जाये। इससे विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी।

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में संयुक्त जांच दल गठित कर विशेष जांच अभियान शुरू किया गया है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित संयुक्त जांच दल में गृह, खान, राजस्व, वन और परिवहन विभाग को शामिल किया गया है।

दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

भीलवाड़ा,18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के शाहपुरा जिले के मधुपुरिया–आमली चौराहे के पास दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि टीटोड़ा निवासी देवा बैरवा ने थाने में रिपोर्ट दी कि उसका भाई शंकर बैरवा रात आठ बजे कैलाश बैरवा के साथ बाइक पर पीछे बैठा था। दोनों रलायता से टीटोड़ा जागीर लौट रहे थे। दोनों आमली चोराहे के पास पंहुचे थे कि एक अन्य बाइक के चालक ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना में घायल दोनों को उपचार के लिये काछोला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने शंकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं कैलाश को भीलवाड़ा रेफर किया गया है। पुलिस ने देवा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जयपुर में एक कालेज को बम से उड़ाने की मिली धमकी

जयपुर, 18 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को एक कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंधी कैंप थाना क्षेत्र की एसएसजी गोविंद स्वरूप पारीक पीजी कॉलेज को सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरा ई मेल मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई और इसके बाद पुलिस के अधिकारी डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता के साथ मौके पर पहुंचे।

बीमा भारती के बेटे पर व्यवसायी की हत्या की सुपारी देने का आरोप

पटना (एजेंसियां)।

पूर्णिया के चर्चित व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने शूटर और लाइनर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान इन लोगों ने रुपौली से पांच बार की विधायक और लोकसभा चुनाव में राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पुत्र राजा पर हत्या की सुपारी देने का आरोप लगाया। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि यह डील पांच लाख में तय हुई थी। वारदात को चार बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया था। हत्या से पहले एक लाख 31 हजार रुपए तीन बार में इनके खाते में भेजे जा चुके थे। हत्या के बाद राजा ने सभी को मटन की पार्टी भी दी थी। इधर, पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद राजा पूर्णिया छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार व्यवसायी गोपाल यादुका के मर्डर में शामिल आरोपियों की पहचान बीकोठी थाना क्षेत्र के भतसारा गांव निवासी ब्रजेश यादव और भवानीपुर के विकास यादव, संजय यादव और विशाल राय के रूप में हुई है। राजा, संजय और ब्रजेश आपस में दोस्त हैं। तीनों की एक दूसरे से जान पहचान थी। भवानीपुर थानेदार सुनील कुमार ने बताया कि व्यवसायी गोपाल यादुका के परिजनों ने घटना के बाद जमीनी विवाद का जिक्र किया था। इसके बाद पुलिस ने इस एंगल पर काम करना शुरू किया।

जमीनी विवाद के तह तक गई। पुलिस ने संजय नाम के जमीन ब्रोकर की भूमिका संदिग्ध पाई। ब्रोकर के साथ रहने वाले लोगों की जानकारी जुटाई गई। इसके बाद पुलिस बी. कोठी थाना क्षेत्र के भतसारा गांव में रहने वाले ब्रजेश कुमार तक पहुंची। पुलिस ने जब ब्रजेश से पूछताछ शुरू की, तो ब्रजेश ने ये बताया कि ब्रोकर संजय किसी की हत्या के लिए भाड़े का शूटर खोज रहा था। लेकिन, काफी खोजने पर भी शूटर नहीं मिल सका। इसके बाद संजय ने बीमा भारती के पुत्र राजा को अपनी परेशानी बताई। फिर राजा ने शूटर को उपलब्ध कराया।

भवानीपुर के विशाल राय को गोपाल यादुका की हत्या की सुपारी दी गई। हत्या करने की डील पांच लाख रुपए में फिक्स हुई थी। शूटर विशाल ने हत्याकांड को अंजाम तक पहुंचाने के लिए विकास यादव को शामिल किया। इसके बाद दो जून को चार अपराधियों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद सभी कदवा वासा में जमा हुए। जहां पहले से बीमा भारती का पुत्र राजा समेत बाकी सहयोगी सभी का इंतजार कर रहे थे। राजा ने सभी को मटन पार्टी दी। इसके बाद राजा ने विकास यादव को 50 हजार रुपए, ब्रजेश यादव को 4800 रुपए दिए। वहीं मर्डर से पहले ब्रजेश यादव को एडवांस के रूप में 76 हजार रुपए भेजे गए थे। वहीं, आरोपी ब्रजेश यादव और विकास यादव की गिरफ्तारी की भनक लगते ही बीमा भारती का पुत्र राजा पूर्णिया छोड़कर भाग निकला। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी जारी है। वहीं संजय ब्रोकर को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बीमा भारती के आवास पर पुलिस की रेड, राजद नेत्री ने पूछा-

मैं आतंकवादी हूं क्या नीतीश सरकार फंसा रही

पटना (एजेंसियां)।

रुपौल की पूर्व विधायक और राष्ट्रीय जनता दल की नेत्री बीमा भारती के सरकारी आवास पर पुलिस ने छापेमारी की है। पूर्णिया पुलिस बीमा भारती के बेटे राजा की तलाश में पहुंची थी। हालांकि, पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा लेकिन बीमा भारती उनपर जमकर बरसीं। बीमा भारती ने पूछा कि आप किसकी इजाजत लेकर से अंदर घुस गए। मैं महिला और पूर्व विधायक हूं। आपके पास वारंट भी नहीं है। फिर आप कैसे घुस आए। मेरा बेटा कोई चोर हैं क्या? वह पढ़ने लिखने वाला लड़का है। आपको पूछताछ करनी है तो वह भवानीपुर थाना जरूर जाएगा। इस तरह से आप मुझसे अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकते हैं। इसके बाद पुलिसकर्मी वहां से चले गए। इधर, बीमा भारती ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस बिना वारंट घर में घुस गई। कोई आतंकवादी या अपराधी हूं क्या। इस तरीके से नहीं घुसना चाहिए था। सीएम नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सब सरकार के इशारे पर हो रहा है। मुझे जान-बूझकर परेशान किया जा रहा है। मेरे बेटे को फंसाया गया है। मुझे भी फंसाइए। मेरे पूरे परिवार को फंसाकर जेल भेज दीजिए। मेरे 18 साल के बेटे को जमीन विवाद में फंसाया जा रहा है। पति भी 10 दिन पहले ही जेल से निकले हैं। उन्हें भी झूठे केस में फंसाया गया। बीमा भारती ने कहा कि मैं डरने वाली नहीं हूं। लड़ूंगी। राजनीति में ऐसे आंधी-तूफान आते रहते हैं। बिहार में हर रोज क्राइम बढ़ रहा है। सरकार इसपर क्यों चुप रहती है। उन्होंने पूर्णिया एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा से मामले की जांच करने की मांग की है। धमदाहा एसडीपीओ संदीप गोल्डी ने बताया कि भवानीपुर पुलिस राजा की गिरफ्तारी और पूछताछ के लिए पटना स्थित पूर्व विधायक बीमा भारती के आवास पर पहुंची थी। इस दौरान मामले में बीमा भारती से भी पूछताछ की गई है। हालांकि, राजा की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बता दें कि व्यवसायी गोपाल यादुका के मर्डर केस में बीमा भारती के बेटे राजा का नाम आया है। शूटर और लाइनर की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने खुलासा किया कि राजा ने ही पांच लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस राजा की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

बेगूसराय में मंदिर के बाहर मिला प्रतिबंधित मांस

गांव में स्थिति तनावपूर्ण बड़ी तादाद में पुलिस तैनात

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के बेगूसराय में एक समुदाय द्वारा एक मंदिर की चारदीवारी के बाहर प्रतिबंधित मांस (मवेशी का मांस) फेंकने के विरोध में दूसरे समुदाय के लोग जमकर हंगामा करने लगे। इसके बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति पर काबू पा लिया। फिलहाल बड़ी तादाद में गांव में पुलिस बल तैनात है और कैंप कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय जिले के छौड़ाही थाना क्षेत्र के एकंबा गांव में एक समुदाय के लोगों ने मंदिर की चारदीवारी के बाहर मवेशी का मांस फेंक दिया। जैसे ही लोगों ने मंदिर के बाहर मांस देखा वैसे ही हंगामा शुरू हो गया। हंगामे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को काबू करने की कोशिश की, लेकिन लोग उग्र हो गए। इस घटना की सूचना बेगूसराय एसपी मनीष कुमार को लगी। उसके बाद एसपी मनीष कुमार ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह मामले को शांत कराया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक समुदाय द्वारा मंदिर के बाहर मवेशी का मांस फेंक दिया था। लोगों ने जब मंदिर के पास मांस देखा तो उग्र हो गए। उन्होंने बताया कि एक समुदाय के लोगों द्वारा मनमानी की गई है। एक धर्म के लोगों को ठेस पहुंचाने का काम किया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लोगों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करें। हालांकि मौके पर कई थानों की पुलिस समय रहते पहुंच गई, जिससे कि कोई बड़ी घटना होने से बच गई। लेकिन जिस तरह से मामला सामने आया है।

वहीं, बेगूसराय के विधायक कुंदन सिंह ने इस घटना को लेकर कहा कि बिहार में सरकार रहे या न रहे, लेकिन ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एक हिंदू होने के नाते हम अपने धर्म से समझौता नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब लोगों की आंख खुली तो लोगों ने एकंबा गांव के एक मंदिर के बगल में मवेशी के मांस का टुकड़ा देखा। उसके बाद कानों-कान यह खबर पूरे गांव में फैल गई। फिर हिंदू समाज के लोग जमा होने लगे और बवाल शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष ने तुरंत ही संबंधित थाने को निर्देश दिया और घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश जारी कर दिया। उसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। इस संबंध में एसपी मनीष ने बताया कि एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। वह दोबारा पूरे मामले की जांच करेगी और मामले में जो भी दोषी होंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

सुरक्षाकर्मी चला रहे सर्च ऑपरेशन

पटना (एजेंसियां)।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अपराधियों ने ईमेल भेजकर यह धमकी दी है। इसके बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया और तुरंत ही अधिकारियों की आपात बैठक बुलायी गयी।इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गई।

फौरन एयरपोर्ट थाना की पुलिस और सीआईएसएफ की टीम पटना एयरपोर्ट पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। बम स्कायड की टीम भी पहुंची। मंगलवार दोपहर करीब एक घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा लेकिन बम या अन्य कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला। पटना पुलिस अलर्ट मोड पर है। साइबर सेल और अन्य जांच एजेंसी मामले की तफ्तीश कर रही है।

पटना एयरपोर्ट के निदेशक आंचल प्रकाश ने बताया कि पटना एयरपोर्ट को बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कई अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाए गए हैं। फिलहाल सबकुछ सामान्य है।

पटना, बक्सर समेत नौ जिलों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट, औरंगाबाद का पारा 46.9 डिग्री तक पहुंचा

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना सहित बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास, अरवल, जहानाबाद, गया जिला के कुछ स्थानों पर मंगलवार को लू के साथ भीषण उष्ण लहर की संभावना के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। सीवान, सारण, वैशाली, शेखपुरा, बेगूसराय, समस्तीपुर, नवादा,नालंदा में उष्ण लहर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य के उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, दक्षिण पूर्व भागों के जिला में एक से दो स्थानों पर गर्म दिन रहने की आशंका है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के औरंगाबाद में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र का मानना है कि सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज के कुछ भागों में आने वाले तीन से चार घंटे के दौरान हल्की से मध्यम स्तर की मेघ गर्जन के साथ बारिश के आसार जताए गए हैं। इन जिलों में तेज हवा जिसकी गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना बताई गई है। राज्य के जिन जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किए गए उनके नाम पटना 41.5, गया 45.4 ,छपरा 43.3, डेहरी 46.4, शेखपुरा 42.4, गोपालगंज 42.1,जमुई 41.2, बक्सर 46.6, भोजपुर 46.2, वैशाली 44.3 ,औरंगाबाद 46.2, बांका 43. 3, नवादा 44.0, राजगीर 44.3, जीरादेई 43.6 ,अरवल 46.4, बिक्रमगंज 45.4 मुंगेर 41.4 इसके अलावा भागलपुर 39.2 ,पूर्णिया 32.2, वाल्मीकि नगर 37.2 , मुजफ्फरपुर 36.2, दरभंगा 37.2, सुपौल 33.2, फारबिसगंज 32.2, मधुबनी 36.7 मोतिहारी 37.0, समस्तीपुर 37.1, बेगूसराय 37.0, कटिहार 33.6, अररिया 30.5, पूसा 36.8 और किशनगंज 31.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किए गए।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के उत्तर पूर्व भाग के एक या दो स्थानों पर की हल्की बरसात दर्ज की गई। बाकी का शेष भाग शुष्क बना रहा। राज्य के 17 जगह पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक बना रहा।

प्रदेश के कई जगहों पर भीषण उष्ण लहर की स्थिति बनी रही। जबकि उष्ण लहर पटना, जमुई और मुंगेर में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के उत्तर पूर्व तथा दक्षिण पूर्व एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा का पूर्वानुमान है। अगले दो से तीन दिनों के दौरान तापमान में कोई विशेष परिवर्तन का पूर्वानुमान नहीं है। तत्पश्चात अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। बिहार के कुछ भागों में तीन से चार दिनों के बाद मानसून का असर दिखाई पड़ने लगेगा।

जदयू सांसद के बयान पर घमासान

अब राजद कार्यकर्ताओं ने देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ लगाए ये पोस्टर

वैशाली (एजेंसियां)।

बिहार के वैशाली जिले के रतनपुरा गांव में राजद कार्यकर्ता सीतामढ़ी सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने गांव की सड़क पर सांसद द्वारा न चलने के पोस्टर लगा दिए हैं। दरअसल, सांसद द्वारा पिछले दिनों दिए गए विवादित बयान के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है, जिसके बाद देवेश चंद्र ठाकुर का विरोध किया जा रहा है। राजद कार्यकर्ता सांसद देवेश चंद्र ठाकुर से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, सीतामढ़ी से जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के मुस्लिम-यादव वाले बयान के बाद बिहार में सियासत शुरू हो गई है। वैशाली में राजद नेता केदार प्रसाद यादव ने अपने समर्थकों के साथ सांसद देवेश चंद्र के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग कर दी। साथ ही प्रदर्शन के दौरान उन्होंने सीतामढ़ी में फिर से चुनाव कराने की मांग की है। इसके साथ ही केदार प्रसाद यादव ने सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ चेतावनी वाला पोस्टर भी लगाया है। पोस्टर में लिखा है कि यह यादव, कुशवाहा और मुसलमान का गांव है। इस गांव की सड़क से सांसद महोदय देवेश चंद्र ठाकुर न जाएं। देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ हाजीपुर मुजफ्फरपुर छक पर भी पोस्टर लगाएंगे। कहा गया है कि इस रास्ते से न जाएं। लगातार विपक्ष देवेश चंद्र ठाकुर पर हमला बोल रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों देवेश चंद्र ठाकुर का सीतामढ़ी में धन्यवाद यात्रा का एक वीडियो सामने आया था। उसमें देवेश चंद्र ठाकुर कहते नजर आ रहे हैं कि अब मैं यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करूंगा। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं, लेकिन चाय नाश्ता कर वापस चले जाएं। एनडीए के वोटों में से कितने चीरहरण हुए, इसका कोई भी उचित कारण नहीं है। सुरी और कलवार समाज के आधे से अधिक वोट कट गए, क्या कारण है। बताइए कुशवाहा समाज के वोट अचानक कट गए। यह सब तो एनडीए के वोट थे। लेकिन आखिर वोट क्यों कट गए, क्या कुशवाहा समाज इतना स्वार्थी हो गया है।

उन्होंने कहा था कि इस समाज से सरकार में बीजेपी से डिप्टी सीएम हैं। उपेंद्र कुशवाहा अगर जीत गए होते तो आज केंद्रीय मंत्री बन गए होते। कुशवाहा समाज से कोई पांच या सात लोग भी एमपी बन जाते तो सीतामढ़ी को उसका क्या फर्क पड़ जाता। क्या सीतामढ़ी के कुशवाहा समाज के लोग उनसे काम करवाने जाते, उनकी सोच कितनी विकृत हो गई है। मेरे पास एक मुस्लिम समाज के शख्स कुछ काम कराने के लिए आए थे, लेकिन हमने स्पष्ट कह दिया कि आपने तो लालटेन को वोट दिया होगा। इसलिए आए हैं तो चाय नाश्ता कीजिए और चलते बनिए, आपका काम नहीं करेंगे। देवेश चंद्र ठाकुर के बयान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जनादेश लेकर कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे तेजस्वी: डिप्टी सीएम

पटना (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बड़ी भविष्याणी कर दी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि जनादेश लेकर वह कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि तेजस्वी यादव हर दिन मुख्यमंत्री बनने का प्रयास कर रहे हैं। चोर दरवाजा से घुसने का प्रयास करते हैं। कभी पकड़ा जाते हैं तो कभी बाहर ठेल दिए जाते हैं। जनादेश लेकर वह कभी सीएम नहीं बनेंगे।

वहीं तेजस्वी यादव की पार्टी द्वारा फिर से बीमा भारती को टिकट देने की चर्चा के सवाल पर विजय सिन्हा ने कहा कि वो क्या करेंगे? यह उनका अधिकार क्षेत्र है। चुनाव एनडीए के पक्ष में गया है। इस लोकसभा चुनाव में मात्र 19 सीट पर ही राजद को बढ़त मिली है। आने वाले दिन में और बेहतर परिणाम हैं। जनता विकास चाहती है। जंगलराज और माफियाराज नहीं चाहती है।

वहीं जनता दल यूनाईटेड के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा मुस्लिम यादव वोटर पर दिए गए बयान का उपमुख्यमंत्री ने समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर ने अपनी भावनाओं को प्रकट किया है। जो वोट देता है उसकी प्राथमिकता पहली रहती है। जो वोट नहीं भी देता उसके लिए भी एनडीए सरकार काम करती है। लोगों को समझना चाहिए कि जाति की जमींदारी, परिवार की जमींदारी से वह कब आजाद होंगे। वह बंधुआ मजदूर की तरह कब तक गुलाम बनकर रहेंगे। एक व्यक्ति जो सजायाफ्ता है। भ्रष्टाचार के मामले में जेल में रहा है। उस व्यक्ति का बंधुआ मजदूर बनकर लोग कब तक रहेंगे। इस सवाल पूरा देश पूछ रहा है। सीएम नीतीश द्वारा चंदन का टीका लगाने के बयान पर विजय सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रेरणा है कि सभी लोग चंदन लगाएं। अपनी संस्कृति और संस्कार का सम्मान करें। शास्त्रों और धर्मग्रन्थों में इसका उल्लेख है। चंदन हमारा संस्कार और संस्कृति है। मां भारती के संतान को इसका सम्मान करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com